

Daily सच के हक में...

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi



Karisma Kapoor Was 1st Choice...

पालघर जिले में 76,000 करोड़ रूपये की परियोजनाओं का प्रधानमंत्री ने किया शिलान्यास

: 82,365.77 25,235.90

6,875

चांदी 93.00 (नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS पहली तिमाही में जीडीपी घटकर हुआ 6.7 प्रतिशत

NEW DELHI: भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून २०२४ में घटकर 6.7 फीसदी हों गई है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था ८.२ फीसदी की दर से बढ़ी थी। मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र के खराब प्रदर्शन के चलते पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में आर्थिक वृद्धि की रफ्तार घटीं है। हालांकि, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्था बना हुआ है। बता दें, अप्रैल-जून तिमाही में चीन की जीडीपी वृद्धिं दर 4.7 फीसदी थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर दो फीसदी रहीं। बीते वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में यह आंकड़ा ३.७ फीसदी था। दूसरी ओर विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि सालाना आधार पर पांच प्रतिशत से बढ़कर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में

वॉशरूम में छिपाया हिडेन कैमरा, वीडियो-फोटो लीक

सात प्रतिशत हो गई है।

VIJAYWADA: आंध्र प्रदेश में कृष्णा जिले के गुडीवाड़ा में एक इंजीनियरिंग कॉलेज के गर्ल्स वॉशरूम में हिडेन कैमरा मिलने के बाद हंगामा हो गया। मामला गुडलावलेरु कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग का है। घटना की जानकारी मिलते ही स्टूडेंट्स ने नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने इस मामले में कॉलेज में बीटेक फाइनल ईयर के स्टूडेंट विजय कुमार को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी का फोन और लैपटॉप भी जब्त किया है। बताया जा रहा है कि हिडेन कैमरे से छात्राओं के वीडियो रिकॉर्ड करके बेचे जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक अब तक लगभग 300 फोटो-वीडियो लीक हो चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने घटना की जाच के आदेश दिए हैं।

पहली बार ग्रीक के चार लड़ाकू जेट पहुंचे भारत

NEW DELHI :भारतीय वाय सेना की मेजबानी में पहली बार हो रहे बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' के दूसरे चरण की औपचारिक शुरूआत शुक्रवार से राजस्थान के जोधपुर में हो गई। इसमें शामिल होने के लिए बांग्लादेश के अलावा अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, सिंगापुर और युएई की वायु सेनाएं रेगिस्तानी इलांके में पहुंचीं हैं। यह पहला मौका है जब हेलेनिक वायु सेना भी इस अभ्यास में भाग लेने के लिए चार ग्रीक लड़ाकू जेट के साथ भाग लेने भारत आई है। तरंग शक्ति का दूसरा और अंतिम चरण 14 सितंबर तक राजस्थान के जोधपुर में होगा। अभ्यास के दूसरे चरण में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, सिंगापुर, यूएई की वायु सेनाओं के लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, विशेष ऑपरेशन विमान, मध्य हवा में ईंधन भरने वाले और हवाई चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली विमान सहित 70-80 विमान रेगिस्तानी इलाके में पहुंचे हैं।

शिवाजी के चरणों में शीश नवाता हूं, क्षमा मांगता हूं : मोदी

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्रं के तटीय सिंधुदुर्ग जिले में प्रतिमा गिरने को लेकर मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज तथा इस घटना से आहत लोगों से माफी मांगी। महाराष्ट्र के पालघर जिले में 76,000 करोड़ रुपये की लागत वाली वधावन बंदरगाह परियोजना की आधारशिला रखने के बाद मोदी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक नाम या राजा नहीं हैं। हमारे लिए वह देवता हैं। आज मैं उनके चरणों में सिर झुकाता हूं और अपने देवता से क्षमा मांगता हूं। मोदी

ने कहा, हमारे मूल्य अलग हैं। हमारे लिए

हमारे देवता से बड़ा कुछ नहीं है। उन्होंने

कहा, कुछ लोग वीर सावरकर को गाली

देते रहते हैं, लेकिन उनका अपमान करने

के लिए माफी मांगने को तैयार नहीं हैं।

उन्होंने कहा, जब मैं यहां पहुंचा, तो मैंने

सबसे पहले शिवाजी महाराज से प्रतिमा

• छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक नाम या राजा नहीं, हमारे लिए वह देवता • विकसित महाराष्ट विकसित भारत के संकल्प का एक अनिवार्य हिस्सा

• 10 वर्षों में हमने महाराष्ट्र की प्रगति के लिए लगातार बडे फैसले लिए

10 सालों में 31 अरब डॉलर से अधिक निवेश

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों में 31 अरब डॉलर से अधिक का निवेश हुआ है। एंजल टैक्स को समाप्त करना भी इस क्षेत्र की वृद्धि की दिशा में एक कदम है। उन्होंने नियामकों से साइबर धोखाधड़ी की जांच के लिए अतिरिक्त उपाय करने को कहा, जिसका स्टार्टअप पर बरा असर हो सकता है। एंजल कर (30 प्रतिशत से अधिक की दर से आयकर) का मतलब वह आयकर है, जो सरकार गैर-सूचीबद्ध कंपनियों या स्टार्टअप



है ...यदि उनका मल्यांकन कंपनी के उचित बाजार मृत्य से अधिक है। प्रधानमंत्री पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और फिनटेक कन्वर्जेस काउंसिल द्वारा संयक्त रूप से

PHOTON NEWS RANCHI:

शुक्रवार को चम्पाई सोरेन की

जगह प घाटशिला के झामुमो

विधायक रामदास सोरेन ने मंत्री

पद की शपथ ली। झारखंड के

राज्यपाल संतोष गंगवार ने उन्हें

पद और गोपनीयता की शपथ

दिलाई। कार्यक्रम में सीएम हेमंत

सोरेन भी मौजद थे। रामदास

सोरेन घाटशिला विधानसभा सीट

से दो बार विधायक रह चुके हैं।

पार्टी ने उन्हें जमशेदपुर के जिला

अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी पहले से

सौंप रखी है। रामदास पहली बार

कैबिनेट में शामिल हुए हैं। बता दें

कि जेएमएम कोल्हान में खुद को

कमजोर नहीं करना चाहता। यही

वजह है कि चम्पाई के बाद

कोल्हान से ही एक मजबूत लीडर

इधर, चम्पाई की जगह रामदास सोरेन ने ली

मिनिस्टर पद की शपथ

(जीएफएफ) 2024 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नियामकों से साइबर धोखाधड़ी रोकने तथा लोगों की डिजिटल समझ बढाने के लिए और कदम उढाने का आह्वान किया। मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि इससे भारतीयों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीयों द्वारा वित्तीय पौद्योगिकी को जितनी तेजी से तथा जिस व्यापक स्तर पर अपनाया गया है, दुनिया में कहीं ऐसा देखने को नहीं मिला।

शहीद मैदान में आयोजित कार्यक्रम में ली बीजेपी की सदस्यता

तरह भगवा रंग में रंगे चम्पाई, अब हो गए भाजपाई

PHOTON NEWS RANCHI: शुक्रवार को झारखंड के पूर्व

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन पूरी तरह भगवा रंग में रंग गए। झारखंड मुक्ति मोर्चा और मंत्री पद से इस्तीफा देने के दो दिन बाद वह बीजेपी में शामिल हो गए। राजधानी रांची के धुर्वा स्थित शहीद मैदान में आयोजित कार्यक्रम में देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलवाई। इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि चम्पाई सोरेन के आने से भाजपा मजबत होगी। टाइगर अभी जिंदा है। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जेएमएम अब पति-पत्नी और दलालों की पार्टी रह गई है। चम्पाई जी ने झारखंड निर्माण में अपना जीवन खपा दिया, ऐसे ही कार्यकर्ता और नेताओं की वजह से अटल जी ने अलग झारखंड बनाया था।

पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा- कभी नहीं सोचा था, मेरी जासुसी होगी



झारखंड के हित में लिया फैसला

चम्पाई सोरेन ने कहा कि मैं दिल का साफ हूं, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी जासूसी होगी। जिसने झारखंड के लिए लड़ाई लड़ी, उसके पीछे जासूस लगाया। उस दिन के बाद हमने फैसला कर लिया कि भाजपा में जाएंगे, जनता की सेवा करेंगे। बता दें कि चम्पाई ने 28 अगस्त को देर शाम झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की प्राथमिक सदस्यता से . पेफा दे दिया। उन्होंने कहा था, 'हमने जो भी फैसला लिया है, झारखंड के हित में लिया है। हम

संघर्ष करने वाले व्यक्ति हैं, पीछे नहीं हटेंगे। पार्टी हमें जो भी दायित्व देगी, उसी हिसाब से हम काम करेंगे। झारखंड में विकास के साथ-साथ आदिवासियों के अस्तित्व को बचाने के लिए हम कदम उठाएंगे। चम्पाई सोरेन ने कहा कि हमने राजनीति से संन्यास लेने का फैसला लिया था, लेकिन झारखंड की जनता का प्यार देखकर फिर राजनीतिक झारखंड आंदोलन का उतार-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर विश्वास

चम्पाई सोरेन ने माना कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैट एक ज्वलंत मुद्दा है। उन्होंने कहा कि किसी और पार्टी में रहकर वह इस मुद्दे को नहीं उठा सकते थे। इसको रोकने के लिए कोई काम नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने भाजपा को चुना। कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर विश्वास है। झारखंड का विकास करना है। यह पूछने पर कि लोबिन हेम्ब्रम ने कहा था कि वह आपके साथ भाजपा में शामिल होंगे। इस पर सोरेन ने कहा कि उनके बारे में मैं ाही कह सकता है। मेरे बारे में आप सवाल पछें, मैं उसका जवाब देंगा। बार-बार जब उनसे यह संवाल पूछा गया, तो उन्होंने यही जवाब दिया कि

पार्टी में किया स्वागत

भाजपा नेत्री सीता सोरेन ने भाजपा में अपने चाचा चम्पाई सोरेन का स्वागत किया। कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री ने ती– धनुष को कब्जा करने का काम किया है। हमने कभी सोचा भी नहीं था कि वो चाचा का अपमान करेंगे। मैंने 14 वाला है। सीता ने कहा कि जेएमएम में पुराने नेता जिसने पार्टी को खड़ा किया, वो लगातार अपमानित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए

सीता सोरेन ने चाचा का

साल अपमान सहा। आज जेएमएम ट्टने महिलाओं को लाइन में खड़ा किया।

हेमंत ने लोगों से की लाभ उठाने की अपील, 15 तक चलेगा अभियान

'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का चौथा चरण शुरू

PHOTON NEWS RANCHI:

शक्रवार को हेमंत सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लोगों के द्वार तक पहुंचाने के उद्देश्य से ह्यआपकी योजना, आपकी सरकार,आपके द्वारह्ण कार्यक्रम के चौथे चरण की शुरूआत हुई। यह जनसंपर्क कार्यक्रम 15 सितंबर तक जारी रहेगा। इस जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत सभी जिलों में विशेष शिविर लगाया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जेएमएम के विधायक व नेता और सभी जिलों के डीसी लोगों को अपनी नजदीकी पंचायत,वार्ड में जाकर विभिन्न



कल्याणकारी योजनाओं का लाभ

उठाने और दूसरों को भी प्रेरित

करने की अपील कर रहे हैं। हेमंत

सोरेन ने एक्स पर पोस्ट कर कहा

कि आपकी सरकार आपको

योजनाओं का लाभ देने के लिए

15 नवंबर २०२१ को शुरू हुई थी योजना

हेंमत सोरेन ने सबसे पहले 15 नवंबर 2021 को पंचायत स्तर पर लाभार्थियों के लिए शिविर लगाकर आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत की थी। इस पहल का उद्देश्य कल्याणकारी

उन्होंने लोगों से अपने-अपने क्षेत्रों में आयोजित किए जा रहे शिविरों से योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। इसके अलावा महागामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर चौथी बार आपके द्वार पहुंच रही है। लोगों से लाभ उठाने की अपील की

योजनाओं से संबंधित आवेदनों का मौके पर ही निपटारा करना है, ताकि ग्रामीणों को जल्द से जल्द लाभ मिलना शुरू हो सके। राज्य में २०२१ में कुल ६,८६७ शिविर आयोजित किए गए और लगभग 35.95 लाख आवेदन प्राप्त हुए थे।

है। बोकारो, गिरिडीह, लोहरदगा, देवघर, कोडरमा, चतरा, गढ़वा, सिंहभूम, साहिबगंज, सरायकेला-खरसांवा सहित अन्य जिलों के डीसी ने भी ऑफिशियल एक्स हैंडल पर पोस्ट कर जनसंपर्क कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी है।

अवनी लेखरा ने पैरालिंपिक रिकॉर्ड

ने पैरालिंपिक गेम्स में भारत को पहला मेडल दिला दिया है। उन्होंने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल शटिंग की एसएच1 कैटेगरी में पैरालिंपिक रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने २४९.७ स्कोर किया। पिछला पैरालिंपिक रिकॉर्ड 249.6 भी अवनी के ही नाम था, जो उन्होंने टोक्यो में बनाया था। कोरिया की युनरी ली को सिल्वर मिला, उनका स्कोर २४६.८ रहा। भारत की ही मोना अग्रवाल ने 228.7 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया। क्वालिफिकेशन राउंड में अवनी दूसरे और मोना पांचवें नंबर पर रही थीं। अवनी ने एसएच1 कैटेगरी में गोल्ड जीता था। शूटिंग में एसएच1 कैटेगरी में वे शूटर शामिल होते हैं, जिनके हाथ, शरीर के निचले हिस्से या पैर प्रभावित होते हैं। या फिर जिनके कोई अंग नहीं होते। वालिफिकेशन राउंड में अवनी लेखरा दूसरे और मोना अग्रवाल पांचवें नंबर पर रही थीं। फाइनल में 2 राउंड की शूटिंग बाकी थी, तब मोना २०८.1 स्कोर के साथ टॉप पर थीं। अवनी दूसरे और कोरियन शूटर तीसरें नंबर पर थीं। सेकेंड लास्ट राउंड में कोरियन शूटर ने पहला स्थान हासिल कर लिया और अवनी दूसरे पर पहुंची। जबकि मोना तींसरे नंबर पर रहकर गोल्ड मेडल की रेस से बाहर हो गई। आखिरी राउंड में अवनी ने पैरालिंपिक रिकॉर्ड बनाया और



के साथ जीता गोल्ड

NEW DELHI: अवनी लेखरा

249.7 के स्कोर के साथ गोल्ड जीत लिया।



चम्पार्ड को रामदास ने बताया बड़ा नेता शपथ लेने से पहले रामदास सोरेन ने

कहा, 'मैंने कभी पद के लिए अपनी तरफ से दावा नहीं किया। पार्टी ने हमेशा जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी, उसे ईमानदारी से निभाता रहा। इस पद को भी उसी तरह निभाऊंगा। हमारी लडाई जल, जंगल और जमीन की थी और उसी की रहेगी। चम्पाई के संबंध में उन्होंने कहा, 'वो एक बडे नेता हैं, हमने झारखंड आंदोलन के समय काफी समय साथ में बिताया है। पार्टी ने उन्हें शुरू से पूरा सम्मान दिया, इसमें कोई र्दा राय नहीं है। वे छह बार विधायक रहे, तीन बार मंत्री रहे और उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी भी सौंपी गई।

• राज्यपाल संतोष गंगवार ने दिलाया पद और गोपनीयता का ओथ

- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रहे मौजुद
- घाटशिला विधानसभा सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं रामदास

को मजबत करने का काम करेंगे। इसी रणनीति के तहत उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। पूर्वी और पश्चिमी सिंहभम के अलावा सरायकेला-खरसावां जिले में पार्टी में इनसे सीनियर नेता कोई दुसरा नहीं है। आदिवासी समाज में इनकी मजबूत पहचान है। रामदास ने शिबू सोरेन और चम्पाई सोरेन के साथ झारखंड आंदोलन में सक्रिय भूमिका

मिथिलेश व हफीजुल के बदले गए विभाग

रामदास सोरेन को जल संसाधन और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री बनाया गया है। इसके साथ ही दो कैबिनेट मंत्रियों के विभाग बदले गए हैं। मिथिलेश कुमार टाकुर और हफीजुल हसन के विभागों में बदलाव किया गया है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के हस्ताक्षर से यह आदेश जारी किया गया है। झारखंड के मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पर्येटन, कला-संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मिला है। मंत्री हफीजुल हसन को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, निबंधन विभाग और नगर विकास एवं आवास विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

देर रात तक चली सीबीआई की छापेमारी

दोनों कारोबारियों के मोबाइल जब्त, कई दस्तावेज भी सीलबंद

गुरुवार को पाकुड़ में सीबीआई टीम की रेड देर रात 1.45 बजे तक चली। सीबीआई की रेड से ग्रामीण ही नहीं बल्कि शहरी

PHOTON NEWS PAKUR

इलाकों में भी हड़कंप मच गया। रात के लगभग 10 बजे सीबीआई टीम ने शहर के बीचों-बीच नाम् टोला स्थित नीरज अग्रवाल के आवास में छापेमारी की। वहीं दोपहर के लगभग 12 बजे हाकिम मोमिन के घर पहुंची और रात के लगभग 9.45 तक छापेमारी की। सीबीआई ने दोनों कारोबारियों के मोबाइल जब्त कर लिए। छापेमारी के दौरान कई दस्तावेजों को भी सीलबंद कर ले गई। सीबीआई की टीम ने पहले



हाकिम मोमिन के आलीशान मकान को देखा और उसके बाद बारी-बारी सभी कमरों में रखे अलमीरा, बक्सा सहित अन्य सामानों की छानबीन की। कुछ दस्तावेजों के साथ टीम निकली और अपनी गाड़ी में बैठकर सभी चले गए। सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया कि उनकी टीम अनुसंधान करने आई है और इसका डिटेल जल्द मिल जाएगा।

6 लाख बच्चों को देनी है वैक्सीन, 25 साल बाद मिला है इस वायरस का केस

पोलियो की वजह से गाजा में तीन दिन नहीं होगी जंग

पोलियो की वजह से जंग का रुकना मानवीय दृष्टि से अध्ययन महत्वपूर्ण है। इजरायल-हमास के बीच गाजा में तीन-तीन दिनों के लिए कुछ इलाकों में सीजफायर पर सहमति बन गई है। गाजा में 25 साल बाद 23 अगस्त को पोलिया का पहला केस मिला था, जिसके बाद 6.40 लाख बच्चों को पोलियो का टीका लगाया जाएगा। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) के अधिकारी रिक पीपरकोर्न ने कहा कि फिलिस्तीनी इलाकों में वैक्सीनेशन अभियान १ सितंबर को शुरू होगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच सीजफायर रहेगा। डब्ल्यूएचओ अधिकारी ने कहा कि वैक्सीनेशन अभियान सेंट्रल गाजा में शुरू होगा, जहां तीन दिन का सीजफायर रहेगा। फिर दक्षिणी गाजा की ओर बढेगा. जहां तीन दिन का और सीजफायर रहेगा। उसके बाद वैक्सीनेशन ड्राइव उत्तरी गाजा में चलाई जाएगी। पीपरकोर्न ने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो हर इलाके में सीजफायर को चौथे

दिन तक बढ़ाया जा सकेगा।

फिलिस्तीनी इलाकों में 1 सितंबर से शुरू किया जाएगा वैक्सीनेशन अभियान



चल रहा युद्ध ११ महाना

इजराइल और हमास के बीच इस जंग को लगभग ११ महीनों का वक्त बीत गया है। बीते साल ७ अक्टूबर को हमास के आतंकियों ने इजराइल पर हमला किया था। इसी दिन इजराइल ने जंग का ऐलान

कर दिया था। इसमें लगभग 1200 इजराइली नागरिकों की मौत हो गई थी। 329 इजराइली सैनिकों की मौत हो चुकी है। आतंकवादी लगभग 250 लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले गए थे।

जंग में 40 हजार फिलिस्तीनियों की मौत पांच लाख लोगों पर भुखमरी की मुसीबत इजरायल और हमास के बीच जारी

जंग में मरने वाले फिलिस्तीनियों का आंकड़ा ४० हजार के पार हो गया है। गाजा पर इजरायली हमलों में अब तक 90 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों में हमास के आतंकवादियों को भी शामिल किया गया है। मरने वालों की संख्या इससे भी अधिक हो सकती है। अभी भी कई शव मलबे में दबे हुए हैं। युद्ध की वजह से गाजा में मानवीय संकट खड़ा हो गया है। इजरायली हमलों की मार झेल रहे गाजा के नागरिकों के सामने भुखमरी की

मृताबिक, गाजा के लगभग 5 लाख लोगों को आने वाले महीनों में खाद्य संकट का सामना करना पड़ेगा। ये आंकड़ा गाजा की कुल आबादी का लगभग एक चौथाई हिस्सा है। इजरायली हमलों ने अब तक गाजा की 59 प्रतिशत इमारतों को ध्वस्त कर दिया है। उत्तरी गाजा में ये आंकड़ा 70 प्रतिशत से ज्यादा है। इजरायल-हमास के बीच सीजफायर और बंधकों की अदला–बदली के लिए कतर में 15 अगस्त से बातचीत हुई थी। यह दो दिन चली थी।

लेवी वसूलने निकले थे पांडे गिरोह के चार अपराधी, किए गए गिरफ्तार

अपराधियों के पास से दो बाइक और 14 मोबाइल हुए जब्त

PHOTON NEWS RAMGARH: जिले में पांडे गिरोह के कुख्यात अपराधी लगातार सक्रिय हैं। वे लोग विभिन्न कंपनियों के मालिकों और ठेकेदारों को लगातार अपना निशाना बना रहे हैं। भदानीनगर ओपी क्षेत्र में ठेकेदारों से लेवी वसुलने के लिए निकले 4 अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले की जानकारी शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने दी। गिरफ्तार अपराधियों में हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत नापोखुर्द गांव निवासी ओम प्रकाश साहु उर्फ, प्रकाश साह, मुकेश साह उर्फ. पठान, सागर कुमार और गिद्दी थाना क्षेत्र अंतर्गत वाशरी कॉलोनी निवासी





RAMGARH: जिले की स्थापना जब से हुई है तब से आज तक स्टांप पेपर को लेकर अधिवक्ता और आमजन परेशान ही रहते थे। लोगों की इस परेशानी को डीसी चंदन कुमार की पहल पर दूर कर लिया गया है। अब रामगढ़ कोषागार में भी स्टांप पेपर उपलब्ध रहेगा। लोग यहां से इसकी खरीदारी कर सकते हैं। इससे पहले रांची और हजारीबाग जिले से स्टांप पेपर की खरीददारी करनी पड़ती थी। डीसी चंदन कुमार की पहल पर अब अधिवक्ताओं को स्टांप पेपर, अधिवक्ता कल्याण मुद्रण आदि रामगढ़ कोषागार में



• फोटोन न्यूज मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

ठेकेदारों को धमकी दे रहे थे अपराधी : एसपी अजय कुमार ने पास 14 मोबाइल रखे हुए थे। अलग ठेकेदारों को धमकी दी जा रही थी। दो मोटरसाइकिल यामाहा आर 1-5 जेएच 01 एफबी 4819

घुम रहे थे। पुलिस की टीम देवरिया पंचायत भवन के पास पहुंची तो बाइक पर सवार पांचो सड़क पर घूमते हुए दिखे। पुलिस RAMGARH: जिले के पतरातू प्रखंड क्षेत्र में एक कुख्यात अपराधी ट्रांसपोर्ट एजेंसी की गाड़ियों पर निशाना सांध कर बैठा था। कभी भी किसी गाड़ी पर गोली चल सकती थी। लेकिन पुलिस की सक्रियता से न सिर्फ योजना विफल हुई, बल्कि अपराधी भी सलाखों के पीछे पहुंच गया। शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान् रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने बताया कि हथियार के साथ कुख्यात अपराधी मुखलाल गंझु को गिरपतार किया गया है। वह पतरातू थाना क्षेत्र के तालाटांड गांव का निवासी हैं। उसने ट्रांसपोर्ट एजेंसी की गाड़ियों से लेवी की मांग की थी। लेवी नहीं देने के कारण उसने गाड़ियों पर हमले की योजना बनाई थी। उसने भरतुआ बंदूक भी अपने साथ रखा था। जैसे ही पुलिस को इसकी सूचना मिली पतरातू एसटीपीओ वीरेंद्र कुमार राम के नेतृत्व में थाना प्रभारी शिवलाल गुप्ता ने छापेमारी शुरू की। इस दौरान कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया गया।

ट्रांसपोर्ट एजेंसी की गाड़ियों पर चलने वाली थी

गोली, पुलिस की सक्रियता से पकड़ा गया अपराधी

ओम प्रकाश साहू है कुख्यात अपराधी: एसपी अजय कमार ने बताया कि गिरोह में गिरफ्तार ओम प्रकाश साह उर्फ. प्रकाश साह काफी कख्यात अपराधी है। उसके

क्षेत्र में ओमप्रकाश ने कई अपराधों

ठेकेदार से लेवी वसुलने की बात खिलाफ 14 मामले विभिन्न थानों में पहले से ही दर्ज हैं। रामगढ़ जिले के कुजू, रामगढ़, भुरकुंडा, बरकाकाना, हजारीबाग जिले के केरेडारी, बढ़कागांव, गिद्दी थाना

कोडरमा में गर्भवती महिला का शव मिला

KODERMA : जिले के जयनगर

थाना क्षेत्र अंतर्गत करियावां में नौ माह की गर्भवती महिला तरनुम खातून (27) का शव घर के कमरे में मिला। घटना के बाद मायके बरही थाना क्षेत्र के भंडारो निवासी मृतक की मां कुलसुम खातून ने जयनगर थाना में आवेदन देकर ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। कुलसुम ने दहेज में बुलेट वाहन के लिए पुत्री तरन्तुम खातून की हत्या करने का आरोप उसके पति समेत सलाउद्दीन अंसारी, ससुर शमसुद्दीन अंसारी, सांस रसीदन खातून, देवर शोएब अंसारी, इरफान अंसारी, तिलैया थाना क्षेत्र के झोलपो निवासी ननद सोनिया खातून, ननदोसी कुर्बान अंसारी पर लगाया है। आवेदन में कुलसुम खातून ने कहा है कि उनकी बेटी तरनुम की शादी 7 वर्ष पूर्व समसुद्दीन अंसारी के पुत्र सलाउद्दीन अंसारी के साथ हुई थी। शादी के बाद अतिरिक्त दहेज के रूप में बलेट की मांग को लेकर हमेशा मानसिक व शारीरिक प्रताडित

खदान में रात भर पड़ा रहा घायल मजदूर, विरोध-प्रदर्शन



प्रदर्शन करते मजदूर

PHOTON NEWS DHANBAD: ईसीएल की श्यामपुर-बी कोलियरी में रात्रि पाली में कार्य के दौरान केबलमैन लीलू मांझी घायल हो गया था। वह रात भर खदान में ही घायल अवस्था में पड़ा रहा। प्रबंधन ने उसे सुबह में अस्पताल भेजा। इससे आक्रोशित मजदुरों ने शुक्रवार को कोल माइंस वर्कर्स युनियन एवं बीसीकेयु के बैनर तले कोलियरी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। बाद में प्रबंधन ने मजदुर के इलाज में ऐसी कोताही भविष्य में नहीं करने आश्वासन दिया। इसके बाद मजदर शांत हुए और काम पर गए। कोल माइंस वर्कर यूनियन के

जगदीश शर्मा ने बताया कि गरुवार की रात्रि लगभग दो बजे केबलमैन के पद पर कार्यरत 42 वर्षीय मजदुर लीलू मांझी कार्य के दौरान गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके वह खदान में ही रात भर पड़ा रहा।

प्रबंधन ने उसे सुबह में खदान से निकलकर इलाज के लिए सांकतोड़िया अस्पताल भेजवाया। यह प्रबंधन के मजदुरों के साथ सुरक्षा व्यवस्था का सीधा उल्लंघन है। प्रबंधन सिर्फ उत्पादन को प्राथमिकता दे रहा है। मजदूर की सुरक्षा से उसका कोई वास्ता नहीं है। इसे हमारी यूनियन बर्दाश्त

स्टांप पेपर, अधिवक्ताओं ने डीसी का जताया आभार



पुलिस पदाधिकारियों को संबोधित करते आईजी विधानसभा चुनाव में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। सभी जिलों की पुलिस सामंजस्य बनाकर शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव संपन्न कराएगी। इसी उद्देश्य से उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र अंतर्जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई है। यह बातें बैठक के दौरान उत्तरी छोटानागपुर आईजी डॉ माइकल एस राज ने कही। एसपी कार्यालय में आयोजित इस बैठक में सात जिलों के एसपी शामिल हुए हैं। बैठक में हजारीबाग रेंज के

चुनाव में पुलिस रहेगी सक्रिय अपराधियों पर नजर : आईजी



• फोटोन न्यूज

झारखंड डीआईजी सुनील भास्कर और बोकारो रेंज के डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा के साथ रामगढ़ एसपी अजय कुमार, हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह, गिरिडीह एसपी डॉ बिमल कुमार, कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह, धनबाद एसपी हृदीप पी जनार्दन, बोकारो एसपी पूज्य प्रकाश और चतरा एसपी विकास पांडे जिले के एसपी आपस में सारे मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि चुनाव के दौरान काफी सारे बिंदुओं पर तैयारी की जाती है।

हाथियों ने आंगनबाड़ी केंद्र को तोड़ा, अनाज खाया

GIRIDIH : पीरटांड प्रखंड के पथलजोर गांव में हाथियों ने एक आंगनबाड़ी केंद्र को नुकसान पहुंचाया। हाथियों के आगमन को लेकर ग्रामीणों में दहशत है। झुंड में छोटा-बड़े चार हाथी हैं। आंगनबाड़ी के पास गांव के आसपास दो-तीन घंटे रहने के बाद हाथी वापस जंगल की ओर चला गया। ग्रामीणों ने बताया कि गुरुवार रात को पहुंचे हाथियों के झुंड ने पथलजोर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के दरवाजे व खिड़िकयां तोड़ दिया। इसके साथ ही केंद्र में रखा चावल भी खा गए। मुखिया सुंदर किस्कू ने बताया कि रात लगभग आठ बजे चार हाथी आया। झुंड में दो छोटा हाथी भी है। इसके साथ अन्य हाथी चल रहे हैं। विशुनपुर तरफ से हाथियों का झुंड इस गांव में आया और नुकसान पहुंचाया। मुखिया ने बताया कि वन विभाग को सूचना दी गई है। इधर वनरक्षियों के हड़ताल में रहने के कारण हाथियों को भगाने व उससे हुए नुकसान का जायजा लेने कोई

पलामू उत्पाद विभाग की सिपाही भर्ती दौड प्रतियोगिता में अब तक दो मरे

जिले में उत्पाद विभाग के सिपाही पद पर बहाली के लिए हो रही दौड़ प्रतियोगिता जानलेवा साबित हो रही है। दौड़ लगाते हुए अभ्यर्थी लगातार बेहोश हो रहे हैं। मेडिकल सुविधा बेहतर नहीं मिलने के कारण शुक्रवार दोपहर तक दो अभ्यर्थियों की मौत हो गई है जबिक 100 से अधिक बीमार हैं। दो को रांची रिम्स भेजा गया है। बीमार अभ्यर्थी पागलों की तरफ व्यवहार कर रहे हैं। उनके हाथ-पांव बांधकर या पड़कर इलाज किया जा रहा है। मृतकों में बिहार के गया जिले के पररिया थाना क्षेत्र के बरैला लक्ष्मण बीघा के रहने वाले अमरेश कुमार और छतरपुर के अरुण कुमार हैं। अमरेश की मौत गुरुवार को जबकि अरुण की मौत रांची रिम्स में शुक्रवार को हुई।



लखीसराय के सर्वेश यादव के रूप में हुई है। उसे रांची रिम्स ले जाया गया है। सारे लोगों में अजीबोगरीब लक्षण देखने को मिल रहे हैं। बहाली के चौथे दिन 12 अभ्यर्थियों को बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया। पूरा अस्पताल अस्त-व्यस्त हो गया है। स्थिति पर नियंत्रण के लिए जवानों की तैनाती

की गई है और पदाधिकारी भी मामले पर नजर रख रहे हैं। मेदिनी बेड के अभाव में फर्श पर लेटा कर इलाज किया जा रहा है। चर्चा है कि दौड़ में भाग लेने के लिए अभ्यर्थी नशीली दवा का इस्तेमाल कर रहे हैं। एमआरएमसीएच के प्रभारी अधीक्षक डॉ. आर रंजन ने बताया कि टेस्ट के बाद पता चलेगा कि अभ्यर्थियों के बेहोश होने का

खुदिया नदी में डूबे राजगीर के युवक का 24 घंटे बाद मिला शव



DHANBAD: स्नान करने के दौरान खुदिया नदी में डूबे बिहार के राजगीर निवासी सचिन यादव का शव 24 घंटे बाद शुक्रवार सुबह करीब छह बजे श्यामपुर भुइयांडीह श्मशान घाट के पास नदी में उपलाता हुआ मिला। मृतक के परिजन एवं स्थानीय ग्रामीणों ने शव को नदी से निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। ज्ञात हो कि गुरुवार सुबह छह बजे नयाडांगा काली मंदिर के समीप खुदिया नदी में स्नान करने के दौरान सचिन नदी की तेज धार में डूब गया था। उसे बचाने के क्रम में उसके दो साथी भी डबते-डबते बच गए थे।

खूंटी जिले की दो विस सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए कई दावेदार

भले ही झारखंड विधानसभा चुनाव की डुगडुगी अभी नहीं बजी है लेकिन राजनीतिक दलों के नेताओं की संक्रियता काफी बढ गई है। एक ही पार्टी के कई दावेदार टिकट के लिए ताल ठोंक रहे हैं। टिकट चाहने वालों की सबसे बड़ी लाइन झामुमो में है। भाजपा और, कांग्रेस के टिकट के दावेदारों की सूची भी काफी

खुंटी जिले में दो विधानसभा सीटें हैं और दोनों जनजातियों के लिए आरक्षित हैं। दोनों सीटों पर भाजपा के विधायक काबिज हैं। खंटी से भाजपा के वर्तमान विधायक और राज्य के पर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा 1099 से लगातार इस क्षेत्र का प्रतिनित्वि करते आ रहे हैं। तोरपा के विधायक कोचे मुंडा भी तीन बार से विधायक चने जाते रहे हैं। तोरपा



टिकट चार दावेदार अपनी पहुंच और पैरवी के बल पर प्रदेश स्तरीय नेताओं से संपर्क साध रहे हैं। तोरपा विधानसभा सभा सीट की बात करें, तो टिकट के चार प्रबल दावेदार इस दौड़ में हैं। वर्तमान विधायक कोचे मुंडा स्वाभाविक रूप से टिकट के दावेदार हैं, वहीं निखिल कंडुलना, अजीत तोपनो और ब्रजेन्द्र हेमरोम भी टिकट के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। कोचे मुंडा पहली बार 1999 में बिहार विधाननसभा के लिए चुने गये थे। वर्ष 2000 और



2005 के चनाव में भी उन्होंने विजय हासिल की थी लेकिन 2009 और 2014 में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। इस बार भी वे टिकट के मजबत दावेदार हैं। अजीत तोपनोरू तोरपा सीट से टिकट के दावेदारों में अजीत तोपनो के नाम की चर्चा जोरों पर है। वे तोरपा विधानसभा क्षेत्र के बानो प्रखंड के रहने वाले हैं। वर्तमान में सिमडेगा जिला एसटी मोर्चा के उपाध्यक्ष हैं। विगत कई वर्षो से वे क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। अजीत का दावा है कि कार्यकताओं का एक

वर्ग उनके साथ भी है। ब्रजेंद्र हेमरोम का नाम भी तोरपा सीट से भाजपा के दावेदारों में है। ब्रजेंद्र हेमरोम परिवहन विभाग के संयक्त सचिव के पद से सेवानिवत्त हुए हैं। सेवानिवृत्ति के बाद वे भाजपा में शामिल हए। वर्तमान में वे भाजपा बद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य हैं। निखिल कंडुलना भाजपा और तोरपा विधानसभा में कोई नया नाम नहीं है। वे पिछले कई वर्षों से पार्टी क सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं।

निखिल कंडुलना रनिया प्रखंड से

जिला महामंत्री के पद पर हैं। इस में रही है। सुशांति कोंगड़ी, बिरजो बार पंचायत चुनाव में उन्होंने रनिया क्षेत्र से जिला परिषद सदस्य मसीह गुड़िया, सुभाष कांगड़ी भी का चनाव लंडा था लेकिन हार गये झाममों के टिकट के दावेदारों में थे। उनकी पत्नी भी वर्तमान में पंचायत समिति सदस्य हैं। वे प्रतिदिन क्षेत्र में जाकर लोगो से मिलते रहते हैं। उनके सुख-दुःख में शामिल हो रहे हैं। टिकट के सभी दावेदार पूछने पर एक ही बात कहते हैं कि पार्टी टिकट दे, तो चुनाव जरूर लड़ेंगे, नहीं तो पार्टी जिसे टिकट दे. उसे जिताने का काम करेंगे। तोरपा विधानसभा सीट से झामुमो के टिकट के दावेदारों की सूची भी काफी लंबी हैं। इनमें पिछले चुनाव में पार्टी प्रत्याशी सुदीप गुड़िया सबसे प्रबल दावेदार बताये जाते हैं। चुनाव हारने कें बाद बावजूद पिछले पांच वर्षों से वे क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं। सुदीप गुड़िया की पहचान क्षेत्र में एक

आते हैं। वर्तमान में भाजपा खुंटी मिलनसार और सुलझे नेता के रूप कांडुलना, जिला परिषद के अध्यक्ष शामिल हैं। कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी पुनीत हमरोम, पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष, कुणाल कच्छप, जॉन कांडुलना, हेलेन होरो आदि भी कांग्रेस के टिकट के लिए दावेदारी जता रहे हैं। खंटी विधानसभा सीट पिछले पाचं चनावों से भाजपा के कब्जे में है। खूंटी के वर्तमान विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने लगातार पांच चनाव जीतकर एक कीर्तिमान बनाया है। इसलिए टिकट के वे सबसे प्रबल दावेदार माने जा रह हैं। उनके अलावा लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष और आठ बार खुंटी के सांसद रहे पद्मभषण कडिया मुंडा के बेटे जगन्नाथ मुंडा भी इस बार टिकट से दावेदार बताये जा

बीबीएमकेयू ने जारी की आवश्यकता आधारित शिक्षकों की नियुक्ति सूची

विवि और कॉलेजों में शिक्षकों की कमी होगी दूर



DHANBAD : बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय धनबाद ने अंततः आवश्यकता आधारित सहायक प्रोफेसर नियुक्ति को लेकर चयनित अभ्यर्थियों की सूची शुक्रवार को जारी कर दिया। इसके साथ इस नियक्ति को लेकर चला आ रहा संशय भी समाप्त हो गया है। नियुक्ति के बाद होने वाली परेशानियों से बचने के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन ने चयन सूची के साथ ही इन सहायक प्रोफेसर की विश्वविद्यालय समेत धनबाद और बोकारो जिला के कॉलेजों में पदस्थापना भी कर

सूची के अनुसार विश्वविद्यालय के कोत्तर विभाग के लिए 15 सहायक प्रोफेसर दिए गए हैं। इनमें मास कम्युनिकेशन, फॉरेन लैंग्वेज, जियोलॉर्जी, कंप्यूटर साइंस और मैनेजमेंट के लिए दो-दो शिक्षक दिए गए हैं। इसके अलावा एजुकेशन, लाइफ साइंस, गणित और पर्यावरण विज्ञान व आपदा प्रबंधन विभाग को एक-एक शिक्षक मिले हैं। धनबाद और बोकारो जिला के अन्य कॉलेजों

मिले १५ सहायक प्रोफेसर

को 100 शिक्षक दिए गए हैं। १५ दिनों के अंदर योगदान देने का आदेश

विश्वविद्यालय ने बताया कि सिंडिकेट की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार यह चयन सूची जारी की गई है। आदेश की तिथिं से 15 दिनों के अंदर सभी को अपना योगदान देना है। इसके साथ ही यह नियुक्ति पूरी तरह से अस्थायी है और स्थायीकरण के लिए उपरोक्त सहायक प्रोफेसर दावा नहीं कर सकते हैं।

'आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम प्रारंभ, शिविरों में जुट रही लाभुकों की भीड़

डीसी समेत जिला के उच्चाधिकारी व जनप्रतिनिधि दिखे सक्रिय

जमशेदपुर के पूर्वी कीताडीह पंचायत | सरायकेला में मुख्यमंत्री मईया योजना | शिविर का डीसी ने किया निरीक्षण



लामुकों से बात करते उपायुक्त अनन्य मित्तल

• फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : राज्य सरकार के निदेशानुसार पूर्वी सिंहभूम जिला में 'आपकी योजना–आपकी सरकार, आपके द्वार' अभियान का चौथा संस्करण शुक्रवार से प्रारंभ हुआ। 30 अगस्त से 15 सितंबर तक आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन 10 प्रखंड के 18 पंचायत एवं 2 नगर निकायों में शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त अनन्य मित्तल द्वारा जमशेदपुर सदर प्रखंड के पूर्वी कीताडीह पंचायत में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया गया। शिविर में उपविकास आयुक्त मनीष कुमार, बीडीओ सुधा वर्मा, प्रखंड प्रमुख पानी सोरेन, उपप्रमख शिव हांसदा व अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस मौके पर जिले के वरीय पदाधिकारियों ने परिसर में पौधारोपण पर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। उपायुक्त ने शिविर में पहुंचे लोगों को कार्यक्रम में शामिल होकर योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

में दिख रही लामुकों की ज्यादा रूचि



अधिकारियों से जानकारी लेतीं ईचागढ़ विधायक सविता महतो 🏽 • फोटोन न्यूज

SARAIKELA: सरायकेला-खरसावां जिला के विभिन्न पंचायतों में शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान वरीय अधिकारियों के साथ प्रतिनियुक्त नोडल अधिकारियों ने शिविरों का निरीक्षण किया। शिविर में महिलाओं की सबसे ज्यादा रुचि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में दिखी, जबकि अबुआ आवास योजना के लिए भी अलग कैंप लगाया गया है, ताकि लोगों को आवेदन जमा करने में कोई समस्या न हो। इस दौरान अबुआ आवास योजना,अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, आपूर्ति, पंचायती राज, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मनरेगा, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग,कृषि सहकारिता पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, राजस्व, ऊर्जा, स्वास्थ्य, स्वीकृति पत्र, जेएसएलपीएस विभागों द्वारा अपना-अपना स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई और लाभान्वित किया गया।

योजनाओं के प्रति जागरूक रहे जनता तभी मिलेगा पूरा लाभ : उपायुक्त



• फोटोन न्यूज

लामुकों से आवेदन लेते डीसी चंदन कुमार

RAMGARH: राज्य सरकार के निर्देश पर रामगढ जिले में आपकी योजना. आपकी सरकार, आपके द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत शुक्रवार से हो गई है। कार्यक्रम के पहले दिन डीसी चंदन कुमार ने मांडू प्रखंड अंतर्गत तोपा, ओरला एवं कीमो पंचायत में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। शिविर के दौरान उपायुक्त ने आम जनों से कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं आपकी विभिन्न समस्याओं का समाधान आपके अपने क्षेत्र में ही हो, इस उद्देश्य से सरकार द्वारा आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। लेकिन जागरूकता के अभाव में लोग योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते हैं। आप सभी से अनुरोध है कि शिविर का लाभ लेते हुए सरकार की प्रत्येक योजना व योजना का लाभ लेने की प्रक्रिया की जानकारी लें।

लोहरदगा में पंचायत स्तर पर आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम शुरू



शिविर में सक्रिय आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका

LOHARDAGA: आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम अंतर्गत आज पंचायत स्तर पर शिविर शुक्रवार से प्रारंभ हो गया। सरकार की योजनाओं का लाभ इन शिविरों में दिया जा रहा है। मुख्य रूप से मुख्य प्रक्षेत्र के अंतर्गत जिन योजनाओं के आवेदन प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त किये जा रहे हैं उनमें झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, हरा राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, गुरूजी स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड, जाति/आवासीय/आय प्रमाण पत्र शामिल हैं।











THE PH©TON NEWS Www.thephotonnews.com Saturday 31 August 2024

Saturday, 31 August 2024

BRIEF NEWS जेएएस के तीन अधिकारियों का किया गया तबादला

RANCHI: राज्य सरकार ने तीन झारखंड प्रशासनिक सेवा (जेएएस) के अधिकारियों का स्थानांतरण पदस्थापन किया है। संयक्त सचिव पेयजल स्वच्छता विभाग जयदीप तिग्गा को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक परियोजना निदेशक समेकित जनजाति विकास अभिकरण चाईबासा के पद पर पदस्थापित किया गया है। अपर उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम योगेंद्र प्रसाद को स्थानांतरित करते हुए उन्हें अगले आदेश तक अपने वेतनमान में नगर आयुक्त हजारीबाग नगर निगम के पद पर पदस्थापित किया गया है। साहिबगंज में अपर समाहर्ता के रिक्त पद पर गौतम कुमार भगत, क्षेत्रीय विकास पदाधिकारी दक्षिण छोटा नागपर प्रमंडल रांची को स्थानांतरित करते हुए उक्त पद पर पदस्थापित किया गया है।

आरपीएफ ने 85 लोगों से वसला जर्माना

RANCHI: रांची रेलवे स्टेशन पर रेलवे न्यायिक मजिस्ट्रेट की देखरेख में आरपीएफ इन्स्पेक्टर ने शक्रवार को एक विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत कुल 85 आरोपितों के खिलाफ रेल अधिनियम कि धारा 162 के तहत (45 मामले) तथा रेल अधिनियम कि धारा 147 के तहत दर्ज किए गए। बाद में सभी से कुल 4,250 रुपये जुमार्ना वसूला गया।

राज्यपाल के प्रधान सचिव बने रहेंगे नितिन कुलकर्णी

RANCHI: भारतीय प्रशासनिक सेवा के 25 अगस्त को निकाले गए तबादला आदेश में अब संशोधन कर दिया गया है। अब कुलकर्णी राज्यपाल के प्रधान सचिव के पद पर बने रहेंगे। वहीं पदस्थापन के लिए प्रतीक्षारत, डॉ. अमिताभ कौशल को अगले आदेश तक सचिव वाणिज्य कर विभाग रांची के पद पर नियुक्त एवं पदस्थापित किया गया है। सचिव वन एवं पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के पद पर पदस्थापित अबू बकर सिद्दीकी को अगले आदेश तक प्रभार सौंप दिया गया है।

चालकों के ड्रेस कोड को लेकर बनाएं नियम, हाईकोर्ट का निर्देश-

यातायात दुरुस्त रखने के लिए ट्रैफिक एसपी खुद करें निरीक्षण

झारखंड हाई कोर्ट ने राजधानी रांची में टैफिक व्यवस्था की लचर व्यवस्था पर मौखिक कहा कि ट्रैफिक एसपी को खुद रांची शहर के मुख्य चौक चौराहों पर लगातार औचक निरीक्षण करना चाहिए। ट्रैफिक पोस्ट पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी वीआईपी मुवमेंट के समय ही केवल सजग रहते हैं। उनका ध्यान ट्रैफिक स्मूथ रखने की बजाय वसूली पर रहता है, ऐसे टैफिक पलिसकर्मियों के खिलाफ ट्रैफिक एसपी कार्रवाई करें। कोर्ट ने मौखिक कहा कि रांची शहर में सीसीटीवी कैमरा केवल आईवास के लिए लगाए गए हैं, इनमें से अधिकतर खराब है ऐसे में अपराधी घटनाओं की रोकथाम कैसे हो सकेगी? कोर्ट ने यह भी कहा कि रांची के मख्य चौक चौराहों के आसपास जो

बीडीओ को आजसू पार्टी

के सदस्यों ने सौंपा ज्ञापन



इनके खिलाफ कार्रवाई होनी दूसरे जगह में शिफ्ट किया जाए चाहिए। कोर्ट ने ऑटो रिक्शा एवं ई रिक्शा चालकों के लिए निर्धारित किए गए ड्रेस कोड का रहे। रांची नगर निगम फुटपाथ अनुपालन करने का निर्देश देते दुकानदारों की आजीविका को देखते हुए उनके लिए वैकल्पिक हए कहा कि इसके लिए सरकार को एक रेगुलेशन बनानी चाहिए जगह तलाश करें। कोर्ट ने यह भी ताकि जो ऑटो या ई रिक्शा कहा कि रांची शहर में ऑटो एवं चालक ड्रेस कोड का अनुपालन नहीं कर रहे हैं उनके खिलाफ पार्किंग स्थल बना देते हैं और कानुनी रूप से कार्रवाई हो सके।

• फोटोन न्यूज

बीडीओ को ज्ञापन सौंपा है। मांग

की गई है कि पूर्व में जो ह्यआपकी

योजना, आपकी सरकार, आपके

द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया

प्रभारी अशोक नाग, वीरेन्द्र तिवारी,

जिला संगठन सचिव अभिषेक राज

हेरेंज, जिला उपाध्यक्ष एतवा उरांव,

कांके प्रखंड सचिव सुरेंद्र महतो,

सुरज कुमार मिश्रा, प्रखंड उपाध्यक्ष

हरिशंकर महतो, मनोज महतो, पवन

सजायाप्ता की क्रिमिनल अपील याचिका खारिज

RANCHI: प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय की अदालत ने चेक बाउंस में सजायाफ्ता अपर चुटिया निवासी रामावतार सोनकर की सजा को बरकरार रखा है। अदालत ने शुक्रवार को रामावतार की ओर से दाखिल क्रिमिनल अपील याचिका को सुनवाई के बाद खारिज कर दिया है। अदालत ने अपीलकर्ता के विरुद्ध दोषसिद्धि के निर्णय और सजा के आदेश की बरकरार रखा है। न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडे की अदालत ने 12 जून को चेक बाउंस के आरोप में दोषी पाकर रामावतार सोनकर को एक साल की सजा और 30 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया था। रामावतार ने लोअर चुटिया निवासी अरुण साहु से निर्माण कार्य के लिए फरवरी 2022 में 17.40 लाख कर्ज लिया था। इसके बदले उसने पोस्ट डेटेड चेक

सरकार साहिबगंज में लोगों को क्यों रखना चाहती है प्यासा : HC

पाइपलाइन जलापूर्ति योजना के शीघ्र चालू करने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट की खंडपीट ने साहिबगंज के लोगों को नहीं किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने मौखिक कहा कि है, राज्य सरकार साहिबगंज के लोगों को क्यों प्यासा रखना चाहती है। नाराज कोर्ट ने सोमवार को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव को कोर्ट में सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। इससे पहले राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि साहिबगंज में पेयजल के लिए पाइपलाइन लाइन बिछाने हेतु रेलवे से एनओसी लेना था, इसके एवज

में रेलवे को पैसे की भुगतान करने की प्रक्रिया जारी है। इस पर कोर्ट ने कहा कि वर्ष 2017 में ही रेलवे से एनओसी मांगी गई थी इसके बाद 7 साल तक सरकार की ओर से कोई आगे पहल नहीं की गई। इससे पूर्व प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता राजीव शर्मा ने खंडपीठ को बताया कि साहिबगंज में पाइपलाइन जलापर्ति योजना वर्ष 2012 से चल रहीं है। पूर्व में भी जनहित याचिका दायर की गयी थी जो आदेश के साथ वर्ष 2016 में निष्पादित हो गयी थी। जब पाइपलाइन जलापूर्ति शुरू नहीं हुई तो प्रार्थी ने दोबारा जनहित याचिका दायर की है। उल्लेखनीय है कि प्रार्थी सिद्धेश्वर मंडल ने जनहित याचिका दायर कर पाइपलाइन जलापर्ति योजना को शीघ्र चाल करने की मांग की है।

हत्यारोपी को जेल में रहने के बाद मिली सशर्त जमानत

व्यवहार ऱ्यायालय, राँची CIVIL COURTS, RANCHI

PHOTON NEWS RANCHI: अपर न्यायायुक्त पवन कुमार की अदालत ने शुक्रवार को हत्या के आरोपित संजय नायक की जमानत याचिका सुनवाई के बाद सशर्त स्वीकार किया। शर्त के तहत आरोपित को केस के ट्रायल पूरी होने तक प्रत्येक तारीख को कोर्ट में हाजिरी लगानी होगी। वह नामकुम कांड संख्या 215/2019 मामले में आरोपित है। उसमें उसको जमानत की सुविधा प्राप्त है

लिए निर्धारित तारीख को कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ। इस पर अदालत ने उसका बंध पत्र रद्द करते हुए गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। वारंट जारी होने के बाद पुलिस ने दोबारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। हत्या मामले के आरोपित नामकुम निवासी संजय नायक को मिली जमानत का मिस युज करने के आरोप में 22 दिन जेल में रहना पडा। तब उसे फिर से सशर्त जमानत की सुविधा कोर्ट ने

सरकार ने पिछले साढ़े चार वर्षों में राज्य के हित में लिए कई अहम निर्णय : मुख्यमंत्री



पोषण सखी दीदियों के साथ सीएम हेमंत सोरेन।

PHOTON NEWS RANCHI:

शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमन्त

सोरेन से कांके रोड रांची स्थित

मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में

राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंची

 राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचीं पोषण सखी दीदियों

ने हेमंत से की मुलाकात

पोषण सखी दीदियों ने मलाकात कर सीएम का आभार जताया। पोषण सखी दीदियों ने 29 अगस्त को मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य सरकार द्वारा पर्व में कार्यरत अतिरिक्त आंगनबाड़ी सेविका-सह-पोषण परामर्शी (पोषण सखी) के पुनर्बहाली की स्वीकृति दिए जाने के निर्णय को लेकर मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही कहा कि राज्य सरकार के इस निर्णय से हम सभी पोषण काफी हर्षित और उत्साहित हैं। पोषण सखी दीदियों ने मुख्यमंत्री से कहा कि आपके की नारी शक्ति के सर्वांगीण कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार विकास के लिए उनकी सरकार

हक-अधिकार देने का काम निरंतर कर रही है। राज्य सरकार द्वारा जनहित में लिया गया हर निर्णय सराहनीय है। इस अवसर पर मख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पोषण सखी दीदियों से कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में उनकी सरकार राज्यहित में कई अहम निर्णय लिए हैं। राज्य सरकार द्वारा कई महत्वपर्ण नीति का निर्धारण भी किया गया है, जिसका लाभ राज्यवासियों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी वर्ग-समुदायों को कराने के साथ-साथ राज्य

दिशोम गुरू से हेमंत व नवनियुक्त मंत्री रामदास सोरेन ने की भेंट



RANCHI : झारखंड राज्य समन्वय समिति-सह-राज्यसभा सदस्य दिशोम गरु शिब सोरेन से शक्रवार को मोरहाबादी स्थित आवास में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं राज्य के नवनियुक्त मंत्री रामदास सोरेन ने मुलाकात की। मंत्री रामदास सोरेन ने दिशोम गुरु शिब् सोरेन से आशीर्वाद लिया। इस मौके पर दिशोम गुरु शिब सोरेन ने राज्य के मंत्री के रूप में शपथ लेने पर

मतदाता पुनरीक्षण में खराब प्रदर्शन करने वाले बीएलओ व सुपरवाइजर को करें चिह्नित : सीईओ

ज्ञापन सौंपते आजसू पार्टी के सदस्य।

PHOTON NEWS RANCHI:

शुक्रवार को आजसू पार्टी कांके

प्रतिनिधिमंडल कांके बीडीओ से

मिल कर ज्ञापन सौंपा। मौके पर

मौजूद आजसू कांके प्रखंड के

अध्यक्ष लाल अमन शाहदेव ने

बताया कि कांके प्रखंड अंतर्गत सभी

पंचायतों में 31 अगस्त से ह्यआपकी

योजना, आपकी सरकार, आपके

द्वारह्म कार्यक्रम की शुरूआत की जा

रही है। इसे लेकर पार्टी इस कार्यक्रम

का विरोध करने के लिए कांके

PHOTON NEWS RANCHI: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने शुक्रवार को सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ निर्वाचन सदन से ऑनलाईन मध्यम से समीक्षा बैठक की। सीईओ ने मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम में खराब प्रदर्शन करने वाले बीएलओ एवं बीएलओ सपरवाइजर को चिह्नित करने का निर्देश दिया।

रवि कुमार ने कहा कि यदि बीएलओ अपने क्षेत्र में ठीक से कार्य नहीं करेंगे तो निर्वाचन प्रक्रिया पर प्रतिकुल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि राज्य में जिन जिलों में मतदाता पंजीकरण से जुड़े अधिक आवेदन लंबित है वे इसके लिए त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी लंबित आवेदनों की संख्या शुन्य • मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक



सीईओ के. रवि कुमार। 🛮 फोटोन न्यूज करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी उप निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने जिलों के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कराना सुनिश्चित कर मतदाता सुची के

अंतिम प्रकाशन से जुड़ी सारी जानकारियां उपलब्ध कराएं। साथ ही यदि उनके द्वारा मतदाता सची से संबंधी कोई त्रुटि प्रतिवेदित की जा रही हो तो उसे चिह्नित करते हुए उसका निराकरण करें। कुमार ने कहा कि सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर से इस बात का सर्टिफिकेट अवश्य ले लें कि उनके क्षेत्र में 18 वर्ष से कम उम्र का कोई भी मतदाता पंजीकृत नहीं किया गया है। मतदाता सूची में किसी प्रकार का गलत विलोपन न हुआ हो, इसकी पुष्टि के लिए भी बीएलओ से इसका सर्टिफिकेशन अवश्य कर लें। समीक्षा बैठक में राज्य में चल रहे इलेक्शन क्विज-2024 प्रतियोगिता परीक्षा के विस्तत प्रचार के भी

जेसीआई का एक्सपो २६ से नोरहाबादी में शुरू हुई डीएवी राज्य स्तरीय कार्यालय का हुआ उद्घाटन एथलेटिक्स, हॉकी व तैराकी प्रतियोगिता



फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन करते अतिथि।

PHOTON NEWS RANCHI: शुक्रवार को रांची के जुनियर चेंबर इंटरनेशनल (जेसीआई) ने अपने 27वें एक्सपो उत्सव के कार्यालय का उद्घाटन लाइन टैंक रोड स्थित कॉमर्स टावर में किया। अध्यक्ष विक्रम चौधरी ने कहा कि इस वर्ष एक्सपो 26 सितम्बर से दो अक्टूबर के बीच

मोरहाबादी मैदान रांची में आयोजित

किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश

के 350 से अधिक स्टॉल धारक अपना स्टॉल एक्सपो में लगाएंगे। एक्सपो के मुख्य संयोजक श्याम अनुराग ने कहा कि कार्यालय में अब प्रतिदिन पदाधिकारी एवं सदस्य एकत्रित होंगे और एक्सपो के तैयारी की चर्चा करेंगे। एक्सपो की बेहतरी के लिए योजना बनाए जाएंगे और टीम को उनके कार्यों से अवगत

🛮 फोटोन न्यूज

डीएवी कपिल देव पब्लिक स्कूल कडरू की ओर से आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय एथलेटिक्स हॉकी, कुश्ती और तैराकी प्रतियोगिता की विधिवत शरूआत मोरहाबादी मैदान और सफायर गार्डन तैराकी एरिना में हो गई। दक्षिण छोटानागपर क्षेत्र के क्षेत्रीय आईजी और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिलेश झा ने खेलकद प्रतियोगिता की शरूआत की। मौके पर छात्र-छात्राओं ने भारतीयम नत्य के माध्यम से मन मोह लिया। स्वागत गान और मार्च पास्ट भी प्रस्तुत किया गया। स्वागत भाषण में डीएवी झारखंड जोन बी के सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी सह डीएवी कपिल देव

राज अस्पताल में पहली बार मरीज में लीडलेस पेसमेकर का किया गया ट्रांसप्लांट

RANCHI: राज अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख चिकित्सक डॉ राजेश कुमार झा और उनकी टीम ने नवीनतम तकनीक पर आधारित लीडलेस पेसमेकर लगाया। रांची में पहली बार राज अस्पताल ने माइक्रा लीडलेस पेसमेकर सफलतापूर्वक ट्रांसप्लांट किया है। लीडलेस पेसमेकर को बिना किसी चिर-फाड़ और टांका लगाये ही हार्ट में लगाया जाता है। इस प्रकिया के तहत पेसमेकर पैर के नस के जरिये हार्ट में ट्रांसप्लांट किया जाता है। यह पूरी तरह से दर्द रहित और सुरक्षित भी होता है। लीडलेस पेसमेकर का आकार बैटरी की तरह होता है। इसकी बैटरी का औसत जीवन लगभग 10 वर्ष है। डॉ। राजेश कुमार झा ने बताया कि मरीज की पहले भी हार्ट की सर्जरी हुई थी।



उद्घाटन समारोह में उपस्थित छात्राएं।

पब्लिक स्कूल कडरू के प्राचार्य एमके सिन्हा ने कहा कि खेल हमें हार से उबरना सिखाता है और जीत को भी स्वीकारना सिखाता है। हमें ऐसे काम करने चाहिए, जिससे पहचान बन जाए और ऐसे कदम उठाने, चाहिए जिससे निशान बन जाए। उन्होंने कहा, डीएवी शिक्षा के साथ साथ देश के

लिए खिलाडी भी तैयार कर रहा है। यह गर्व की बात है कि मनु भाकर, सरबजोत और नीरज चोपड़ा डीएवी के छात्र रहे हैं। मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि दक्षिण छोटानागपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय आईजी अखिलेश झा ने कहा कि खेल से और बेहतर करने की

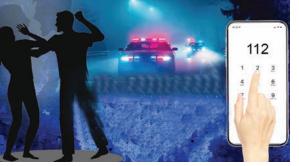
डीजीपी के निर्देश पर पूरे शहर में चिपकाया गया है क्यूआर कोड, कुछ लोग इसका कर रहे दुरुपयोग

पति-पत्नी के झगड़े तक को रोक रहा डायल ११२

झारखंड के डीजीपी के निर्देश पर राजधानी रांची में डायल 112 को

बेहद सशक्त बनाया जा रहा है इसके लिए बाकायदा डायल 112 का क्यूआर कोड भी पूरे शहर भर में चिपकाए गए हैं। डायल 112 का रिस्पांस भी बेहतर मिल रहा है लेकिन पुलिस की मदद के लिए मिलने वाले इस इमरजेंसी सेवा का कई लोग दुरुपयोग भी कर रहे हैं।

इस वजह से पुलिस का कीमती समय बर्बाद हो रहा है। डायल 112 पुलिस की एक ऐसी इमरजेंसी सेवा है जिस पर फोन करके आप त्वरित पुलिस की मदद प्राप्त कर सकते हैं। डायल 112 पर आने वाली शिकायतों पर तुरंत एक्शन हो रहा है या नहीं इस पर वरीय पुलिस अधिकारी नजर भी रखते हैं, यही वजह है कि डायल 112 के रिस्पांस



टाइम को लेकर पुलिसकर्मी भी बेहद सजग रहते हैं। लेकिन कुछ लोग डायल 112 जैसी इमरजेंसी सेवा का दुरुपयोग कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि डायल 112 में खास कर रात के समय सबसे ज्यादा मामले पति-पत्नी के बीच लड़ाई को लेकर सामने आते हैं। वहीं घरेलू झगड़ा की शिकायत भी रात में सबसे ज्यादा आती है। रांची के सीनियर एसपी

चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि घरेलू विवाद के मामले डायल 112 के जरिए सबसे ज्यादा आ रहे हैं। हालांकि पुलिस इन मामलों में संज्ञान लेती है और मौके पर पहुंचकर मामले को सुलझाती भी है। अधिकांश मामलों में ससुराल में मारपीट, पति के साथ मारपीट, तो कहीं-कहीं भाई-भाई में भी मारपीट की सूचनाओं डायल 112

किस तरह के मामले आ रहे हैं सामने

डायल ११२ से सबसे ज्यादा मामले महिलाओं को लेकर आए हैं साल २०२४ में अब तक महिलाओं से संबंधित 1469 मामले सामने आए हैं। बच्चों से संबंधित 13, गंभीर मारपीट से संबंधित 24, चोरी से संबंधित 1380, गुमशुदगी से संबंधित 112, आग लगने से संबंधित 129 , साइबर क्राइम से जुड़े 13 और ट्रैफिक से संबंधित 235 और आत्महत्या के 10 मामले डायल 112 के जरिए पुलिस के संज्ञान में दिए गए हैं।

से ही दी जा रही है। रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि सबसे ज्यादा मामले पित-पत्नी के झगड़ों को लेकर ही आते हैं। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो बेवजह फोन करके पुलिस को परेशान करते हैं। एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि वर्तमान समय में अगर आंकड़ों पर गौर करें तो शहरी क्षेत्र से सबसे ज्यादा डायल 112 पर कॉल्स आ रहे हैं। ग्रामीण इलाकों से इसकी संख्या अभी कम है। पुलिस डायल 112 के रिस्पांस टाइम को और बेहतर करने का प्रयास कर रही है।

रिस्पांस टाइम हुआ बेहतर रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि डायल 112 के जरिए आम लोगों की मदद के लिए पलिस लगातार प्रयासरत है। अब तव जो शिकायतें मिली हैं उनके पीछे का रिस्पांस टाइम भी वरीय अधिकारी चेक कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस की टीम को मौके पर पहुंचने में आधे से एक घंटे का समय लग रहे हैं। कई मामलों में पुलिस 10 मिनट के भीतर मौका–ए–वारदात पर भी पहुंची है। रिस्पांस टाइम को और बेहतर बनाने के लिए शहर में पुलिस बल की संख्य बढाने और संसाधनों को और बेहतर करने का काम किया जाएगा इससे पुलिस का रिस्पांस टाइम और बढ़ेगा।

कृषि व उद्योग विभाग की स्थायी समिति की बैठक में हुए कई फैसले



बैठक में शामिल समापति आदिल अजीम व अन्य। **PHOTON NEWS RANCHI:**

कृषि एवं उद्योग विभाग की स्थायी समिति की बैठक सभापति आदिल अजीम की अध्यक्षता में जिला परिषद सभागर में हुई। आदिल अजीम ने सभी जिला पदाधिकारियों को निर्देश दिया काम में तेजी लाएं। खाद एवं बीज की उपलब्धता की समीक्षा की गई। कृ ?षकों को डीएपी का उपयोग कम कर जैविक खाद (जैविक खेती) का उपयोग करने हेतु सलाह देने संबंधी चर्चा की गई। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु केंपेन आयोजि?त करने के संबंध

में चर्चा की गई। सभी खंड और

पंचायत से मिट्टी की जांच कराई जा रही है, जिससे किसानों को जानकारी मिलेगी। सभापति आदिल अजीम द्वारा कृषि विभाग से संबंधित समस्त कार्यक्रमों में सभापति/सदस्यों को बुलाए जाने हेतु निर्देशित किया गया तथा अवगत कराया गया कि प्रोटोकॉल का पालन किया जाए। सभापति द्वारा अवगत कराया गया कि विद्युत विभाग द्वारा मेंटेनेंस कार्य नहीं होने से हल्की-फुल्की बरसात में भी तार, खंभे गिर जाते हैं, जिससे कृषकों व नागरिको को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

• फोटोन न्यूज

आदित्यपुर फायरिंग मामले में मुख्य आरोपी समेत पांच किए गए गिरफ्तार

दो पिस्टल, दो देसी कट्टा व चार गोली बरामद, प्रेम प्रसंग में चलाई थी गोली

• अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी

PHOTON NEWS ADITYAPUR: सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना अंतर्गत सालडीह बस्ती में 27 अगस्त को सुभाष प्रमाणिक पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में रवि नायक, राज कुम्हार उर्फ टकला, शंभू महतो उर्फ छोटू, शुभम मोहंती और दीपांकर भुइयां उर्फ भोला शामिल हैं। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने दो पिस्टल, दो देसी कड़ा और चार गोली बरामद किया है। शक्रवार को मामले का खलासा करते हुए सरायकेला-खरसावां

चैंबर ने किया कृषि बाजार

समिति शुल्क का विरोध

बिष्टुपुर स्थित चैंबर भवन में आंदोलन का पोस्टर दिखाते सदस्य 🌘 फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : सिंहभूम

चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने

झारखंड सरकार द्वारा फिर से

खाद्यान्न व्यवसायियों पर प्रस्तावित

कृषि उत्पादन बाजार समिति शुल्क

का विरोध किया है। प्रस्तावित

कृषि उपज एवं पशुधन संवर्द्धन

विधेयक (बाजार समिति शुल्क)

को लगाने के विरोध में कोल्हान

के व्यवसायियों की बैठक शक्रवार

को चैंबर भवन में हुई। इसमें इस



पूर्व में सुभाष की भतीजी को लेकर भागा था रवि

पूर्व में सुभाष की भतीजी को रवि भगा ले गया था। इस मामले में आदित्यपुर थाना में दोनों पक्षों के बीच समझौता भी हुआ था। हालाँकि रवि को यह लगता था कि सुभाष ने ही दोनों को अलग कराया है। इसे लेकर रवि ने सुभाष को जान से मारने की धमकी भी दी थी। रक्षाबंधन के दिन भतीजी घर आई थी। मंगलवार को सुभाष घर के बाहर

बैठा था। उसी दौरान रवि और टकलू समेत अन्य लोग आए और सुभाष पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इससे सभाष घायल हो गया। घटना को अजाम देने के बाद सभी मौके से फरार हो गए। सुभाष को इलाज के लिए टीएमएच ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए कोलकाता

लुणायत ने बताया कि प्रेम प्रसंग और सुभाष की भतीजी के बीच भतीजी की शादी कहीं और हो लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा को लेकर सुभाष पर फायरिंग की गई। इस वजह से रवि ने सुभाष की गई थी। मुख्य आरोपी रवि नायक था। दिसंबर 2023 में सुभाष की

झोलाछाप डॉक्टर के अपहरण व हत्या मामले में तीन गिरफ्तार

SARAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर थाना अंतर्गत सिजुलता निवासी बृहस्पति मंडल (57) की गुरुवार को अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। बुहस्पति की हत्या कर शव को जंगल में फेंक दिया था। इस मामले में पलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को मामले का खुलासा करते हुए सरायकेला एसपी मुकेंश कुमार लूणायत ने बताया कि राजनगर के ओढ़ागुड़ू निवासी चंदन गोप, त्रिदेव गोप और जमशेदपुर के सुंदरनगर निवासी रोहित कुमार सिंह ने फिरौती के लिए बृहस्पति का अपहरण किया था। पुलिस ने चारों आरोपियों को पकड़ लिया था। हालांकि पकड़ाने के पूर्व ही बुहस्पति की हत्या कर दी

फर्श पर हो रहा था गर्भवती का इलाज



सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एमजीएमं में आए दिन कुछ न कुछ घटना होती है, जो चर्चा का विषय बन जाती है। ताजा मामला अस्पताल के गायनिक वार्ड का है, जहां एक गर्भवती महिला का फर्श पर इलाज करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीडित परिवार ने अधीक्षक से लिखित शिकायत की, जिसके बाद अधीक्षक ने मामले का संज्ञान में लिया और तत्काल महिला को इलाज के लिए बेड उपलब्ध कराया। अधीक्षक ने जांच के आदेश भी दिए है। दरअसल बागबेड़ा बाद बुधवार को जुगसलाई के सरकारी

निवासी पनम दास को प्रसव पीडा के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर उसे गुरुवार सुबह एमजीएम रेफर किया गया। गुरुवार सुबह से ही उसे गायनिक वार्ड के बाहर फर्श पर लिटा दिया गरा। काफी देर बाद जब जांच की गई तो डॉक्टरों ने पाया कि बच्चा पेट में ही मर गया है। इस घटना के 27 घंटे बीत जाने के बाद भी पूनम की सुध लेने कोई नहीं पहुंचा। परिजनों ने डॉक्टरों से मरे हुए बच्चें को गर्भ से निकालने का भी निवेदन किया,

पर किसी ने नहीं सुनी।

समाचार सार

साकची में कैंसर जांच शिविर कल से, पोस्टर लांच JAMSHEDPUR: मारवाड़ी युवा मंच की स्टील सिटी एवं सुरिभ शाखा

साकची के आमबगान स्थित मनीषा संघी ने बताया कि

सुबह 10 से शाम 4 बजे तक चलने वाले शिविर में दिल्ली से आ रहे जाने-माने डॉक्टरों की टीम लोगों की जांच करेगी। इसे लेकर मनीषा संघी, स्टील सिटी के शाखा अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, सुरभि शाखा की अध्यक्ष कविता अग्रवाल एवं अन्य ने शिविर का पोस्टर लांच किया।

आजस ने संग्रह किया बेरोजगारों का बायोडाटा

यवा बेरोजगार बायोडाटा अभियान शुरू किया गया, जिसमें आजसू पार्टी, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अशोक मंडल और जिला



प्रवक्ता अप्पृ तिवारी ने अभियान का नेतृत्व किया। अभियान गोलमुरी बाजार से गैरेज लाइन और टेंपू स्टैंड में भी चला। इस दौरान संगीता कुमारी, विमल मौर्य, संतोष सिंह, सरस्वती देवी, सुधीर सिंह, मुकेश सिंह समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फुड प्लाजा में हुआ दुगार्पुजा पंडाल का भूमिपूजन JAMSHEDPUR : गोलमुरी के फूड प्लाजा में शुक्रवार को राजस्थान

सार्वजानिक पूजा कमेटी के दुगार्पूजा पंडाल का भूमिपूजन हुआ। पं. महेश व्यास ने यजमान के रूप में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार, पूजा कमेटी के अध्यक्ष



शिवशंकर सिंह से पूजा-अर्चना कराई। यहां 1982 से मारवाड़ी समाज द्वारा पूजा हो रही है। यहां शिव-पार्वती की भी पूजा की जाती है। भूमिपूजन के दौरान राज प्रसाद, प्रोबिर चटर्जी राणा, शंकर अग्रवाल, कमल गुप्ता, बंटी अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, रतन अग्रवाल आदि सदस्य उपस्थित थे।

पटमदा में मुंबई की व्यवसायी ने बांटा राशन

खड़ियाडीह गांव में राशन वितरण किया। शिरडी साईं चेरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से हुए इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय मेहता, किरण



मेहता, पूरबी घोष,डॉ. अमित मुखर्जी, सीसीएस राव, सौम्य सेन, महेंद्र गुप्ता, एमएल अग्रवाल, हीरा प्रसाद, योगेंद्र प्रसाद, राजेश सोनी, विनय कुमार व अरुण मार्डी सक्रिय रहे।

भाजमो के मंडल अध्यक्ष कांग्रेस में शामिल

JAMSHEDPUR: गोलमुरी प्रखंड कांग्रेस कमेटी की ओर से शुक्रवार

को भुइयांडीह में सदस्यता ग्रहण समारोह किया गया। इसमें भाजमो के भुइयांडीह मंडल अध्यक्ष रहे विनोद यादव सहित कई कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल हुए।



प्रखंड अध्यक्ष अतुल गुप्ता की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने नए सदस्यों को कांग्रेस में शामिल कराया।

चांसलर पोर्टल खोलने की मांग

JAMSHEDPUR : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, जमशेदपुर महानगर की

JAMSHEDPUK: ५॥ ५॥ ५॥ अोर से जमशेदपुर के सभी ५०० चे णचार्य के माध्यम एडमिशन के लिए चांसलर पोर्टल खोलने की मांग की गई। इस संबंध में परिषद की ओर से गुरुवार को सभी कॉलेजों के



प्राचार्यों को कोल्हान विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में इस बार झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) की ओर से आयोजित इंटरमीडिएट की कंपार्टमेंटल परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए चांसलर पोर्टल खोलने की मांग की गई है। परिषद के प्रांत खेलो भारत के संयोजक अमन ठाकुर ने कहा कि अगर चांसलर पोर्टल नहीं खुला और ये विद्यार्थी नामांकन से वंचित रह गए, तो परिषद जोरदार आंदोलन करेगा।

टैक्स प्रैक्टिशनर्स का पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन कल

JAMSHEDPUR : ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स का पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन 1 सितंबर को बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में होगा। इसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों पर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, ओडिशा और झारखंड के करीब 400 कर-अधिवक्ता व सीए मंथन करेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन झारखंड उच्च न्यायालय की न्यायाधीश अनभा रावत चौधरी करेंगी, जबकि विशिष्ट अतिथि केंद्रीय जीएसटी और सीएक्स, जमशेदपुर के आयुक्त बीके गुप्ता व राज्य जीएसटी, जमशेदपुर के अतिरिक्त आयुक्त अवधेश कुमार मेहरा भी उपस्थित रहेंगे।

पुत्रमोह में पड़ गए चम्पाई सोरेन : सूर्य सिंह बेसरा



पत्रकारों को संबोधित करते सूर्य सिंह बेसरा

• फोटोन न्यूज

भेजना चाहिए। महुआ मांझी GHATSILA: पूर्व विधायक सूर्य (माजी) कौन हैं, जिन्हें राज्यसभा सिंह बेसरा शुक्रवार को प्रेस वार्ता में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन पुत्रमोह में पड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं, क्योंकि झारखंड मुक्ति मोर्चा में रहते हुए उनके पुत्र को घाटशिला विधानसभा से टिकट नहीं मिलता। इसलिए उन्होंने भाजपा ज्वाइन किया। बेसरा ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा में भी बाहरी लोगों की घुसपैठ हो रही है।

उन्होंने कहा कि महुआ माजी की जगह शेख हसीना को राज्यसभा

भेजा गया है। इससे पूर्व बेसरा ने कहा कि झारखंड नवनिर्माण महासभा (तीसरा विकल्प) जनमत का गठन 10 विभिन्न दलों को एकजुट कर बनाया गया है। 1 सितंबर को रांची में इसकी घोषणा की जाएगी। विधानसभा चुनाव में जनमत के सीएम पद का चेहरा सूर्यसिंह बेसरा होंगे। उन्होंने कहा कि इस बार वे पोटका व घाटशिला, दोनों विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।

स्काउट-गाइड को मिला हम आए तो बंद कराएंगे विधायकों तंबु लगाने का प्रशिक्षण की पेंशन, कसेंगे नकेल : जयराम

CHAKRADHARPUR:

पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर JAMSHEDPUR : प्रोजेक्ट और मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र में कन्या उच्च विद्यालय, पटमदा में शुक्रवार को झारखंडी भाषा प्रथम सोपान के प्रशिक्षण में खतियान संघर्ष समिति ने बदलाव स्काउट एंड गाइड तथा ईको क्लब संकल्प रैली सह जनसभा की। के माध्यम से विद्यालय के छात्र-चक्रधरपुर के चार मोड़, जामिद छात्रों को तंबू लगाने का प्रशिक्षण मैदान, मनोहरपुर के सोनुआ व दिया गया। करीब 100 से अधिक मनोहरपुर में समिति के केंद्रीय छात्राओं ने टेंट पिचिंग प्रशिक्षण में अध्यक्ष जयराम महतो ने कार्यक्रम हिस्सा लिया। इस दौरान छात्राओं को संबोधित किया। चार मोड़ में को बैठने एवं खाने का इंतजाम संबोधन के बाद जयराम जामिद तथा किचेन व डायनिंग पहुंचे, जिसके बाद सोनुआ के लिए रवाना हो गए। लेकिन चक्रधरपुर टेबल सजाने का प्रशिक्षण दिया के जामिद में कम भीड़ देख जयराम गया। दसमें अपने आसपास पौधों मंच पर नहीं चढ़े और नीम पेड़ के से सजाकर पत्तों से तंबू बनाए गए। ईको क्लब की सहायता से पुराने नीचे अपनी गाड़ी पर खड़े होकर कपड़ों को जोड़कर तंबू लगाए लोगों को संबोधित करते हुए कहा गए। तंबु का निरीक्षण करने माचा कि हम विधायकों की पेंशन बंद अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी करेंगे। राज्य में हम आएंगे तो क्रिस्टोफर बेसरा भी आए। विधायकों के यहां एसीबी की



छापेमारी कराएंगे। इससे पूर्व उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व आजसू पार्टी ने गाड़ी और पैसा देकर अपने कार्यक्रम में बुलाया था। आप भी तो इसी तरह नहीं आए ना। जयराम ने कुड़माली में कहा कि 24 साल बाद भी झारखंड में रोजी-रोटी के लिए भीख मांगने की तरह यहां के लोग जीवन निर्वाह कर रहे हैं। हमारी अपनी जमीन पर कितने स्थानीय

जमीन गया। जान भी गंवानी पड़ी। यहां की दीदी को एक हजार तो बाहर की दीदी को दस हजार दे रहे। एक विधायक पांच साल में एक करोड़ 80 लाख कमाते हैं। 24 सालों में नेताओं ने कोयला, लोहा, बालू लुटा और झारखंड व हमें अधिकारी हैं। सभी परदेसी हैं। फिर

स्कूली छात्रों को स्वरोजगार

सरकार आपके द्वार.. से

ग्रामीणों को मिल रहा

योजनाओं का लाभ : सांसद



के लिए किया गया प्रेरित JAMSHEDPUR : स्वदेशी

सोनारी स्थित भारत सेवाश्रम के विद्यालय में बच्चों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खादी ग्रामोद्योग आयोग, पर्वी भारत के सदस्य मनोज कमार सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों को मैटिक पास करने के बाद से ही स्वरोजगार की राह पर चलना चाहिए। चाहे वो छोटे बच्चों को ट्यूशन पढ़ाएं या कोई तकनीकी शिक्षा लेकर पार्टटाइम कार्य करें। इससे भविष्य में होने वाली उच्च शिक्षा में कुछ मदद भी हो जाएगी और ज्ञान भी बढ़ेगा। हम दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। उन्होंने स्वदेशी जागरण मंच द्वारा पूरे देश में चलाए जा रहे स्वावलंबी भारत अभियान की जानकारी दी। भारत सेवाश्रम संघ के स्वामी श्रीधर ने कहा कि कोई

भी व्यक्ति या विद्यार्थी अपने जीवन मे सफलता केवल और केवल अनुशाशन और नित्य नया सीखने की चाह से ही पा सकता है।

कार्यक्रम का संचालन स्वावलंबी भारत अभियान के जिला समन्वयक एवं प्रांत के युवा प्रमुख पंकज सिंह और धन्यवाद ज्ञापन मंच की जिला संयोजक राजपति देवी ने किया। कार्यक्रम में की काकोली, शिक्षिका रेखा दुबे, मधुलिका मेहता, डॉ. अनिल राय, राजकुमार साह, संजय कुमार, कंचन सिंह आदि उपस्थित रहे।

ट्रेन लेट होने पर गोविंदपुर हॉल्ट में मजदूरों ने किया ट्रैक जाम रेल रोकने के मामले में **PHOTON NEWS JSR:**

विधेयक के विरोध में खड़े होने

विजय आनंद मुनका व मानद

महासचिव मानव केडिया ने बताया

कि इसका विरोध पूरे राज्य में

होगा। इस विधेयक के लागू होने

से भ्रष्टाचार, इंस्पेक्टर राज को

बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही

इसका बोझ आम जनता पर पड़ना

गोविंदपुर हॉल्ट पर उस वक्त हंगामा हो गया, जब झाड़ग्राम-

पुरुलिया मेमू ट्रेन में सवार मजदूरों ने ट्रेन रोक कर रेलवे ट्रैक जाम कर दिया। मजदूर ट्रैक पर प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान अप लाइन पर लगभग एक घंटे तक ट्रेनों का परिचालन बाधित रहा। दुरंतो एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनें विभिन्न स्टेशनों पर रुकी रहीं। दरअसल, मजदूर मेमू ट्रेन लेट होने से आक्रोशित थे। इसकी सूचना पाकर आरपीएफ के जवान और कई रेल अधिकारी मौके पर पहुंचे। वे सभी मजदूरों से हटने का आग्रह कर रहे थे, लेकिन मजदुर लोकल ट्रेनों को समय से चलाने की मांग को लेकर ट्रैक पर ही डटे थे। मजदूरों के अनुसार,



हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस, पुरी उत्कल एक्सप्रेस और धनबाद मेमू ट्रेन को विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर रोक कर

मेमू ट्रेन का समय सुबह 6 बजे है, लेकिन ट्रेन एक से दो घंटे लेट चलती है। मेमू ट्रेन से मजदूर शहर में काम करने जाते हैं, लेकिन ट्रेन लेट से चलने के कारण वे काम पर देर से पहुंचते हैं। रेल अधिकारियों ने भविष्य में लोकल

२०० अज्ञात पर केस दर्ज JAMSHEDPUR : गोविंदपुर रेलवे

हॉल्ट पर ट्रेन रोककर हंगामाँ करने के मामले में रेलवे की ओर से केस दर्ज कराया जा रहा है। रेल रोकना गंभीर मामला है। इससे राष्ट्रीय संपत्ति को क्षति हुई है, वहीं हजारों यात्री परेशान रहे हैं। टाटानगर रेल के एरिया मैनेजर अभिषेक सिंघल ने कहा कि रेल रोकने के मामले में अज्ञात २०० के खिलाफ मामला दर्ज कराया जा रहा है। इसकी पुष्टि टाटानगर आरपीएफ के थाना प्रभारी राकेश मोहन ने भी की।

ट्रेनों को समय से चलाने का आश्वासन दिया। उसके बाद मजदूर ट्रैक से हटे। सुबह 8.15 बजे से ही मजदुरों ने ट्रेन को रोक कर रखा था, जाम हटने के बाद ट्रेन सुबह 9.10 बजे वहां

SONUA: राज्य सरकार के चार

वर्ष पर्ण होने के उपलक्ष्य में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सोनुआ प्रखंड के सोनापोस पंचायत अंतर्गत प्रखंड कार्यालय परिसर में शिविर का उद्घाटन सांसद जोबा माझी ने किया। उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टॉल का निरीक्षण किया। सांसद ने शिविर में आए ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि

सरकार आपके द्वार... कार्यक्रम से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का

एक्सएलआरआई के ग्रेटर गुड कॉन्क्लेव में एचआर के दिग्गजों ने साझा किए अनुभव, कहा-

स्थिरता, नैतिकता व कर्मचारी कल्याण में एचआर की भूमिका अहम डीवीसी ने भी अपने एचआर ढांचों

PHOTON NEWS JSR:

एक्सएलआरआई में 'एचआर फॉर द ग्रेटर गुड कॉन्कलेव' का आयोजन किया गया। इसमें मानव संसाधन प्रबंधन (एचआर) के क्षेत्र में नेतृत्वकताओं एवं विशेषज्ञों को एक साथ लाकर विभिन्न संगठनों, संस्थानों एवं उद्योगों में स्थिरता, नैतिकता और कर्मचारी कल्याण को बढ़ावा देने में एचआर की भूमिका पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरूआत एसईएलसी के बिरंची दास ने दीप प्रज्वलित कर की, जिसमें एक्सएलआरआई के निदेशक फादर एस जॉर्ज, (डीन, एकेडिमक्स) प्रो. संजय पात्रो, (डीन, एडिमिनिस्ट्रेशन एंड फाइनांस) फादर डोनाल्ड डिसिल्वा एवं कॉन्कलेव के संयोजक प्रो. जतिंदर कुमार झा



एक्सएलआरआई में उपस्थित शिक्षक व प्रतिमागी

कार्यक्रम में प्रमुख उद्यमी डॉ. जॉन मथाई, डॉ. नीरव मंदिर एवं महेश रामानुजम ने अपने विचार रखे। उन्होंने एचआर की बदलती भूमिका, उच्च प्रदर्शन कार्य प्रणालियों, कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं नैतिक शासन पर गहन चर्चा की। इस दौरान एक पैनल चर्चा भी हुई, जिसमें एक्सएलआरआई के प्रोफेसरों ने एचआर की जिम्मेदारियों पर विस्तार से बात की। कॉन्क्लेव में एनटीपीसी, बीसीपीएल, ग्रिड इंडिया, सी-डैक, एलएलसी, कोल इंडिया, एनएचपीसी, एचपीसीएल, आईओसीएल, गेल, बॉमरलॉरी, एमओआईएल और डीवीसी समेत 14 प्रमुख प्रतिष्ठानों ने हिस्सा लिया और अपनी एचआर नीतियों व परंपराओं को प्रस्तुत किया। कॉन्कलेव के दूसरे दिन की

शुरूआत पौधारोपण से हुई, जो

पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति इस कार्यक्रम की प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा। डॉ. जॉन मथाई ने 'पीएसयू में एचआर की चुनौतियों' पर प्रमुख सत्र प्रस्तुत किया। इसके अलावा, ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया लिमिटेड, गेल इंडिया लिमिटेड और एमओआईएल लिमिटेड ने अपनी नवीन एचआर परंपराओं को प्रस्तुत किया। आईओसीएल, एनएचपीसी और

को एकीकृत करने की अपनी रणनीतियों को साझा किया। टाटा स्टील के सौरभ रॉय ने 'सामाजिक प्रदर्शन और प्रतिभा अनिवार्यता' पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला में सामाजिक प्रभाव को मापने और बढ़ाने में एचआर की भूमिका पर व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की। दिन का सबसे प्रभावी सेगमेंट एचआर निदेशकों की चर्चा थी, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के एचआर नेतृत्वकताओं ने विचारों का आदान-प्रदान किया। इस चर्चा के दौरान विशेष रूप से नैतिक शासन और कर्मचारी कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एचआर क्षेत्र में बदलती चुनौतियों और अवसरों को

उजागर किया गया। कॉन्क्लेव का

समापन पुरस्कार समारोह और में स्थिरता और कर्मचारी कल्याण सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। इसमें उत्कृष्ट एचआर परंपराओं के लिए प्रतिष्ठानों और प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में एक्सएलआरआई की समृद्ध धरोहर की प्रस्तुति ने इस दो दिवसीय कॉन्कलेव को यादगार बनाया। एक्सएलआरआई की ओर से बताया गया कि इस कॉन्कलेव ने भविष्य के आयोजनों के लिए एक उच्च मानक स्थापित किया है, जिसमें यह दिखाया गया कि एचआर कैसे संगठनों और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक बन सकता है। इस कॉन्क्लेव से मिली अंतर्दृष्टियां और चचाएँ एचआर पेशेवरों को उनके संबंधित क्षेत्रों में 'ग्रेटर गुड' को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेंगी। **O** BRIEF NEWS

नवादा में डायरिया से एक

डायरिया ने अपना कहर बरपाया

है। मुफस्सिल क्षेत्र में और हिसुआ

के गांधी टोला में डायरिया से 30

लोग बीमार हो गए हैं। जिसके

बाद सभी को इलाज के लिए सदर

अस्पताल में भर्ती किया गया है। बता

दें कि एक साथ इतने मरीजों के

पहुंचने पर अस्पताल में बेड की

कमी हो गई। जिसके बाद कई

मरीजों का इलाज जमीन पर लेटाकर

516 ग्राम ब्राउन शुगर के

ARARIYA: जिले की बसमितया

थाना पुलिस ने एसएसबी के

सहयोग से नेपाल से तस्करी कर

ऑटो से ले जाए जा रहे ब्राउन

शुगर को बरामद किया है।पुलिस

और एसएसबी ने एक थैला में रखे

516 ग्राम ब्राउन शुगर को उस

समय पकड़ा जब कैरियर के रूप

में महिला तस्कर एक ऑटो से

ब्राउन शगर को लेकर जा रही थी।

एसएसबी और बसमितया थाना

पुलिस ने गुप्त सूचना पर यह

कार्रवाई की। मामले में ऑटो

चालक घरना थाना क्षेत्र के महेश

पट्टी वार्ड संख्या 10 के रहने वाले

काली लाल यादव के 26 वर्षीय

पुत्र रुपेश कुमार यादव एवं ऑटो

पर सवार महिला तस्कर बसमितया

थाना क्षेत्र के बेला गांव के वार्ड

संख्या 8 निवासी सलेखा देवी पति

राजकुमार को गिरफ्तार किया है।

का अपहरण कर हत्या

शव नदी में उपला हुआ था। बिहार से झारखंड जा रही

बस में महिला से छेड़खानी

BANKA: बिहार के भागलपर से

झारखंड के दमका जाने वाली यात्री बस में एक महिला से

छेड़खानी का मामला प्रकाश में

आया है। जानकारी के अनसार के

अनसार हंसडीहा के खादरा गांव

के कुछ युवक बस में महिला के

साथ छेड़खानी कर रहे थे। बस के

उपचालक ने जब मना किया तो

मनचलों ने चाकू से हमला कर

जख्मी कर दिया। उसके बाद

मनचलों ने उपचालक को बस से

बाहर फेंक दिया। भागलपुर से

दुमका जा रही बस में छेड़खानीः

भागलपर से दमका जा रही श्रीहरि

बस के चालक अमर कुमार ने

बताया कि महिला दुमका जा रही

थी। तभी हंसडीहा खादरा गांव के

पास कुछ युवक बस को रोकवाया

और ड्राइवर और उपचालक के साथ गाली-गलौज करने लगे।

चिकित्सकों को करना पडा।

साथ महिला गिरफ्तार

साथ 30 लोग बीमार NAWADA : बिहार के नवादा में जो नौकरों के नाम भूमि

जमीन छिनेगी : नीरज

PATNA : बिहार में इन दिनो भूमि

सर्वे चल रहा है। जिसके तहत

सभी लोगों को अपनी जमीन के

लिखवाए हैं. उनकी

आलोक राज को बनाया

डीजी विजलेंस आलोक राज को बिहार के डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। आलोक राज 1989 बैच के अधिकारी हैं। जो आरएस भट्टी की जगह लेंगे। भट्टी को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का महानिदेशक बनाया गया है। आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने के लिए आलोक राज को सीएम आवास पर बुलाया गया था। जिसके बाद गृह विभाग ने अधिसूचना जारी की। इससे पहले डीजीपी की रेस में दो और नाम शोभा आहोतकर और विनय कुमार का चल रहा था। जिसमें आलोक राज सबसे सीनियर हैं।

आलोक राज बैच 1989, शोभा अहोतकर 1990 और विनय कुमार 1991बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। इससे पहले भी आलोक राज नाम चर्चा में था, जब नीतीश सरकार ने उनसे एक बैच जूनियर आरएस भट्टी पर भरोसा जताया था। आलोक राज दिसंबर 2025 में रिटायर होंगे, उससे पहले उनके पास लंबा पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ काम करने का अनुभव है। डीजी (ट्रेनिंग) समेत तमाम पदों पर उनका राज्य में लंबा कार्यकाल रहा है। उन्होंने पहले आईजी (मुख्यालय), आईजी (कमजोर वर्ग), विशेष सचिव (गृह), एडीजी (कानून व्यवस्था), विशेष शाखा, सीआईडी, रेल, डीजी (प्रशिक्षण), बिहार पुलिस अकादमी, बीएसएपी, डीजी-सह-के रूप में काम किया। बिहार पलिस भवन निर्माण निगम के अध्यक्ष भी रहे। आलोक राज मदभाषी और नियमों का पालन करने वाले अधिकारी हैं। वह



अपनी गायकी के लिए भी जाने

घटना के बारे में बताया जा

तोड़कर पहले लड़के की गोदकर

एक साथ दो विभागों का मिला जिम्मा गया बिहार का डीजीपी

सही जानकारी देनी होगी। मसलन उन्हें जमीन कैसे मिली, जमीन पुश्तैनी है, या फिर किसी से खरीदी गई है, या कोर्ट के ऑर्डर से मिली है। सभी तरह की जानकारी राजस्व भमि सधार विभाग को देनी होगी। और भूमि में गडबडी मिलने और दावा झठा होने पर जमीन सरकार ले लेगी। क्योंकि बीते सालों में सबसे ज्याद मामले सरकारी भूमि पर कब्जे और जमीन विवाद के आए हैं। इस बीच जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार नेता प्रतिपक्ष, पूर्व डिप्टी सीएम और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पर तंज किया है। नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी यादव यह जान लें कि मुख्यमंत्री नीतीश

कुमार की सरकार में कोई फर्जी काम कराकर बच नहीं सकता है। जो लोग भी अपने नौकरों के नाम से जमीन लिखवाए हुए हैं, उन्हें उन जमीनों से हाथ धोना पड़ेगा। आज भी बिहार में राज्य सीलिंग एक्ट 1961 प्रभावी है। जिसके तहत ग्रामीण इलाके में अगर किसी के पास 15 एकड़ से अधिक किष योग्य भिम है, तो

सरकार उसे अधिग्रहित कर कार्यकाल बचा है। पश्चिम बंगाल पटना में भाई ने बहन को प्रेमी के साथ देख लिया, तो कर दी दोनों की हत्या

बिहार के पटना में प्रेमी प्रेमिका की हत्या का मामला सामने आया है। लड़की के भाई ने दोनों की बेरहमी तरीके से हत्या कर दी। घटना पटना के बिहटा थानाक्षेत्र के कुंजवा गांव की है। इस तरह से पटना में डबल मर्डर से हड़कंप

रहा है कि लड़की के भाई ने उसके प्रेमी के साथ देख लिया था। इसके बाद उसने बोतल फोड़कर युवक के पेट में घुसेड़ दिया और बहन की गला दबाकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रही है। हत्या के संबंध में बताया जा रहा

घटना के बारे में लोगों से पूछताछ करती पुलिस। है कि दोनों मृतक के बीच काफी

दिनों से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। दोनों रिश्ते में चचेरा भाई-बहन थे। बताया जा रहा है कि लड़की के भाई विशाल कुमार ने घर के पास खंडरनुमा मकान में बीती रात दोनों को देखा था। दोनों को साथ देखने के बाद आग बबुला हो गया।

आरोपी भाई ने कांच का बोतल

कॉलेज कर्मचारी से 50 हजार

घटना के बाद आरोपी भाई ने पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया है। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए

नेपाल से आने वाले पानी के नियंत्रण के लिए हो रही पहल बाढ़ से हो रही तबाही रोकने के लिए बनेंगे चार नए बराज

नेपाल में होने वाली बारिश से बिहार में होने वाली तबाही को रोकने के लिए बिहार सरकार ने चार बराज बनाने का निर्णय लिया है। जल संसाधन विभाग के मंत्री विजय चौधरी ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नेपाल में हाई डैम बनने का प्रस्ताव कई सालों से है, लेकिन वहां फिलहाल हाई डैम बनने की उम्मीद नहीं दिख रही है। जिसके बाद बिहार सरकार ने निर्णय लिया है कि नेपाल से आने वाली चार नदियों में

चार जगह पर बराज बनाए जाएंगे। विजय चौधरी ने कहा कि नेपाल सरकार से भारत सरकार की कई बार हाई डैम बनाने को लेकर बातचीत हुई है। वर्ष 2004 में वहां संयक्त रूप से विराटनगर में कार्यालय भी खोले गए हैं, लेकिन जहां भी सर्वे करने जाती है लोग हंगामा करने लगते हैं। यही कारण है कि नेपाल में हाई डैम बनाना मुश्किल हो रहा है। यही सोचकर बिहार सरकार ने अब बिहार में ही नेपाल से आने वाली चार नदियों पर बराज बनाने का निर्णय

पटना में होटल से धनबाद के प्रोफेसर का शव बरामद

नालंदा में 6 साल की बच्ची PATNA: राजधानी पटना से एक बडी खबर निकलकर सामने आ NALANDA: नालंदा जिले के रही है। पटना के होटल के कमरे में चंडी थानाक्षेत्र के यशवंत पुर गांव शव मिला। मामले की छानबीन में में छह वर्षीय बच्ची की अपहरण पुलिस जुट गई है। पटना के कर हत्या कर दिये जाने की कोतवाली थाना इलाके में मारवाड़ी सनसनीखेज मामला प्रकाश में आवास गृह के कमरे में शव मिला आया है। घटना शुक्रवार की सुबह है। मौके पर एफएसएल की टीम की बताई जाती है। मृत बच्ची की को बुलाया गया है। मृतक का नाम वाचस्पति मिश्रा बताया जा रहा है। पहचान चंडी थानाक्षेत्र के यशवंत पूर गांव निवासी सतेन्द्र कुमार कि वाचस्पति मिश्रा धनबाद के रहने छह वर्षीय पूत्री काजल कुमारी है। वाले थे। पेशे से प्रोफेसर बताए जा बच्ची के पिता सतेन्द्र ने बताया कि रहे हैं। कोतवाली थाने की पुलिस ने गत दिनों बगल के पड़ोसी पप्पू बिंद उनके परिजनों को सूचना दे दी है। से परिवारिक लड़ाई हुई थी जिसमें घटना के संबंध में बताया जाता है बच्ची को मार देने की धमकी पप्पू कि धनबाद के रहने वाले बचस्पति ने दिया था । आज शुक्रवार को मिश्रा मारवाड़ी आवास गृह में रूम बच्ची घर से बाहर गली में खेल नंबर 77 में ठहरे थे। प्रोफेसर मिश्र रही थी की अचानक गायब हो 28 सितंबर को दोपहर 12 बजकर गयी परिवार के लोग गांव के 20 मिनट पर आये थे. उसके बाद गलियों सहित तालाब और नदियों कें खोजबीन किया तो बच्ची का पश्चिम बंगाल में लागू हो

बनर्जी की ओर से बंगाल जलेगा

तो दिल्ली, बिहार, असम भी

चलेगा, के बयान पर अब एनडीए

के नेताओं की तरफ से हमला

बोला जा रहा है। केंद्रीय मंत्री और

लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय

अध्यक्ष चिराग पासवान ने केंद्र

सरकार से पश्चिम बंगाल में

राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

तक कर दी है। वहीं अशोक चौधरी

ने कहा की राष्ट्रीय नेता बनना

चाहती हैं। गनीमत है बांग्लादेश,

श्रीलंका और पाकिस्तान जलाने की

बात नहीं की। केंद्रीय मंत्री चिराग

पासवान ने ममता बनर्जी पर निशाना

साधते हुए कहा कि महिलाओं के साथ कोई भी घटना हो किसी भी

राज्य में हो तो वह शर्मनाक है। एक



पुल गिरने की घटना से सरकार चितित

मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि हाल के दिनों में जो बिहार में पुल गिरने की घटना हुई है, उसको लेकर भी जल संसाधन विभाग में एक मानक तैयार किया है। नदी हों या नगर हो जहां पर भी पुल का निर्माण होगा, सबसे पहले गाद को हटाने के बाद ही पिलर बनाया जाएगा। अब जो भी एजेंसियां या जो भी विभाग पुल निर्माण करेगा निश्चित तौर पर उन्हें इस नीति का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि नदी के गाद के ऊपर से ही कई जगहों पर पीलर बना दिया गया था, वह भी पुल गिरने का एक कारण हुआ था।

लिया है। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि विभाग के जो इंजीनियर होंगे वह निगरानी करेंगे। वह बताएंगे कि कितनी फीट नीचे तक पिलर को देना है। इस तरह की नीति भी जल संसाधन विभाग में बनायी है। उन्होंने

कहा कि वैसे हमारा विभाग नहर पर ही पल का निर्माण करवाता है. लेकिन इसको लेकर भी मानक जो है वह तय कर दिए गए हैं कि जो पुल का निर्माण होगा ऐसे करने से पुल

ट्रेनर समेत सॉल्वर गैंग चार सदस्य गिरफ्तार

बिहार के कटिहार में सिपाही भर्ती परीक्षा में फर्जी परीक्षार्थी बन कर परीक्षा देने आये आरोपी चेतन कुमार यादव की निशानदेही पर तीन अन्य युवकों को गिरफ्तार किया गया है। सभी सॉल्वर गैंग से जुड़े है। वहीं चेतन की पहचान भागलपुर के सैंडिस कंपाउंड में कथित मंदार एकेडमी के फिजिकल ट्रेनर के रूप में हुई है।

चेतन के साथ उसके तीन अन्य सहयोगी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान बांका जिले के रजौन थाना क्षेत्र के जगरनाथपुर निवासी सागर कुमार, बौंसी थाना क्षेत्र के सिमडामोड निवासी अमित कमार यादव और सहरसा के सदर थाना क्षेत्र के

महिला मख्यमंत्री के होने के

बावजूद जिस तरह से आपका राज्य

डर के साए में है, महिला के साथ

जो घटना हुई है उसकी जितनी निंदा

की जाए कम है। इसके बावजद

आप क्या कर रही हैं, दोषारोपण।

चिराग ने आगे कहा कि इतनी बड़ी

घटना होती है और उसके बाद

हुड़दंगी पहुंच जाते हैं, सारे

एविडेंस को समाप्त कर देता है।



पटलाहा निवासी कृष्णा कुमार के रूप में हुई है। एएसपी सह सदर एसडीपीओ अभिजीत कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक लैपटॉप, चार मोबाइल, दो बाइक, एडिमट कार्ड, आधार कार्ड, फर्जी आई कार्ड, एक एटीएम, तीन ब्लैंक चेक, बैग और अन्य कागजात बरामद किये गये हैं। प्रतीत होता है कि गिरफ्तार सभी आरोपी सॉल्वर गैंग के

शराब पार्टी के दौरान फायरिंग दोस्त ने ही ले ली दोस्त की जान

खेतों में नहर का पानी

पहुंचाने की तैयारी

मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि

बिहार में किसानों के खेतों तक

पानी पहुंचे इसको लेकर भी विभाग

काम कर रहा है। कई जगह पर

नदी से नहर निकाले जा रहे हैं।

जहां नहर का तटबंध कच्चा है उसे

पक्के बनाए जा रहे हैं। कई नदियें

के तटबंध को पक्का बनाया गया है

तो जल संसाधन विभाग लगातार

बार नियंत्रण के लिए काम कर रहा

है। इन योजनाओं से किसानों को

जमीन सर्वे के लिए

वंशावली का शपथपत्र

बनवाने में छूट रहा पसीना

SIWAN: बिहार में जमीन सर्वेक्षण

का काम चल रहा है। इस दौरान

सही कागजात दिखाने पर जमीन के

मालिकों को उनका मालिकाना हक

दिया जाना है। सर्वे कार्य के दौरान

सर्वेक्षणकर्मी जमीन के असली

मालिक से कई कागजात मांगेंगे

और इनके सत्यापन के बाद ही

जमीन से जुड़ी जानकारियों को

अपडेट किया जाएगा। इनमें से

जरूरी एवं एक अहम कागजात

वंशावली भी है। आम भाषा में

वंशावली का मतलब यह हुआ

कि किसी व्यक्ति, परिवार या

उसके समूह के पूर्वजों के वंश का

लेखा-जोखा। इसमें वंशावली

बनाने वाले परिवार के पूर्वजों का

विवरण होता है। वंशावली

बनवाने को लेकर लोगों में

कंफ्युजन की स्थिति है।

फारादा होगा।

बिहार के पटना में यवक की हत्या

से सनसनी फैल गई है। वहीं दसरा यवक गंभीर रूप से जख्मी है। इस घटना को किसी और ने नहीं बल्कि दो दोस्तों ने मिलकर अंजाम दिया और अपने ही दोस्त को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस के अनुसार पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद शुरू हुआ और फिर यह विवाद खनी खेल में तब्दील हो गया। बताया जाता है कि शराब पार्टी के दौरान दोस्तों के बीच बकझक शुरू हो गई। अचानक से रौनी ने फायरिंग कर दी। इसमें दो युवकों को गोली लग गई। घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। दानापुर-1 की एसडीपीओ दीक्षा ने बताया



घटना के बाद विलाप करते परिजन।

कि 30 अगस्त को रात 2 बजे सूचना मिली कि दानापुर थाना क्षेत्र के चित्रकृटनगर में गोलियां चली हैं। राहुल कुमार की मौत और मोहित कुमार के जख्मी होने की सचना मिली। पुलिस ने जख्मी को पीएमसीएच में भर्ती कराया। मामले

को लेकर पता चला कि गाड़ी प्रिंस कमार की थी. जिसे जब्त कर लिया गया है। राहुल के परिजनों ने बताया कि प्रिंस ने फोन करके अपने घरवालों को पूरी घटना की जानकारी दी। उसके बाद प्रिंस के घरवालों ने हमें बताया।

बाका में दिन-दहाड़े लूट, कॉलेज कर्मचारी से 50 हजार रुपये लूटे

बिहार के बांका में लुटरों ने

रुपयों से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गये । घटना धोरेया बाजार थाना इलाके की है। जानकारी के मुताबिक भागलपुर के मथुरापुर के रहनेवाले रामकृष्ण कुमार बांका के बीएन कॉलेज, धोरैया में आदेशपाल का कार्य करते हैं। गुरुवार को वो धोरैया के युको बैंक से 50 हजार हजार रुपये निकाल कर कॉलेज जा रहे थे तभी ये घटना हुई। बताया जाता है कि बैंक से पैसा निकालने के बाद रामकृष्ण कुमार गंगदौरा गांव होते हए कॉलेज जा रहे थे। इस दौरान गंगदौरी मोड़ के बांस बिट्टा के पास दसरी तरफ से आ रहे दो बाइक सवारों ने झपट्टा मारा और उनके हाथ से पैसों से भरा बैग



जबतक कुछ समझ पाते बाइक सवार रफ़चक्कर हो चुके थे। घटना के संबंध में कॉलेज कर्मी रामकृष्ण कुमार ने बताया कि वे जीविका के लोन का पैसा देने के लिए एलआईसी की ओर से भेजे गये 59 हजार रुपये में से 50 हजार की निकासी कर धोरैया ब्लॉक गये थे। जहां से गंगदौरी मोड़ होते हुए कॉलेज जा रहे थे। रामकृष्ण कुमार ने लूट की सूचना कॉलेज के सचिव डॉ अजय कुमार यादव को दी।

तमिलनाडु से लौटी राज्य की शिक्षा विभाग की टीम ने की है सिफारिश

संविदा कर्मी होंगे परमानेंट, पेंशन भी मिलेगी

राष्ट्रपति शासन : चिराग

बिहार में अब सरकारी विद्यालयों के नौंवी और दसवीं कक्षा में भी मिड डे मील योजना शुरू होगी। हाल ही में बिहार सरकार के शिक्षा विभाग की आठ सदस्यीय टीम ने तमिलनाडु का दौरा किया है और बिहार वापस लौटी है। टीम ने तमिलनाडु की शिक्षा व्यवस्था का अध्ययन किया है।

दसवीं कक्षा तक के छात्रों को मिड डे मील : टीम ने पाया है कि तमिलनाडु में कक्षा एक से दसवीं तक के बच्चे के लिए मिड डे मील की व्यवस्था है। इसके अलावा वहां कक्षा 1 से पांचवी क्लास के बच्चों के लिए नाश्ते का भी प्रबंध है। बताया जा रहा है कि, टीम अब 5 दिनों के बाद अपनी रिपोर्ट देगी। जिसमें कक्षा 1 से दसवीं तक के लिए मिड डे मील शुरू करने की सलाह दी जाएगी। तमिलनाडु की



60 वर्ष की उम्र के बाद रिटायरमेंट

तमिलनाडु में शिक्षा विभाग के सभी कर्मियों के लिए 60 वर्ष की उम्र के बाद रिटायरमेंट पर पेंशन का प्रावधान है। स्कूल में मैनेजर स्तर की कर्मचारियों को 24000, कुक को 14000 और सहायक कुक को 8000 वेतन मिलते हैं। रिटायरमेंट के बाद 2000 प्रति माह पेंशन के रूप में मिलता है।

शिक्षा विभाग का अध्ययन करने गई टीम ने यह भी पाया है कि, वहां 75% स्कूल के प्रिंसिपल ही जिले के डीईओ और बीईओ बनते हैं। इसके अलावा वहां संविदा और

अस्थाई की जगह शिक्षक से लेकर कुक तक की स्थाई सरकारी नौकरी है। ऐसे में संभव है कि सरकार रोजगार देने के अपने प्रयासों के

स्कुली बच्चों को चार सेट ड्रेस

अध्ययन करने गई टीम ने यह अभी पाया है कि तमिलनाड़ु में प्रत्येक वर्ष सरकारी विद्यालयों में हर छात्र को चार सेट कपड़ा मिलता है। इसके अलावा माध्यमिक और उच्च माध्यमिक वर्ग में छात्रों के लिए हर दिन सुबह 8 से 9 और शाम 4 से 5 अतिरिक्त क्लासेस चलते हैं।

व्यवस्था हटाकर स्थाई व्यवस्था लागु कर दे। कक्षा 1 से 5 के बच्चों को मिड डे मील के बाद, स्पीच प्रैक्टिस के लिए हर दिन 20 मिनट तेज आवाज में बोलकर पढ़ना अनिवार्य है। टीचर और छात्र की उपस्थिति का काम मोबाइल और टैब के माध्यम से होता है। स्कूल से लेकर मुख्यालय तक ऑनलाइन सिस्टम है। अब देखना है की टीम 4 अगस्त तक अपनी जो रिपोर्ट देती है उसमें क्या नई व्यवस्था शुरू करने की सलाह देती है।

पेंशन के नाम पर 400 रुपये की भीख दे रहे नीतीश: प्रशांत किशोर

PATNA: जनसुराज के संस्थापक और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी में जोर-शोर से जुटे हैं। उनके निशाने पर बिहार के सभी सियासी दल रहते हैं, फिर चाहे वो नीतीश की जेडीयू हो, लालू की आरजेडी और भारतीय जनता पार्टी। प्रशांत किशोर ने एक बार फिर से नीतीश सरकार पर हमला बोला है। और कहा कि राज्य में सबसे बड़ा दुख-दर्द बुजुर्गों का है। जिन्हें पेंशन के तौर पर 400 रुपये की भीख नीतीश सरकार दे रही है। अगले साल जब जनता का राज आएगा तो 60 साल के ऊपर के सभीपुरूषों-महिलाओं को 2 हजार रुपए प्रति महीना पेंशन दी जाएगी। प्रशांत किशोर ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए और कहा कि आज भी आपके बच्चों की पढ़ाई के नाम पर, गरीबों के बच्चों की पढ़ाई के नाम पर 50 हजार करोड़

रुपया खर्चा हो रहा।

बिहार खेल विवि का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया उद्घाटन

राजगीर के नए ग्राउंड पर होगी महिला अंतरराष्ट्रीय एशियन हॉकी चैंपियनशिप

AGENCY NALANDA:

बिहार के राजगीर स्थित राज्य खेल अकादमी सह बिहार खेल विश्विद्यालय का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खेल दिवस के मौके पर उद्घाटन किया। वहीं अब दूसरी ओर भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा राजगीर खेल अकादमी में एशियन वीमेंस हॉकी चैंपियनशिप कराने का ऐलान कर दिया गया है, जिसे 11 से 20 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा।

इस हॉकी चैंपियनशिप में भारत के अलावा चीन, जापान, थाईलैंड, कोरिया, और मलेशिया की टीमें हिस्सा लेंगी। पिछले साल रांची में आयोजित इस चैंपियनशिप में भारत को जीत मिली थी। वीमेंस एशियान हॉकी चैंपियनशिप के आयोजन को लेकर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने बताया कि बिहार



ट्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है, जो एक ऐतिहासिक क्षण होगा। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राजगीर खेल अकादमी का उद्घाटन हुआ। इस मौके पर हॉकी इंडिया टीम का डेमो मैच इंडिया ब्लू और इंडिया व्हाइट के बीच खेला गया। जिसमें

इंडिया ब्लू ने इंडिया व्हाइट को

3-0 से हराकर जीत हासिल की।

में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय हॉकी

डेढ़ घंटे तक चले इस रोमांच भरे मैच का दर्शकों ने काफी लुत्फ उठाया। वहीं मैच के बाद हॉकी फेडरेशन इंडिया ने राजगीर खेल अकादमी में वीमेंस एशियन हॉकी चैंपियनशिप कराने का फैसला लिया। हॉकी इंडिया महासचिव भोला नाथ सिंह ने बताया कि नालंदा जिले के राजगीर में नवनिर्मित पहला एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान बनकर तैयार है।

में हिंदुओं के धर्मांतरण की

सच्चाई सामने आने के बावजद

तत्कालीन केंद्र सरकार द्वारा

धर्मांतरण के विरुद्ध केंद्रीय कानून

बनाने से स्पष्ट मना कर दिया गया।

उधर विदेश में रहने वाला हिंदू

समाज भी अपनी विविध

समस्याओं के समाधान के लिए

भारत की ओर ताक तो रहा था,

किंतु उसके प्रति भी केंद्र सरकार

के उदासीन रवैए ने निराश ही

किया। ऐसे में हिंदू समाज को

संगठित कर धर्म रक्षा करने तथा

हिंदु धार्मिक, सामाजिक व

सांस्कृतिक जीवन मूल्यों की रक्षा

हेतु साठ वर्ष पूर्व जन्माष्टमी को

विश्व हिंदु परिषद (विहिप) की

स्थापना हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक

संघ के प्रचारक दादासाहेब आप्टे

जी के साथ, श्री कृष्ण जन्माष्टमी

के पावन अवसर पर पवई, मुंबई

स्थित पज्य स्वामी चिन्मयानंद जी

के आश्रम सांदीपनि साधनालय में

पुज्य स्वामी चिन्मयानंद, राष्ट्रसंत

तुकडो जी महाराज, सिख संप्रदाय

से माननीय मास्टर तारा सिंह, जैन

संप्रदाय से पूज्य सुशील मुनि,

गीता प्रेस गोरखपुर से हनुमान

प्रसाद पोद्दार, केएम मुंशी तथा

पूज्य श्री गुरुजी सहित 40-45

अन्य महानुभाव भी उपस्थित थे।

इसी बैठक में (1) हिंदू समाज

को संगठित और जागृत करने,

(2) उसके स्वत्वों, मानबिंदुओं

तथा जीवन मूल्यों की रक्षा और

विदेशस्थ हिंदुओं से संपर्क

(3)

संवर्धन करने तथा

कारण ही संभव हुई। नौ नवंबर,

1989 में श्रीराम जन्मभूमि का

युद्ध और शांति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कीव यात्रा के कछ ही दिनों बाद उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति जोसेफ बाइडेन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत ने इस बात की उम्मीद जगा दी है कि नई दिल्ली रूस-यूक्रेन संघर्ष में शांति स्थापित करने की दिशा में प्रयास करने के लिए तैयार है। सितंबर में मोदी की संयुक्त राष्ट्र की यात्रा और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए अक्टूबर में रूस की एक और यात्रा ने उन उम्मीदों को हवा दी है। संयुक्त राष्ट्र की यात्रा के दौरान मोदी अमेरिकी एवं यूरोपीय नेताओं से मुलाकात करेंगे और संभवतः युक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से फिर मिलेंगे। हालांकि भारतीय भूमिका की अटकलों को बढ़ावा देने वाले लोगों के लिए हालातों और भारत के अब तक के रवैये पर सावधानीपूर्वक विचार करना फायदेमंद रहेगा। साल 2022 में यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद से भारत इस पचड़े से दूर रहा है। इस कवायद में विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा कभी इस लड़ाई को यूरोप का युद्ध कहना, किसी भी शांति प्रक्रिया में रूस और युक्रेन को बातचीत की मेज पर लाना शामिल नहीं होना और यहां तक कि स्विस शांति शिखर सम्मेलन से खुद को अलग रखना शामिल है। भले ही मोदी ने यह लगातार कहा है कि भारत सिर्फ शांति के पक्ष में है, लेकिन नई दिल्ली को उसके ऐतिहासिक संबंधों और सैन्य एवं ऊर्जा संबंधी निर्भरता के मद्देनजर मास्को के प्रति पक्षपाती के रूप में देखा गया है। लिहाजा भारत को ख़ुद को और ज्यादा निष्पक्ष छवि में ढालने की जरूरत होगी। इस बीच यह युद्ध बदस्तुर जारी है, जो दोनों पक्षों के इस विश्वास को दशार्ता है कि अभी भी सैन्य बढत हासिल करना बाकी है। रूस द्वारा जलाई में मोदी की मास्को यात्रा से ऐन पहले यूक्रेन पर घातक हमले करना और यूक्रेन द्वारा पिछले सप्ताह कीव की उनकी यात्रा से ठीक पहले रूस के कुस्की ओब्लास्ट में कार्रवाई करना यह दशार्ता है कि अपने मेहमान की संवेदनाओं की परवाह किए बिना जेलेंस्की और पुतिन किस कदर खतरनाक शक्ति प्रदर्शन कर सकते हैं तथा किस किस्म का संदेश दे सकते हैं। इस किस्म के मुश्किल हालात में नई दिल्ली अगर वाकई इस संघर्ष के समाधान में भागीदारी चाहने वाले अन्य लोगों की श्रेणी में शामिल होना चाहता है, तो उसे सावधानी से आगे बढ़ना होगा। इस दिशा में सफल प्रयास कम रहे हैं और इसके लिए केंद्रित एजेंडा- काला सागर अनाज पहल, जपोरिजिया बिजली संयंत्र में परमाणु सुरक्षा के संबंध में आईएईए के प्रयास और रूसी एवं युक्रेनी कैदियों का ताजा आदान-प्रदान की जरूरत है। भारत को युद्धविराम समझौते और स्थायी शांति के संबंध में अपने खुद के सिद्धांतों को भी स्पष्ट करना चाहिए। मोदी सरकार को भारत के अपने इतिहास का अध्ययन करने से काफी फायदा हो सकता है। 1950 के दशक में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने वियना के कहने पर युद्ध के बाद ऑस्ट्रिया के उत्तर-पूर्वी इलाके से सैनिकों की वापसी के मसले पर ऑस्ट्रियाई तटस्थता के वादे के एवज में सोवियत नेता निकिता खुश्चेव के साथ मध्यस्थता की थी।

सुनवाई करने पर हो ध्यान

भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने का आदेश जेल में बंद एक राजनीतिज्ञ को राहत प्रदान करना भर नहीं है। यह राजनीतिक विरोधियों को तंग करने के लिए न्यायिक प्रक्रिया और गिरफ्तारी की शक्ति का हथियार की तरह इस्तेमाल करने की बदनीयत भरी तरकीब की ओर ध्यान खींचता है। यह आरोप कि दिल्ली सरकार की शराब नीति एक खास लॉबी को फायदा पहुंचाने के लिए करोड़ों रुपये लेकर बनाई गई, काफी गंभीर है और इसकी गहन जांच तथा निष्पक्ष अभियोजन की जरूरत है। मगर, ऐसा लगता है कि केंद्र और उसकी एजेंसियों का पूरा ध्यान ट्रायल (विचारण) से पहले कुछ राजनीतिक व्यक्तियों को जेल में रखने पर है। अपनी मौखिक टिप्पणियों में जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन ने जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठाया है, खासकर इसलिए कि एजेंसी ने मामले में शामिल लग रहे कछ लोगों का नाम बतौर गवाह लिया है, जबिक कुछ गिरफ्तार संदिग्धों को माफ करने की मांग की है, ताकि वे सरकारी गवाह के रूप में गवाही दे सकें। जमानत देने पर अभियोजन की जोरदार आपत्तियों को ठुकराने से अदालतों के झिझकने के दौर के बाद अब न्यायपालिका को विरोधियों को लंबे समय तक जेल में रखने के लिए धन-शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की जमानत न मिलने वाली खिबयों का इस्तेमाल समझ में आने लगा है। सप्रीम कोर्ट ने इससे पहले दिल्ली के मख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल (जो उन्हीं आरोपों पर सीबीआई के मामले में अब भी जेल में हैं) और उप-मख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जमानत दी थी। कविता पर दिल्ली सरकार और एक दक्षिण लॉबी के बीच कथित सौदा कराने का आरोप लगाया गया है। गौरतलब है कि सभी राजनीतिक नेताओं को इस मामले में खद शामिल लगने वाले गवाहों और सरकारी गवाह बन चके आरोपियों ने फंसाया है। पीठ ने कविता को पीएमएलए की धारा 45 के उस प्रावधान का लाभ देने में दिल्ली हाईकोर्ट की नाकामी पर सवाल किया है, जो महिलाओं को जमानत की इजाजत देता है। हाईकोर्ट ने महज इस आधार पर उन्हें यह लाभ नहीं दिया कि वह पढी-लिखी हैं और अबला महिला नहीं हैं। केवल यह तथ्य ही जमानत देने के लिए काफी था कि सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच पूरी हो चुकी है।

ANALYSIS

🗷 विनोद बंसल

विदेश में रहने वाला हिंदू समाज भी अपनी विविध समस्याओं के समाधान के लिए भारत की ओर ताक तो रहा था, किंतु उसके प्रति भी केंद्र सरकार के उदासीन रवैए ने निराश ही किया। ऐसे में हिंदू समाज को संगठित कर धर्म रक्ष करने तथा हिंदू धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक जीवन मूल्यों की रक्षा हेतु साठ वर्ष पूर्व जन्माष्टमी को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की स्थापना हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक दादासाहेब आप्टे जी के साथ, श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर पवई, मुंबई स्थित पूज्य स्वामी चिन्मयानंद जी के आश्रम सांदीपनि साधनालय में पूज्य स्वामी चिन्मयानंद, राष्ट्रसंत तुकडो जी महाराज, सिख संप्रदाय से माननीय मास्टर तारा सिंह, जैन संप्रदाय से पूज्य सुशील मुनि, गीता प्रेस गोरखपुर से हनुमान प्रसाद पोद्दार, केएम मुंशी तथा पूज्य श्री गुरुजी सहित 40-45 अन्य महानुभाव भी उपस्थित थे। इसी बैठक में (1) हिंदू समाज को संगठित और जागृत करने, (2) उसके स्वत्वों, मानबिंदुओं तथा जीवन मूल्यों की रक्षा और संवर्धन करने तथा (३) विदेशस्थ हिंदुओं से संपर्क स्थापित कर उन्हें सुदृढ़ बनाने व उनकी सहायता करने संबंधी विश्व हिंदू परिषद के तीन मुख्य उद्देश्य तय किए गए।

उपलब्धियां और चुनौतियां श की राजनीतिक स्वतंत्रता के बाद कथित सेक्युलरवाद के नाम पर हिंदू समाज पर बढ़ते अन्याय तथा ईसाइयों व मुसलमानों के तुष्टीकरण के बीच 1957 में नियोगी कमीशन की रिपोर्ट आई थी। इसमें ईसाई मिशनरियों द्वारा छल, कपट, लोभ, लालच व धोखे से पूरे देश

उनकी सहायता करने संबंधी विश्व हिंदू परिषद के तीन मुख्य उद्देश्य तय किए गए। हिंदू की परिभाषा करते हुए कहा गया कि जो व्यक्ति भारत में विकसित हुए जीवन मूल्यों में आस्था रखता है या जो व्यक्ति स्वयं को हिंदू कहता है, वह हिंदू है। 22 से 24 जनवरी 1966 को कुंभ के अवसर पर 12 देशों के 25 हजार प्रतिनिधियों की सहभागिता के साथ प्रथम विश्व हिंदू सम्मेलन प्रयाग में सम्पन्न हुआ। इसमें 300 प्रमुख संतों के साथ पहली बार प्रमुख शंकराचार्य भी एक साथ आए और धर्मांतरण पर रोक व परावर्तन (घरवापसी) संकल्प लिया गया। मैसूर के महाराज मा. चामराज वाडियार को प्रथम अध्यक्ष व दादासाहब आप्टे को पहले महामंत्री के रूप में घोषित कर विहिप की प्रबंध समिति की घोषणा भी हुई। इस सम्मेलन में जहां परावर्तन को मान्यता देने का ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित हुआ, वहीं विहिप के बोध वाक्य धर्मी रक्षति रक्षितः और बोध चिह्न अक्षय वटवृक्ष भी तय हुआ। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का

महात्मा मिलकर यह घोषित कर दें कि हिंदू धर्म-शास्त्रों में छुआछूत का कोई स्थान नहीं है तो इस अभिशाप को समाप्त किया जा सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए 13-14 दिसंबर 1969 के उडुपी धर्म संसद में संघ के तत्कालीन सर संघचालक श्री गुरुजी के विशेष प्रयासों के परिणाम स्वरूप भारत के प्रमुख संतों ने एकस्वर से हिंदवः सोदरा सर्वे, ना हिंदू पतितो भवेत के उद्घोष के साथ सामाजिक समरसता का ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया। 1994 में काशी में हुई धर्म संसद का निमंत्रण डोम राजा को देने पज्य संत ना सिर्फ स्वयं चलकर गए, बल्कि उनके घर का प्रसाद ग्रहण किया तथा अगले दिन डोम राजा धर्म संसद के अधिवेशन में संतों के मध्य बैठे और संतों ने उन्हें पुष्प हार पहनाकर स्वागत किया। इस धर्म संसद में 3500 संत उपस्थित थे। वनवासी, जनजाति, अति पिछड़ी व पिछड़ी जातियों के हजारों लोगों को ग्राम पुजारी के रूप में प्रशिक्षण देकर उनका समय-समय पर अभिनंदन व मंदिरों में पुरोहित के रूप में नियुक्ति, विहिप के ग्राम पुजारी प्रशिक्षण अभियान के

शिलान्यास एक अनसचित जाति के कार्यकर्ता कामेश्वर चौपाल द्वारा कराए जाने के अतिरिक्त, देश भर में आयोजित समरसता यज्ञ, समरसता यात्राएं, समरसता गोष्ठियां, हिंदू परिवार मित्र योजना, अनुसूचित जाति व जन जातियों के लिए छात्रावास इत्यादि अनेक योजनाओं व कार्यक्रमों के माध्यम से हिंदु समाज के बीच व्याप्त छुआछूत के अभिशाप से मुक्ति हेतु अभूतपूर्व कार्य किए हैं। सन 2003 से लगातार देशभर में भगवान वाल्मीकि, संत रविदास तथा संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर इत्यादि महापुरुषों, जिन्होंने देश की समरसता में योगदान दिया, की जयंतियां व्यापक रूप से मनाई जा रही हैं। इन सब कार्यक्रमों के परिणाम स्वरूप अब संत समाज सहज रूप से वंचित बस्तियों में प्रवास, प्रवचन व सहभोज सहजता से करते हैं। द्वितीय विश्व हिंदु सम्मेलन भी प्रयाग की पावन धरा पर 27 से 29 जनवरी 1979 को 18 देशों के 60 हजार प्रतिनिधियों की सहभागिता से संपन्न हुआ। इसका उदघाटन पुज्य दलाई लामा जी ने किया तथा उनका स्वागत ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य जी ने किया। यह भी एक ऐतिहासिक प्रसंग था। देश वनवासी, गिरिवासी व नगरवासियों के कुंभ के रूप में असम के जोरहाट में 27 से 29 मार्च 1970 में देश के सभी प्रमुख तीर्थों व 45 निदयों के जल से एकात्म हुए इस सम्मेलन में अनेक पूज्य संत-महात्माओं व पूर्वोत्तर के विचारकों के साथ नागारानी गाइडिन्ल्यु ने यह घोषणा की कि प्रकृति पूजक वनवासी समाज जिसे ईसाई मिशनरियां अपने चंगुल में फंसा रही हैं, हिंदू समाज का ही अभिन्न अंग है। 1982 में अशोक सिंघल विश्व हिंद परिषद के पदाधिकारी बने। व्यापक जन जागरण के कार्यक्रम होने लगे। 1983 में हुई एकात्मता यात्रा में तो देश के 6 करोड़ लोगों ने सहभाग किया। अप्रैल 1984 में नई दिल्ली में प्रथम धर्म संसद का अधिवेशन संपन्न हुआ। विश्व हिंदू परिषद द्वारा समाज के सहयोग से देश भर में 45 सौ से अधिक सेवा प्रकल्प भी चलाए जा रहे हैं। इनमें 31 प्रांतों के 93 हजार स्थानों पर 840 संस्कार शालाओं में 17 हजार बच्चे पढ रहे हैं। इनके अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, स्वावलंबन केंद्र, आवासी छात्रावास, अनाथालय, चिकित्सा केंद्र, कंप्यूटर, सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र, विवाह केंद्र इत्यादि प्रमुख हैं। गौरक्षा, गौपालन व गौ संवर्धन के क्षेत्र में विश्व हिंदू परिषद् ने अनेक कार्य किए हैं। देश में 60 स्थानों पर गौवंश की देसी नस्लों का संवर्धन, 40 स्थानों पर पंचगव्य आधारित औषधि निर्माण केंद्र तथा तीन पंचगव्य अनुसंधान केंद्र इस समय कार्यरत हैं। 25 लाख गौवंश की कसाइयों से मुक्ति, अनेक राज्यों में गौवंश हत्या के विरुद्ध कठोर कानून की व्यवस्था और गौपालन से स्वावलंबन की ओर योजना के अंतर्गत पांच गायों से 50 हजार मासिक की कमाई तथा गौवंश आधारित ऋण मुक्त, कृषि व रोजगार युक्त युवक की दिशा में विहिप ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अनेक राज्यों में गौरक्षा हेतु कठोर कानून भी बनवाए हैं। विहिप ने अवैध धर्मांतरण पर रोक तथा धर्मांतरित हिंदू भाई-बहनों को अपनी जड़ों से पुनः जोड़ने की दिशा में भी बड़ा कार्य किया है।

लेखक विश्व हिंदु परिषद के

विद्यार्थियों की आत्महत्या चिंता का विषय

धुनिक समय जैसे-जैसे संभावनाओं के बीच सतत ऊंचाइयों को छू रहा है, मानवीय समाज में सफलता का दबाव इस कदर हावी होता जा रहा है कि थोड़ी सी असफलता भी कोई स्वीकार्य नहीं करना चाह रहा। इसके परिणाम बहुत भयावह रूप से सामने आ रहे हैं। इसमें दुखद यह है कि बच्चे अपना धैर्य खोते जा रहे हैं और अपने बीच समस्याओं के समाधान के लिए जब वे किसी को नहीं पाते तो आत्महत्या जैसा अनचित कदम उठा लेते हैं। किंतु, अपनी जीवन लीला समाप्ति के बाद ऐसे बच्चे अपने अभिभावकों के लिए बहुत बड़ा दर्द पीछे छोड़ जाते हैं, जिसे वे जीते जी, जीवन भर अनुभव करते हैं। इससे जुड़े जो आंकड़े हाल ही में सामने आए हैं, आज वे बहुत चिंता पैदा कर रहे हैं. क्योंकि भारत में छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं समग्र आत्महत्या की प्रवृत्तियों की दर से

दशक में छात्र आत्महत्याओं में 50 और छात्राओं में 61 प्रतिशत की वद्धि हुई है। पिछले पांच वर्षों में दोनों में औसतन 5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय रिकॉर्ड (एनसीआरबी) के आंकडों के आधार पर छात्र आत्महत्या भरत में फैलती महामारी रिपोर्ट वार्षिक आईसी-3 सम्मेलन में जारी की गई है, जो हमारे सभ्य समाज को आज बहुत कुछ विचार करने के लिए विवश कर रही है। देश में आत्महत्या की घटनाओं की संख्या में प्रतिवर्ष दो प्रतिशत की वृद्धि देखी जा रही है, जिसमें विद्यार्थियों की आत्महत्या के मामलों में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आईसी-3 इंस्टीट्यूट की ओर से संकलित यह रिपोर्ट बता रही है कि वर्ष 2022 में कुल छात्र आत्महत्या के मामलों में 53 प्रतिशत पुरुष छात्रों ने खुदकुशी की थी, जबकि इससे पहले के वर्ष में छात्राओं की आत्महत्या में सात प्रतिशत की वृद्धि दिखी। सबसे चिंताजनक

प्रदेश और झारखंड की है। इन प्रदेशों में छात्र सबसे अधिक आत्महत्या कर रहे हैं यानी जो आंकडा निकलकर सामने आया है, वह देश में होने वाली कल आत्महत्याओं का एक तिहाई है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों से जुड़ा राजस्थान इस सूची में दसवें स्थान पर है। महाराष्ट्र में 2022 के दौरान 1764, तमिलनाड़ में 1416, मध्य प्रदेश में 1340, उत्तर प्रदेश में 1060 और झारखंड में 824 विद्यार्थीयों ने अपनी जीवनलीला समाप्त की है। वास्तव में एनसीआरबी के आंकड़े पुलिस की ओर से दर्ज की गई प्राथमिकी (एफआईआर) पर आधारित है। यह हमें सभ्य समाज के बीच बहुत कुछ सोचने पर विवश कर रही है। क्या हमारे इस सभ्य समाज में आत्महत्या के लिए कोई जगह होनी चाहिए। यदि नहीं तो यह आत्महत्याएं क्यों हो रही हैं। इसका अर्थ हुआ कि हम अपने बच्चों में जीवन की

पैदा नहीं कर पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसलिए ही परीक्षा पर चर्चा की शुरूआत की है, ताकि बच्चे उसके प्रति सहज हों और उससे बिल्कल भी घबनाएं नहीं। अभिभावकों को भी चाहिए कि वे अपने बच्चों को सहनशील बनाने एवं धैर्य धारण करने की दिशा में भी प्रशिक्षित करें। इसके साथ ही हमें अपने बच्चों का परिचय राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) और राज्य बाल संरक्षण आयोग (एससीपीसीआर) से अवश्य करवाना चाहिए। जो कार्य राष्ट्रीय स्तर पर एनसीपीसीआर का है, वही राज्य स्तर पर एससीपीसीआर करता है। आयोग के लिए शुन्य से लेकर अट्ठारह वर्ष की आयु वर्ग के सभी बच्चों की सुरक्षा समान महत्व रखती है। आयोग का अपने गठन के पहले दिन से ही यह मानना रहा है कि बाल अधिकार के संरक्षण के हित में एक बड़े वातावरण का निर्माण होना आवश्यक है। अतः इसके लिए

जो भी कदम हो सकते हैं. वे सभी बच्चों के हित केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए। आयोग के लिए सभी बच्चों के अधिकार समान महत्व के हैं। देशभर में केंद्र व राज्य बाल आयोग संसद के अधिनियम (दिसम्बर 2005) के तहत एक सांवैधानिक निकाय के रूप में आज कार्य कर रहे हैं। इस अधिनियम में आयोग के कार्य ही हैं, बाल अधिकारों की सुरक्षा की जांच तथा समीक्षा करना तथा उनके प्रभावी क्रियांवयन के लिए उपाय की अनुशंसा करना। वस्तुतः इसके लिए आयोग को संसद से अपार शक्तियां भी दी गई हैं। किसी मामले की जांच करने के दौरान आयोग के पास कोड ऑफ सिविल प्रॉसिजर 1908 के तहत विशेषकर निम्न मामलों में व्यवहार न्यायालय द्वारा कार्यवाही करने के सभी अधिकार दिए गए हैं। एससीपीसीआर के पास भारत के किसी भी हिस्से से किसी व्यक्ति को समन जारी करना तथा उसे उपस्थित होने के लिए कहना और शपथ दिलाकर जांच करना है, तो

एससीपीसीआर को उसके राज्य में प्रदत्त है। आयोग सरकारों को किसी दस्तावेज की खोज तथा निर्माण करने की आवश्यकता के लिए कह सकता है। किसी कोर्ट ऑफिस से किसी पब्लिक रिकॉर्ड या उसकी कॉपी की मांग कर सकता है। मामले को उन मजिस्टेट के पास भेजना जिनके पास उनकी सुनवाई के न्यायिक अधिकार हो। जांच के दौरान बाल अधिकारों तथा काननी प्रावधानों के उल्लंघन का मामला साबित होने पर संबंधित सरकार को कार्रवाई या अभियोजन अथवा किसी अन्य कार्यवाई के लिए अनुशंसित करता है। यदि वह अदालत उचित समझती है तो निदेशों, आदेशों या आज्ञापत्र के लिए सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय जाना यदि आवश्यक हो तो पीड़ित या उनके परिवार के सदस्यों की ऐसी अंतरिम सहायता की मंजरी के लिए संबद्ध सरकार या प्राधिकार को अनुशंसा भेजना सभी आयोगों

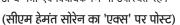
Social Media Corner

सच के हक में.

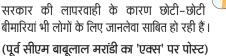
शीतल देवी को पेरिस पैरालिंपिक्स में नया कीर्तिमान स्थापित करने के लिए बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने दुनिया को ये दिखा दिया कि हौसला और जज्बा हो तो बाधाएं आपके हुनर की सीमा नहीं तय कर सकती। मेरी शुभकामना है, आप इसी प्रकार सफलता और रिकॉर्ड्स की नई ऊंचाईयां छूती रहें। (राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)



झारखंड निर्माता आदरणीय बाबा दिशोम गुरुजी से राज्य सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने के बाद झारखण्ड आंदोलनकारी और झामुमो के वरिष्ठ नेता आदरणीय श्री रामदास सोरेन जी ने मुलाकात की। इस अवसर पर अन्य मंत्री एवं विधायकगण भी उपस्थित रहे।



झारखंड में डायरिया का प्रकोप जानलेवा हो चुका है। दूषित पानी पीने के कारण यह प्रकोप फैलता ही जा रहा है। पिछले ४.५ सालों के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में झारखंड लगातार पिछडता गया है। हेमंत सरकार की लापरवाही के कारण छोटी-छोटी





अर्थव्यवस्था तो नीतिगत बदलाव के मोर्चे पर दो बड़े चरणों से गुजर चुकी है। पहली जिसकी चर्चा इन दिनों ज्यादा नहीं होती और वह है अप्रैल 1951 में योजनागत विकास की शुरूआत, जब पहली पंचवर्षीय योजना शुरू की गई थी। दूसरा जुलाई 1991 में शुरू किया गया आर्थिक उदारीकरण था, जिसकी चर्चा ज्यादा होती है। इन दोनों की बदौलत वृद्धि की प्रक्रिया में तेजी आई। यह अलग बात है कि दोनों में सरकार की जो भूमिका सोची गई थी, वह काफी अलग है। इन दोनों बदलावों के प्रभाव को अर्थव्यवस्था की वृद्धि, निवेश और व्यापारिक रुझान में देखा जा सकता है। वृद्धि का एक अपेक्षाकृत धीमा चरण 60 के दशक के मध्य से 70 के दशक के अंत तक भी रहा, जब सूखा, नई कृषि वृद्धि नीति और राजनीतिक उथल-पुथल से भरा एक दशक सामने था। 1951-52 में उठाए गए कदम के कारण आए बदलाव कुछ कम लग सकते हैं, मगर ये बहुत

रा विश्व विकास को

अर्थव्यवस्था से जोड़ता

है। हमारे भारत की

अहम थे, क्योंकि आजादी के पहले की एक सदी में 0.5 प्रतिशत रहने वाली औसत वार्षिक वृद्धि दर इसके कारण नौ गुनी बढ़ गई। 1951 से 1965 के बीच आर्थिक नीति में सार्वजनिक क्षेत्र के विकास पर ध्यान दिया गया, खास तौर पर भारी उद्योग में। यद्यपि इस दौरान निजी निवेश भी बढ़ा। निर्यात उत्पादन के जरिये होने वाली वृद्धि संभव नहीं थी, क्योंकि वैश्विक व्यापार के मूल्य में वृद्धि 60 के दशक के उत्तरार्द्ध से ही शुरू हुई। उच्च वृद्धि का चरण 1980 से शुरू हुआ, लेकिन नीतिगत क्षेत्र में सार्वजनिक से निजी निवेश की ओर सफर जुलाई 1991 में उदारीकरण के बाद शुरू हुआ। निवेश और विदेशी व्यापार में सरकारी नियंत्रण कम करने के अलावा एक बड़ा बदलाव था बैंकिंग और म्युचुअल फंड में निजी क्षेत्र को प्रवेश देना। उदारीकरण से पहले के रुख को देखें तो यह वित्तीय उदारीकरण औद्योगिक निवेश को लाइसेंसमुक्त करने की तुलना में ज्यादा बड़ा बदलाव रहा। उदाहरण के लिए हमने गैरसरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी नई पूंजी

में भारी इजाफा देखा और यह 1981-82 में करीब-करीब 600 करोड़ रुपये से बढकर 2021-22 में लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये हो गई। नियातीन्मुखी वृद्धि की ओर बदलाव कम दिखता है। 1951 में वैश्विक वस्तु निर्यात में भारत की हिस्सेदरी 1.9 फीसदी थी। पहले परिवर्तनकारी चरण में 1980 तक यह गिरकर 0.4 फीसदी रह गया था। परंतु, उसके बाद से ही इसमें स्थिर गति से वृद्धि हुई और 2003 के बाद से आठ वर्षों तक उच्च वृद्धि के दौर के साथ भारत ने वैश्विक विनिर्माण निर्यात में अपनी हिस्सेदारी दोगुनी कर ली है। अब यह 1.8 फीसदी है यानी 1951 के स्तर से कुछ कम। वाणिज्यिक सेवा निर्यात में भारत की वैश्विक हिस्सेदारी 1990 के 0.6 फीसदी से बढ़कर 2023 में 4.3 फीसदी हो गई। सवाल यह है कि अगर हमें 2047 तक विकसित देश बनना है तो सरकार और कारोबार के रिश्तों में क्या बदलाव लाना होगा। सबसे स्पष्ट बदलाव है सरकार और निजी कारोबारी क्षेत्र के बीच रिश्ते को चुनिंदा कंपनियों को बढ़ावा देने वाली साझेदारी के बजाय ऐसी साझेदारी

बनाना, जहां सरकार कारोबार नहीं बाजार के अनुरूप है एवं सभी कंपनियों के साथ उसके संबंध एकदम निरपेक्ष हैं। यह साठगांठ और भ्रष्टाचार से बचने में ही कारगर नीति नहीं है, बल्कि इसलिए भी सही है, क्योंकि राजनेता और अफसरशाह तकनीक, उत्पादों, प्रक्रियाओं, बाजार विकास आदि की उतनी जानकारी नहीं रखते, जितनी कंपनियों के अधिकारियों को होती है। उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) की योजना में प्राथमिकता वाली तकनीकों के वास्तविक प्रदर्शन और कड़ी अफसरशाही जांच की आवश्यकता होती है। यह इस बात का उदाहरण है कि किन चीजों में बदलाव की जरूरत है। वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी तथा व्यापार कर नीतियां तय करते समय उत्पादकों के हितों को पूरी तरह दरिकनार करना सरकार को बाजार के अनुकूल निष्पक्ष कारक बनाने की दिशा में अहम कदम होगा। अगर पूरी तरह निष्पक्षता कठिन है, तो कम से कम यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि विशिष्ट उत्पादकों का हित नियम

के बजाय अपवाद हो।

हर भर्ती में भीड़

सरकारी नौकरी के प्रति लगाव का बढ़ते जाना जहां स्वाभाविक है वहीं विचारणीय भी। देश में अगर कहीं भी कोई सरकारी भर्ती निकल रही है, तो वहां युवाओं का हुजूम उमड़ पड़ रहा है। ताजा मिसाल उत्तर प्रदेश से जुडे. आंकडे. हैं। उत्तर प्रदेश में करीब 60 हजार कांस्टेबल की भर्ती होनी है, पर उसके लिए 48 लाख से भी अधिक प्रार्थियों ने आवेदन कर रखा है। मोटे अनुमान के अनुसार, 80 में से मात्र एक को नौकरी नसीब होगी। फिर भी युवाओं को प्रयास करने का पूरा हक है और सभी को मौका भी मिलना चाहिए। उत्तर प्रदेश में जो भर्ती होने वाली है, उसमें राजस्थान, झारखंड, बिहार ही नहीं, मिजोरम तक के युवा भाग ले रहे हैं। मतलब, सरकारी नौकरी के प्रति हर जगह रुझान है। ऐसा भी नहीं है कि कांस्टेबल पद के लिए आवेदन करने वाले लाखों युवाओं में सभी बेरोजगार होंगे। निजी क्षेत्र में नौकरी कर रहे युवाओं ने भी आवेदन किया है, तो इसके पीछे उनकी यही सोच होगी कि सरकारी नौकरी उन्हें ज्यादा सुरक्षित करेगी। यह भीड़ संकेत है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को सरकारी नौकरी चाहिए। उत्तर भारत के राज्यों के आंकड़ों को अगर देखें, तो बेरोजगारी दर उतनी ज्यादा नहीं है, लेकिन जब सरकारी नौकरी मांगने वाले कहीं उमड़ते हैं, तो स्थिति भयावह नजर आने लगती है। ऐसा नहीं है कि केवल उत्तर भारत में सरकारी नौकरी के लिए भीड लग रही है। याद कीजिए, जुलाई के महीने में ही मुंबई एयरपोर्ट पर भगदड़ की स्थिति बन गई थी। एयरपोर्ट लोडर के 2,216 पद थे और जिसके लिए 25,000 से भी ज्यादा युवा उमड़ आए थे। धक्का-मुक्की ऐसी हुई थी कि एअर इंडिया के अधिकारियों को भी किसी हादसे की चिंता सताने लगी थी। उस नियुक्ति प्रक्रिया में भी अनेक राज्यों के नौजवान शामिल हुए थे। अतः बेरोजगारी की समस्या या अच्छी नौकरी की खोज हर राज्य के लिए चिंतन-मनन का विषय है, पर क्या राज्य सरकारें इस समस्या को पूरी गंभीरता से समझ रही हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

प्रतिस्पर्धा आयोग की क्षमता बढ़ाया जाना जरूरी

Thinking straight, not laterally, the way forward

The manner in which the recruitment of 45 officers of the Joint Secretary/Director level laterally was requisitioned and withdrawn suddenly is a good example. The withdrawal was surprising on three counts. One, lateral induction had been resorted to in the past, including by this government without getting mired in debilitating controversies. Second, as the Opposition fired its precision-guided 'reservation' missile, some ministers launched a counterattack, not aware of the swift, embarrassing retreat being planned. Third, a government known to be tough buckled under a smoking gun. The irony was that ministers who should have known better were brandishing their swords even as the retreat was being sounded.Before coming to the issues involved in the non-political endeavour of lateral recruitment, one cannot help but pity the language of the 'instrument of surrender', which could have been a straightforward official communication instead of a demi-official letter from the minister giving the impression that his ministry made a mistake, which the Prime Minister (who is in charge of the ministry) stepped in to correct. He even traduced the Opposition for overlooking the principle of 'social justice' it advocated while making lateral recruitment when in power.

Much has been written about previous governments inducting experts from the market into the bureaucratic system, the recommendations of the Administrative Reform Commission and the Group of Secretaries, the examination of the proposal by the Department of Personnel from various angles, and the peaceful induction earlier. This was not the first attempt by the government, and hopefully it will not be the last, to draft outside talent to shore up its skill set.It would be unfair to endorse lateral entry or dismiss it without understanding the context and the motivation for such a move. Let us look at some fundamental issues. The Government of India (GOI) runs the affairs of the Central Government and other national-level bodies by recruiting officers to services such as income tax, Railways and Posts through the Union Public Service Commission (UPSC), following the reservation policy. It also takes on deputation All India Services (AIS) officers borne on state cadres recruited through the same process. The GOI has no cadre of AIS officers; the states maintain a deputation reserve as part of their sanctioned cadre strength. The GOI draws upon this reserve to fill positions at different levels in the ministries and other apex organisations through an empanelment process for joint secretaries and

Many GOI ministries have their specialised services to deal with their allotted subjects, as in the case of agriculture, commerce, civil and cost accounts, etc. In addition, the government has fruitfully drawn upon the expertise of outside talent occasionally without being bound by its reservation policy. While earlier governments selected eminent experts through an informal system, this government tried to institutionalise the selection through the UPSC. Also, there has never been an attempt at such large-scale lateral induction. It would be interesting to understand how effectively is the expertise of the existing specialised cadres utilised by the government, especially when professional advice conflicts with short-term objectives of the government or the political interests of the ruling party.

If the government wishes a sprinkling of external experts in the bureaucratic system and treat it as quasi deputation, it must identify ministries needing such 'market borrowing' and simultaneously rationalise and redraw existing cadres. Further, it should be clear whether such induction is routine recruitment or contextual. In case it is contextual and need-based, experts could be hired as consultants who can give their opinion and make recommendations freely without being burdened with bureaucratic decision-making.

50 years of India's steady outperformance

The country has become the third-largest contributor to global growth

IT may not have seemed so at the time, but 50 years ago India reached a turning point. There was an economic crisis and political turmoil. The decisive action a year later was the imposition of Emergency rule by Indira Gandhi. But that was overturned in less than two years. What proved more long-lasting was something barely noticed at the time: A new direction in economic policy, away from Mrs Gandhi's overtly Leftist phase. There followed in due course an end to India's long-term underperformance as an economy, and over time the birth of a new 'India story'. Until the mid-1970s, India had been growing more slowly than the world economy. The transition in the second half

of the 1970s followed some 15 years of crises in the form of wars, failed harvests and even famine, a traumatic rupee devaluation and two oil shocks. Many of these events had contributed to a loss of national self-belief after the early optimism under Jawaharlal Nehru.But once the economy stabilised, what followed was a half century of steady outperformance. Growth outpaced both low-income and middle-income countries, as well as the world economy. The country consequently has an international heft today that it never enjoyed before. Yet, it has not been a 'shining' record, because of continuing poor socioeconomic metrics and rising

inequality. Prior to the transition, India's share of the global economy had been on the decline — from 2.7 per cent in 1960 to 1.9 per cent in 1975 before the decline slowed, stabilised and eventually improved. Even in 2013, India's share of the world GDP was slightly smaller than in 1960. Now, in 2024, it is 3.5 per cent of the global GDP. And since the economy is growing at twice the global average, India is the third-largest contributor to global growth.

Per capita income similarly improved. From 8.4 per cent of the global average in 1960, India's per capita income dipped to 6.4 per cent in 1974. The numbers improved to 13.5 per cent in 2011, and further to 18.1 per cent in 2023. That is a near-trebling over five decades. Yet people in most countries enjoy a Even here, though, the numbers are improving. The much better standard of living. Indeed, there are hardly any countries outside of Africa and in India's own South Asian neighbourhood where per capita

incomes are lower. A long road lies ahead. What transforms the India story is the size of its population. Per capita income is modest, but when multiplied 1,400 million times it makes the Indian economy the fifth largest. Already, India is the second-largest market for mobile phones and motorcycles/scooters, and the third- or fourthlargest for aviation and cars. Growth in these product and service markets has been underpinned by a burgeoning middle class. Businesses catering to it have generated great wealth for investors, leading to the rise of dollar-billionaires (at 200, the world's third-largest tally), while the stock market



ranks fourth by market capitalisation. Up to the mid-1970s, close to half the population lived below a bare-bones poverty line. Today, less than 10 per cent of the people are officially poor. International mention of India is now more likely to refer to it as a rising power rather than as a country of poor people. Yet, India continues to feature as only a 'medium development' country in its human development, while countries like Vietnam have attained 'high development' status. India is unlikely to make it to the 'high development' category for another decade or more — beyond which lies the 'very high development' category comprising the developed economies, to which the country aspires.

mean years of schooling have improved from 4.4 years in 2010 to 6.57 years now. India also has more than the WHO-prescribed ratio of a doctor per 1,000

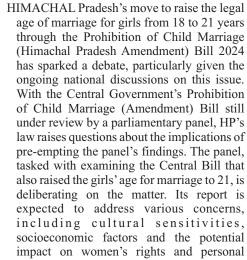
population, and life expectancy has finally crossed the 70 threshold. Higher incomes find reflection in a more varied and richer diet. Milk consumption has multiplied 10-fold. So has fish consumption, while the consumption of eggs has increased more than 20-fold. Add to this the rapid growth of horticulture fruits and vegetables. Meanwhile, household savings as a share of the income have gone up 70 per cent, even as average incomes have multiplied sixfold in real terms. More important than all these may be a change in mindset. India in the mid-1970s was still committed to socialist rhetoric. Apart from large-scale nationalisation of several industries,

> there was also price and production control on everything, from paper to steel, and sugar to cement, even bathing soaps and cars! The inevitable result was shortages and black markets. State governments routinely sided with trade unions in industrial disputes. But things have changed. Indian politics is now more populist than socialist, the Communist parties are in the ICU, and governments want to change labour laws to facilitate business. Tax rates have become reasonable.Rs 12 crore (about Rs 350 crore in today's money). In comparison, in the last couple of years, several companies have done

public issues of Rs 15,000-21,000 crore (LIC, Adani, Vodafone, etc). As recently as a decade ago, mutual fund companies managed sums equal to less than an eighth of bank deposits; that share has doubled to more than a quarter. The next five years could see India add more to its GDP, in absolute numbers, than it has done in the last 10. And yet, there is no story in India without a counter-story. The production of consumer durables has not increased at all compared to seven years earlier, and has gone up by an annual average of just 2.8 per cent for non-durables. Clearly, consumers are financially stressed, especially in the lower rungs of the income ladder — probably reflecting the lack of enough work on good wages. Only when that changes will the economy be able to get to the 7-plus per cent rate that once marked out the truly high-growth economies.

Ahead of the curve

HP raises girls' marriage age before Central verdict



freedoms. The HP decision to act independently is both progressive and precipitous.On one hand, the state's



proactive stance highlights its commitment to gender equality and empowerment of young women. By aligning the marriage age of women with that of men, the law aims

to provide them equal opportunities for education and personal development, free from the pressures of early marriage. However, this move also risks creating legal and social discrepancies if the parliamentary panel's report suggests a different approach or additional safeguards. The national legislation, once enacted, would supersede state laws, potentially leading to confusion and the need for amendments. The timing of HP's law undermines the broader consultative process that the parliamentary panel is engaged in, which seeks to balance diverse perspectives and ensure that the law is inclusive and well-considered.

While the HP law is a bold step, it underscores the importance of awaiting a comprehensive, nationally consistent approach that takes into

account the complexities of implementing such a significant change across India's varied social landscape.

Farmers need assured prices to withstand market shocks

The only plausible way to pull the farmers out of perpetual poverty is by ensuring a legally binding framework for guaranteeing farm prices.

IT is called the pension reform. Prime Minister Narendra Modi has said that the Unified Pension Scheme (UPS) ensures dignity and financial security for government employees. "We are proud of the hard work of all government employees who contribute significantly to national progress," he said.In reality, the UPS — which assures a pension equivalent to 50 per cent of the last drawn salary — is an acknowledgement that the earlier market-linked New Pension Scheme had not worked for government employees. To assure a 'defined benefit' for government employees, the Union Cabinet tweaked the pension scheme to ensure that the retirees do not have to face the tyranny of the markets. While the PM has also applauded the country's farmers on a number of occasions and has often admired the resilience demonstrated by the farming community, there have been no takers for their long-pending demand for guaranteed prices. If markets have failed for retired employees, let me make it clear that markets have also failed for farmers. If employees need an assured pension, farmers also need an assured price. Nowhere in the world have markets ensured a higher income for farmers. In the major economies, either the subsidy fills the income gap (China has emerged at the top in providing agricultural subsidies) or agriculture is conveniently left at the mercy of market forces, like in India. The result, as some studies have shown, is not only that Indian farmers are at the bottom of the pyramid but also that they have been incurring losses year after year for nearly 25 years now.

The only plausible way to pull the farmers out of perpetual poverty is by ensuring a legally binding framework for guaranteeing farm prices. Regardless, the NDA government had sworn in an affidavit before the Supreme Court some years back that a law

to guarantee a minimum support price (MSP) would distort the markets. Strangely, when it comes to farmers, policymakers raise the bogey of assured prices distorting markets. For employees, everyone is fine with an assured pension; the fear of distorting markets suddenly disappears.

While mainline economists believe that a legal MSP will jack up consumer prices and thereby distort markets, in reality, it will squeeze corporate profits, and hence the outcry. Strangely, the same breed of freemarket economists remain quiet when corporates in America go in for 'price gouging' — jacking up prices to rip off the consumers. This actually is price distortion. Already, 38 states, including California, Florida and New York, have brought in laws that prohibit the practice. For instance, the

state of New York went against companies that had hiked the prices of hand sanitisers by 400 per cent during the pandemic. And yet, many market economists have called such checks on visible market distortions a return to Soviet-style price controls. The bias in favour of markets crops up when farmers have to be provided with economic security, but not when corporates jack up prices to extract their pound of flesh. This double speak on market distortion is coming in the way of providing farmers with a living income. As I have said before, markets will automatically adjust to the assured prices for farmers. It is only the ideology that is coming in the way.US Vice-President Kamala Harris has called for a ban on corporate price gouging, which alone is responsible for a 53 per cent increase in the prices of food and grocery items since the pandemic. Republicans have called her position on it



'communist'. Whatever the right wing may say, there is no denying, as some economists have acknowledged, that a ban on price gouging is good economics as well as good politics. Harris has promised action against companies that are keeping food prices artificially high.

Returning to the employees' pension, it is interesting to see the Department of Expenditure make an all-out effort to justify the decision, terming it 'fiscally prudent' and claiming that "it will be preventing fiscal hardship to future generations of citizens.' Certainly, there is no one against an assured pension for employees. But if the employees can be assured of social security, there is no reason why economic security cannot be assured for farmers. They also contribute significantly to the national progress, and it is because of their relentless hard work that the country has food security. When Kamlesh Patidar a farmer from Madhya Pradesh's Mandsaur district, re-ploughed his standing soybean crop on 10 acres, he did not realise that it would trigger a chain reaction. Just few days after a video of the incident went viral, reports of several anguished farmers uprooting the crop poured in. The crash in soybean prices — and that too, a month and a half before the harvesting season — has negated another economic belief that suggests farmers should hold on to harvest till the time they can realise a better price. Patidar had saved his last year's harvest in the hope of getting a higher price later. But even that did not

While the ruling soybean prices have dropped to a level that existed 12 years

back, the destruction of farm livelihoods leaves hundreds of thousands of soybean farmers seething with anger. The prices, which are much lower than the MSP, are not even enough to cover the production costs. I wonder when we will have an assured price policy for farmers that will prevent fiscal hardship for not only future generations of farmers but also the present one. Soon thereafter, reports about tomato prices crashing by 60 per cent to a low of Rs 300 per crate of 25 kg poured in. And then came news reports about basmati prices falling by 28 per cent to Rs 2,500 per quintal. It is not something unique happening this year; it has emerged as a painful annual trend that the nation does not feel concerned about. Providing a legally guaranteed MSP to farmers who have marketable surplus and providing direct income support to marginal farmers is the big reform that agriculture awaits.

Moody's raises India's growth forecast to 7.2% from 6.8% for 2024

NEW DELHI. Moody's Ratings has revised India's growth forecast for 2024, increasing it from the previously projected 6.8% to 7.2%. This adjustment is based on expectations for a stronger rebound in private consumption. Meanwhile, for 2025, growth has been pegged at 6.6% from 6.4% previously."... These forecast changes assume strong broad-based growth and we recognise potentially higher forecasts if the cyclical momentum, especially for private consumption, gains more traction," the ratings agency said. As per Moody's, household consumption is set to rise as headline inflation approaches the RBI's target. It noted that indications of a resurgence in rural demand are already visible, driven by favorable agricultural output prospects due to above-average rainfall during the monsoon season.It highlighted that both the industrial and services sectors have shown robust performance, with the services Purchasing Managers' Index (PMI) remaining consistently above 60 since the beginning of the year. Moody's said India's growth potential in the medium to long-term hinges on the country's ability to effectively utilise its large labour force. It believes the economy can achieve growth rates of 6-7% based on current conditions."...Global growth is stabilising and inflation in most markets is close to RBI targets. We expect global growth will slow to 2.7% and 2.5% in 2024 and 2025, respectively, from 3.0% in 2023, though growth trends differ across countries," Moody's said in its report. Meanwhile, Fitch Ratings has affirmed India's long-term foreign-currency issuer default rating (IDR) at BBB- with a stable outlook.

Consumption to rise

Moody's says household consumption will rise as headline inflation approaches RBI's target. It said indications of resurgence in rural demand are visible on favorable agricultural output prospects due to aboveaverage rainfall during monsoon season

SEBI official says discount broking is not future, requires transparent fee structure

MUMBAI: Hinting discount broking is not the way forward and that investors have to pay for their services as there can be no free lunches in business, a senior Sebi official has called for adopting an explicit and transparent fee structure."Since brokers are not scheduled cmmercial banks, and do not have the full set of capital and other regulatory safeguards that banks have, from a transparency, efficiency, and risk perspective, we would all be better off if the implicit broking revenues from having client float balances were to eventually be replaced by explicit and transparent fees set in a competitive market," Sebi whole-time member Ananth Narayan G said here on Thursday at the ongoing global fintech summit. Stating that the securities ecosystem has come a long way, playing a stellar journey. "But in the medium term, we



still have a distance to go in our journey towards the same capital formation, where there are nearly 12 crore unique investors accessing capital markets via SEBI regulated entities, he said.

From 25% of GDP in March 1993, the BSE market capitalisation has risen to over 150% of GDP as of July 2024. "From less than 1 crore demat account holders as of March 2011, we are nearing 10 crore unique demat holders today. It is impossible to imagine all this happening if the transaction costs, inefficiencies, and risks of three decades ago persisted today," he said.

He said "brokers together currently hold about `2 trillion of client funds on their books on a given day.

Sugar Stocks Surge Up To 16% As Govt Allows Sugarcane Juice, Syrup For Ethanol **Production**

NEW DELHI. Shares of sugar and ethanol production companies on Friday surged up to 13 per cent on BSE after the Union government announced that it will allow sugar mills to use cane juice or syrup to produce ethanol, starting November 1, 2024. So far this year, Balrampur Chini, Bajaj Hindusthan, EID Parry, Rajshree Sugars, Triveni Engineering shares jumped up to 46 per cent, as compared to benchmark Nifty 50's 15 per cent rise.

Shares of Dalmia Bharat Sugar and Industries along with Globus Spirits also made their fresh 52-week highs of Rs 499.20 after rising 13 per cent and Rs 1,019.15 after surging 13.2 per cent respectively.

Other sugar company stocks that witnessed a surge in their share price were Dhampur Sugar Mills, Mawana Sugars, Rajshree Sugars & Chemicals and Dwarikesh Sugar Industries. The shares of these companies were also up by 7-9 per cent in an early trading session on BSE.Nearly all sugar companies saw their shares rise, with Dalmia Bharat Sugar, Shree Renuka Sugar, Triveni Engineering, and Bajaj Hindusthan climbing up to 16 per cent. The policy shift announced in a notification on August 29, 2024, removes the previous cap on sugar diversion for ethanolIn addition to cane juice and syrup, the new policy permits the use of B-Heavy molasses and C-Heavy molasses for ethanol production. According to the Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution, "Sugar mills and distilleries are allowed to produce ethanol from sugarcane juice/sugar syrup, B-Heavy molasses as well as C-Heavy molasses during ESY 2024-25 as per the agreement with OMCs.

UK's Aviva found guilty in \$26 million fake invoice scandal in India: Report

New Delhi. The Income Tax Department has accused British insurer Aviva of breaching local regulations by using a system of fake invoices and clandestine cash payments to bypass commission caps for sales agents, reported news agency Reuters. According to the report, this discovery was made by the Directorate General of GST Intelligence, which is responsible for monitoring indirect tax violations. The report, based on a notice sent to Aviva on August 3rd, revealed that the insurer's India business paid approximately \$26 million between 2017 and 2023 to entities that supposedly provided marketing and training services. However, the tax notice alleged that these vendors did not do any actual work. Instead, they served as a front for transferring funds to Aviva's agents, enabling the company to bypass regulatory limits on agent commissions.

The Directorate General of GST Intelligence described the situation as a "deep-rooted conspiracy," with Aviva and its officials allegedly using fake invoices

to divert funds to insurance distributors. 'Aviva and its officials have indulged in a deep-rooted conspiracy and used the modus of fake invoices (without receipt of services) to pass on certain money to ... insurance distributors of Aviva," investigators wrote in the notice, Reuters reported.Such "show cause" notices usually require companies to explain why authorities should not impose penalties for their actions. This case is part of a broader investigation involving over a dozen Indian insurers for allegedly evading \$610 million in unpaid taxes, interest, and penalties. The notice indicated that Aviva wrongly claimed tax credits on the \$26 million in fake invoices, thereby evading \$5.2 million in taxes. Aviva has not yet issued any statement on the development. A source familiar with the situation mentioned that the company intends to challenge the allegations but has not yet formally responded, reported Reuters. Alleged fake invoices and cash paymentsThe tax agency's 205-page report included emails



and WhatsApp messages between Aviva executives and insurance distributors, discussing ways to circumvent compensation regulations.

The report also summarised interviews conducted by tax officials, including one with Aviva India's Chief Financial Officer, Sonali Athalye, who explained the process of making the payments.

One significant finding was an email from 2019, in which Trevor Bull, the then-CEO of Aviva India, was copied. The email discussed payments exceeding regulatory limits, indicating that senior management was aware of these practices. Both Bull and Athalye, along with Indian tax and

amounting to roughly \$11 million, a sum equivalent to its 2023 profit from life insurance sales in India. Aviva operates in India through a joint venture with Dabur Invest Corp, a well-known local firm. Aviva holds a 74% stake in the business, which it increased from 49% in 2022. Despite being a relatively small market for Aviva, India is considered a growth market by the company, given its status as the world's most populous nation.India's life insurance sector, though competitive, represents a smaller portion of the national GDP compared to the UK.Data from India's insurance regulator shows that life insurance premiums accounted for 3% of the national GDP, whereas the figure in Britain stands at 8.1%. The tax notice suggested that Aviva's actions were part of a broader strategy to increase its market share in this challenging

insurance authorities, did not respond to

requests for comment. The tax notice

stated that Aviva could face penalties

Reliance bonus issue: What is it and how will it benefit RIL shareholders

New Delhi Reliance Industries Limited (RIL) is gearing up to reward its shareholders with a 1:1 bonus share issue, marking the sixth such gesture in the company's history. The announcement by RIL Chairman Mukesh Ambani during the company's Annual General Meeting (AGM) is seen as a strategic move to enhance liquidity and broaden investor participation in Reliance's stock.

What is a bonus issue?

A bonus issue, also known as a bonus share issue, occurs when a company distributes additional shares to its existing shareholders at no cost to them. These shares are issued out of the company's accumulated reserves or profits, converting a portion of the company's retained earnings into share capital. The process increases the total number of shares held by shareholders their holdings, as the share price adjusts



proportionately. The main purpose of a bonus issue is to make the shares more affordable and liquid, which can attract more investors and enhance marketability.

What does it mean for RIL investors? but does not change the overall value of For investors, this means that for every share they currently hold, they will

receive an additional share, effectively doubling their holdings without any additional investment. The bonus issue, which will be considered on September 5, is expected to not only boost investor confidence but also improve the stock's liquidity, making it more accessible to a w i d e r b a s e o f investors. Historically, Reliance has consistently rewarded its shareholders with bonus shares, with previous issues in 1980, 1983, 1997, 2009, and 2017. The upcoming bonus issue is in line with

Reliance's long-standing tradition of sharing its growth and success with its shareholders. While the number of shares an investor holds will increase, the overall value of their investment remains the same as the share price adjusts to account for the additional

Vistara-Air India merger: Check impact on ticket bookings, flight operations and more

New Delhi The merger between Vistara and Air India is on track to be finalised by November 12,

The development comes after Singapore Airlines (SIA) announced that it had received approval from the Indian government for foreign direct investment (FDI), marking a significant step in the merger process. The integration, first revealed in November 2022, is set to create one of the largest airline groups globally, combining the strengths of two major players in the aviation industry. The merger is seen as a strategic move by Tata Group, which owns Air India, to strengthen its position in the global aviation market.Impact on existing bookings, flight operations and moreBooking cut-off date: Starting September 3, 2024, customers cannot book Vistara flights for travel on or after November 12, 2024. Booking transition: All bookings for routes previously operated by Vistara will be redirected to Air India's website.

Continued availability: Vistara will continue to accept bookings and operate flights until November 11, 2024, ensuring no immediate



Jio creating one of most advanced 5G networks: Ambani

NEW DELHI. Reliance Jio has It announced the launch of its AI tool Jio transformed India from 5G-dark to 5Gbright, creating one of the world's most advanced 5G networks, said Mukesh Ambani, chairman and managing director of

Ambani, speaking at its Annual General Meeting, mentioned that the 5G services provided by the company have achieved the world's fastest 5G adoption, and in just two years, over 130 million users have embraced 5G services. Ambani added that India is now the world's largest data market.

'Jio's network carries nearly 8% of global mobile traffic, surpassing even major global operators, including those in developed markets," he said. Over 85% of the 5G radio cells operating in India belong to Jio.

Brain to streamline AI adoption in October. Ambani said Jio Brain will enable it to accelerate AI adoption



across Jio, driving faster decisions, more accurate predictions, and a better understanding of customer needs. The chairman announced Jio AI-Cloud Welcome offer, which will provide up to 100 GB free cloud storage to consumers. The offer is set to launch starting Diwali this year."We are thrilled to announce the Jio AI-Cloud Welcome offer. Jio users will get up to 100 GB of free cloud storage to

> securely store and access their other content. We plan to launch Jio AI-Cloud Welcome offer starting Diwali this year."RIL has spent over Rs 3,643 crore (\$437 mn) in FY24 towards R&D, taking its total research spend to over Rs 11,000 crore (\$1.5 bn) in the last four years. It has filed over 2,555 patents, mainly in areas such as bioenergy, solar energy, and high-

value chemicals. It has filed patents in 6G, 5G, AI large language models, AI deep learning, big data, devices, Internet of Things, and narrowband disruption. Rebranding of aircraft: From November 12, 2024, all Vistara aircraft will be operated under the Air India brand, effectively ending Vistara's independent operations.

Seamless transition: Both airlines are committed to ensuring a smooth transition with minimal impact on flight schedules and services during the rebranding process.FAQs and guidance: Comprehensive FAQs will be available on Vistara's website to help customers navigate the changes.Support channels: Both airlines will actively communicate updates through their websites, social media, and emails to keep customers informed and supported throughout the transition. Enhanced service offerings: The merger is expected to provide customers with more travel options, an expanded fleet, and a unified loyalty program.

'Jan Dhan Yojana pivotal in boosting financial inclusion': PM Modi

Speaking at the Global Fintech Fest (GFF), he mentioned how the scheme has been a gamechanger in ensuring that banking services reach every corner of the country.

NEW DELHI. Prime Minister Narendra Modi on Friday highlighted the crucial role of the Jan Dhan Yojana in boosting financial inclusion across India. Speaking at the Global Fintech Fest (GFF), he mentioned how the scheme has been a game-changer in ensuring that banking services reach every corner of the country.PM Modi mentioned that the Jan Dhan Yojana has not only brought more people into the formal banking system but has also empowered women significantly.He said that over the past decade, more than 29 crore bank accounts have been opened for women under the scheme, which has enabled them to save money and make investments, thereby He said that UPI has made digital payments

giving them more control over their finances. The Prime Minister pointed out that the combination of affordable mobile phones, cheaper data, and zero balance Jan Dhan accounts has been transformative."Cheaper phones and data, along with zero balance Jan Dhan accounts, have created wonders," he said, underlining the impact these factors have had on financial inclusion.PM Modi also discussed the success of the MUDRA loans, which have played a key role in supporting small businesses across the country.

He shared that Rs 27 trillion in credit has been disbursed through MUDRA loans, with women accounting for 70% of the beneficiaries. This highlights the significant role that financial inclusion schemes like Jan Dhan and MUDRA are playing in empowering women entrepreneurs. The Prime Minister also praised the Unified Payments Interface (UPI) system, calling it a shining example of India's FinTech success.

accessible to everyone, whether they live in a village or a city."In the whole world, India's UPI has become a great example of FinTech. Today, whether it is a village or a city, whether it is cold or hot, whether



it is raining or snowing, in India, banking service continues for 24 hours, 7 days, and 12 months," he said.

PM Modi further remarked on how the diversity, adding that the country's fintech revolution is not only improving financial inclusion but also driving

innovation. He mentioned that the market is currently in a "festive mood," reflecting the positive sentiment around India's fintech achievements. During his speech, PM Modi also shared that the

> fintech industry in India has attracted over \$31 billion in investment over the last decade.He highlighted the impressive growth of startups in this sector, noting that they have recorded a growth of over 500%. The availability of cheap data, mobile phones, and the widespread adoption of zero balance Jan Dhan accounts have been instrumental in this rapid growth.Looking ahead, the Prime Minister expressed

optimism about the future of India's fintech sector, stating, "The best is yet to come."

world is amazed by India's fintech He also urged fintech regulators to focus on key areas such as preventing cyber fraud and increasing digital awareness among the public.

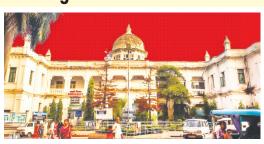
Acid attack, rain, and a gangrapemurder that shook Bengal 42 years ago

A cold-blooded gangrape and murder on a rainy June night in 1982 left the town of Cooch Behar, in West Bengal, scarred forever.

New Delhi: June in Cooch Behar is the month of incessant rain. It was the June of 1982. The Jyoti Basu government had just come to power. CPI(M) was at the peak of prominence in the state of West Bengal.Up north, a young woman had left her Balurghat home and moved to Cooch Behar for a government job. She was employed as the staff nurse at the state-run Maharaja Jitendra Narayan Hospital. She lived on rent with her sister and brother-in-law in a small house off an old post office in the town. The para, or locality, was known by that post office. Like every other workday, she came home in the evening. It was raining cats and dogs, like it is with rain in North Bengal.

June in Cooch Behar is the month of incessant rain. It was the June of 1982. The Jyoti Basu government had just come to power. CPI(M) was at the peak of prominence in the state of West Bengal.Up north, a young woman had left her Balurghat home and moved to Cooch Behar for a government job. She was employed as the staff nurse at the state-run Maharaja Jitendra Narayan Hospital. She lived on rent with her sister and brother-in-law in a small house off an old post office in the town. The para, or locality, was known by that post office. Like every other workday, she came home in the evening. It was raining cats and dogs, like it is with rain in North Bengal.

It rained all night that June day, and it rained through the next day. The roads of the town were inundated. The nurse's neighbours raised an alarm early in the morning. They found her naked, half-dead, unable to speak, allegedly gangraped. Her throat was scalded. Her private parts burnt. A bottle of acid had been poured into her mouth



through a Ryle's tube to ensure she never identified her rapists. The same acid was used to wipe off all physical marks of the rape. The tin roof of her home swallowed her cries that night. The rain was just too loud.A few good men hailed a cyclerickshaw and helped her still-alive body on to it. They then pushed the rickshaw for a kilometre, through the knee-deep water of that June day, to MJN Hospital. She was admitted to her workplace. Sometime later, she died. The long arm of law caught hold of

ten men but justice was many miles away. Of these ten, three served a tenyear jail term. They then secured bail from a higher court. The other seven were let go. The main men behind the crime were allegedly very powerful, very close to the ruling government. Their power and the people in power shielded them from the blind eyes of justice. Her screams, once silenced by

the rain and a bottle of acid, were silenced again in the courts of justice. Some of the real perpetrators were also interrogated by the police. But the power of the party in power reigned supreme. They had to be let go. No police officer in-charge was allowed to speak on the record. Questions posed to them were met with sad, wistful smiles.

This was a time before mobile phones were mainstream, and social media the mainstay of people. Cooch Behar was not a place that usually needed many journalists. Nothing really happened in that small town. So, when the story finally made it to a fledgling daily called Uttar Banga Sambad the next day, public rage spilled on to the streets.

Cooch Behar reclaimed the voice of the girl who was gangraped, killed in cold blood, doused in acid. But all of the town's cries fell on the deaf ears of blind justice. A few days later, the nurse's grief-stricken father breathed his last. Her sister and brother-inlaw are still waiting for justice for their bright-eyed girl, forty-two years later. The town has seen forty-two Junes, eight governments, three chief ministers, and two political parties in power since then. It has seen inundated roads and government apathy. It still rains cats and dogs every June. Every oldtimer in the town sighs, cries, shakes their head when that June is brought up.

Bengal Governor meets Amit Shah, discusses Kolkata rape-murder case

New Delhi: West Bengal Governor CV Ananda Bose met Union Home Minister Amit Shah today at his residence to discuss the law and order situation in the state in the light of the rape and murder of a Kolkata trainee doctor at RG Kar hospital in Kolkata. The meeting continued for nearly an hour. According to sources, the Governor provided detailed information on the current situation in West Bengal. Protests erupted nationwide, particularly in Kolkata, over the trainee doctor's rape and murder, with protesters demanding swift action in the case. In Kolkata, protesting university students led the crowds, on August 27, in breaking through barricades set up by security forces to demand the resignation of West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee for her handling of the

The governor arrived in Delhi yesterday evening for the scheduled meeting.Last week, Governor CV Ananda Bose also met with President Droupadi Murmu and Vice President Jagdeep Dhankhar to brief them on the RG Kar incident and the subsequent events that unfolded in the

The body of the woman postgraduate trainee was found in a seminar hall at the hospital on August 9 morning. A civic volunteer, Sanjay Roy, was arrested the next day in connection with the crime. The Kolkata Police and hospital administration were criticised for their handling of the trainee doctor's case, with the Supreme Court highlighting the 14-hour delay in filing of the FIR. The case is now being probed by the Central Bureau of

Revanth Reddy regrets remarks on K Kavitha's bail: Highest regard for judiciary

New Delhi: Telangana Chief Minister Revanth Reddy on Friday apologised for his remarks about the bail granted to Bharat Rashtra Samithi (BRS) leader K Kavitha in the Delhi liquor policy case. This comes a day after the Supreme Court reprimanded him for his comments about a 'deal' between the BJP and the BRS for securing bail for Kavitha. In a post on X, Reddy wrote that he has "the highest regard and full faith" in the Indian Judiciary."I understand that certain press reports dated 29th August, 2024 containing comments attributed to me have given the impression that I am questioning the judicial wisdom of the Hon'ble Court. I reiterate that I am a firm believer of the judicial process.I unconditionally express my regret for the statements reflected in the press reports," the Telangana Chief Minister wrote.

The Congress leader alleged that his comments were "taken out of context" and stressed that he has "unconditional respect and the highest regard for the Judiciary and its independence". The Supreme Court granted bail to K Kavitha in the Delhi excise policy scam case on August 27, observing that prolonged incarceration before being pronounced guilty of an offence should not be permitted to become a punishment without trial. After the court verdict, the Telangana Chief Minister commented, "It is a fact that BRS worked for the victory of the BJP in the 2024 LS polls. There is also talk that Kavitha got bail because of the deal between BRS and BJP". Strongly criticising these comments, the Supreme Court on Thursday observed that such statements might create apprehensions in the minds of people. "Do we pass orders after consultations with political parties?" the court asked angrily, voicing displeasure"Have you read in the newspaper what he said? Just read what he has stated. What sort of statement is this by a responsible chief minister. That might rightly create apprehension in the minds of people. Is this a kind of statement which should be made by a chief minister? A constitutional functionary is speaking in this manner," a three-judge bench headed by Justice B R Gavai told senior advocate Mukul Rohatgi, appearing for Reddy. The bench continued, "Why should they drag court in political rivalry? Do we pass orders after consultations with political parties? We are not bothered by politicians or if anybody criticises our orders. We do our duty as per conscience and oath".

Over a dozen leaders from AAP, BJP join Congress ahead of Delhi Assembly polls

New Delhi:More than a dozen leaders from the BJP and AAP joined the Congress in Delhi on Thursday ahead of next year's Assembly

polls.At a ceremony held at Rajiv Bhawan, the headquarters of the Congress's Delhi unit, leaders from the Aam Aadmi Party (AAP) and the Bharatiya Janata Party (BJP) formally joined the Congress and were welcomed by Delhi Congress chief Devender Yadav.

Leaders from both BJP and AAP, along with their supporters, are transitioning to the Congress, motivated by the party's progressive policies and the strong leadership of Mallikarjun Kharge and Rahul Gandhi," Yadav said.During the



event, Yadav specifically welcomed Amarlatha Sangwan, a former councillor and MLA candidate from Timarpur, back to the Congress fold. "Sangwan will strengthen the party's position. She criticised the BJP's communal politics and lack of focus on public welfare," Yadav

Several senior Congress members, including former MLA Anil Bhardwaj, Communication Department Chairman Kunwar Karan Singh and other veteran Delhi Congress leaders, were present at the function. With the upcoming Assembly elections in sight, the Congress is working to

regain its voter base by targeting the AAP government. The party plans to soon launch a campaign highlighting

Rights body's notice to Kolkata cops over 'barbaric' action on Nabanna protesters

New Delhi: The National Human Rights Commission (NHRC) on Friday issued a notice to Kolkata Police seeking a report on the "barbaric" and "brutal" assault on the protesters during the 'Nabanna Abhijan' rallies. In its notice, issued to the Kolkata Police Commissioner, the human rights body has sought an "action taken" report in 14 days.On August 27, the 'Nabanna Abhijan' march was called demanding justice for the 31-year-old trainee doctor, capital punishment for the culprit, and the resignation of West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee.

Large-scale violence was reported in Kolkata



Feel nauseous when I sit with Ajit Pawar: Row over Shinde Sena leader's remark

Dharashiv: A leader of the Eknath Shinde-led Shiv Sena said on Thursday that the party's proximity to the Nationalist Congress Party (NCP)

made him vomit, calling it an "allergic reaction". Shiv Sena leader Tanaji Sawant stirred a controversy when he stated that he had never agreed with the NCP throughout his life. He likened his relationship with the NCP to "sitting on their lap but feeling nauseous as soon as I get up". Tanaji Sawant's remarks sharp reaction from the Nationalist Congress

Party.NCP spokesperson and Member of Legislative Council (MLC) Amol Mitkari condemned Sawant's remark and asked whether it was the responsibility of only his party to keep the alliance intact.

'We are quite only to maintain the

coalition dharma. It is only the chief minister who can treat his nausea," the NCP leader said. Speaking at an event, Tanaji Sawant had said, "I am a



Shiv Sainik. It is true that in our lives, we have never gotten along with the Congress or the NCP. It's like an allergic reaction, where just the mere presence causes discomfort and nausea. The ideologies are completely different, and therefore, it

is not possible to be in agreement with them".He went on to add, "Even when I sit together in the cabinet with NCP chief Ajit Pawar, as soon as I

step outside, I feel nauseous. It is something that cannot be tolerated, and at the age of 60, it is not something that cannot be changed. We are committed to our principles".

Tanaji Sawant's recent remarks have sparked concerns of a significant dispute within the Maha Vikas Aghadi coalition. This isn't the first time Tanaji Sawant has been at

the center of controversy. Last year, a video surfaced showing him allegedly pressuring a senior police officer in Dharashiv (Osmanabad) district to transfer a police inspector, causing widespread debate and and adjacent Howrah during the 'Nabanna Abhijan' protest march after protestors, aiming to reach the West Bengal state secretariat, Nabanna, fought pitched battles with the police at multiple stoppage points. The violence, which lasted for nearly four hours, led to several injuries on both sides, with senior police officers and women protestors among those who were hurt.

After the protest, more than 200 people were arrested from across the state by the police.

Police resorted to large-scale lathi-charge, unleashed water cannons and lobbed tear gas shells to disperse the aggressive crowd who poured in from multiple converging points at Nabanna. The 'Nabanna Abhijan' call was given by an unregistered student body 'Paschim Banga Chhatra Samaj' and a dissident state government employees' platform 'Sangrami Joutha Mancha' who demanded the resignation of state Chief Minister Mamata Banerjee over the alleged rape-murder of a medic at RG Kar Medical College and Hospital on August 9.

BJP 'forcing' Chief Secretary to quit, appoint Eknath Shinde aide: Aaditya Thackeray

Mumbai. Shiv Sena (UBT) leader Aaditya Thackeray on Thursday slammed the Maharashtra government over reports on removing the state's first woman Chief Secretary with someone with the backing of Chief Minister Eknath Shinde and invoked President Droupadi Murmu's recent statement on women's safety while speaking about the rape-murder of a trainee doctor in Kolkata. Thackeray's reaction came after Maharashtra

Congress leader Sachin Sawant shared local reports that claimed that Chief Secretary Sujata Saunik could be replaced with former Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC) chief Iqbal Singh Chahal, who was recently appointed Additional Chief Secretary (Home), and facing corruption allegations." Just as the President of India, Murmu ji, speaks about countering the mindset that sees women as 'less powerful, less capableâ€æ', reports state that the BJP-Mindhe



government in Maharashtra is working on making Chief Secretary Sujata Saunik ji resign even before her tenure ends, to accommodate one of their favorites who can help BJP loot Maharashtra," Thackeray tweeted.

What a shame! Why should she resign before her tenure ends? Only because the illegal Chief Minister and BJP want their man who can give contracts to their ladka (male) contractors? This is the same mindhe-BJP mindset that tries to lure women votes through Ladki Bahin, but

accused of crimes against women," he alleged.Earlier, Sawant alleged that a reported move was being made to appoint Saunik as the state election commissioner and pressure her to make way for Chahal in her place. He questioned whether this was being done to facilitate Chahal's appointment as the Chief Minister with the help of a confidant of Shinde.Notably, Chahal has been embroiled in several scams, including the alleged irregularities in contracts for Covid care centres during the pandemic. His recent appointment as the Additional Chief Secretary (Home) in the state government snowballed into a controversy, with the Opposition slamming the move. Sawant also cited the transfer of IAS officer V Radha from the agriculture department due to alleged disagreements with Agriculture Minister Dhananjay Munde, who belongs to the Ajit Pawar faction of the NCP, which is a part of the Shinde-led government.His

allegations came against the backdrop of the post of the Maharashtra Election Commission that will become vacant following the completion of five years by retired IAS officer UPS Madan. For the new commissioner, the names of retired IAS officers Manoj Saunik (Sujata's husband), Nitin Kareer and Shrikant Deshpande, and serving IAS officers Rajiv Jalota and Rajgopal Deora are doing the rounds. According to sources, Saunik is reportedly not very interested and has not yet applied for the post of state election commissioner.

Saunik, a 1987 IAS officer, became the first woman Chief Secretary of the state on June 30 and her term is till May 31, 2025, when she will turn 60. If she is appointed as the state election commissioner, she will get a term of five years.Born on June 15, 1965, Saunik is a resident of Haryana. Her husband, Manoj Saunik, is a resident of Bihar and both are IAS officers of the same batch. Manoj Saunik earlier served as the Maharashtra Chief Secretary.

Barry Stanton X account suspended for racist posts on Indians, users call out Musk

World The X handle of an anonymous social media user, Barry Stanton (@barrystantonGBP), who went viral for his racist posts and rants in which he criticised Indians and Indian immigrants, was suspended on Friday. The action came after Stanton's posts were flagged by hundreds of irate Indians, with several even calling out X owner Elon Musk for not suspending the account. The suspension of the account became a subject of intense debate and memes on X. The hashtag "suspended" was among the top trends on X on Friday morning. Stanton, who has a verified handle with over 1.8 lakh followers, has shared several cartoons and memes depicting Indians defecating in the open.He also praised a post on X on how to drive Indians away from "white neighbourhoods".

Several hateful and abusive posts against
Jews and Africans have also been tweeted

barry stanton

An X user, Akshit Singh, tweeted that he had flagged the Barry Stanton account to Minister of Information and Broadcasting Ashwini Vaishnaw and the UK High Commission in India. He sought an investigation into the activities of the 'Barry Stanton' X account."This account has been engaging in the propagation of hate speech and offensive remarks that target individuals based on race and nationality, he said in his complaint." Musk has opened the gates of hell. It's been proven, in fact, that the current Twitter algorithm is pushing racist tweets up against Indians," another user commented.

Israel, Hamas agree to 3-day pause in fighting for Gaza polio vaccinations: WHO

Tel Aviv/Gaza City Israel's military and Palestinian terror group Hamas have agreed to three separate, zoned three-day pauses in fighting in Gaza to allow for the first round of vaccination of 640,000 children against polio, a senior WHO official said on Thursday. The vaccination campaign is due to start on Sunday, with the pauses scheduled to take place between 6 am and 3 pm (local time), said Rik Peeperkorn, the World Health Organisation's senior official for the Palestinian territories. He said the campaign would start in central Gaza with three consecutive daily pauses in fighting, then move to southern Gaza, where there would be another three-day pause, followed by northern Gaza. Peeperkorn added there was an agreement to extend the pause in each zone to a fourth day if needed."From our experience, we know an additional day or two is very often needed to achieve sufficient coverage," Mike Ryan, WHO emergencies director, told the UN Security Council on Thursday during a meeting on the humanitarian situation in Gaza.

A second round of vaccination would be required four weeks after the first round, said during each round of the campaign in order to stop the outbreak and prevent international spread of polio," Ryan said. The WHO confirmed on August 23 that one baby had

first such case in Gaza in 25 years. We are ready to cooperate with international organisations to secure this campaign, serving and protecting more than 650,000 Palestinian children in the Gaza Strip,' Hamas official Basem Naim told Reuters.

been paralysed by the type 2 polio virus, the

Pope Francis, 87, Defies Health Concerns With **Ambitious 12-Day** Journey Across Four **Nations**

Vatican City, By embarking aged 87 on the farthest journey of his papacy, Pope Francis is doing something some believed impossible — and seeking to silence those who doubt his ability to fulfil his role. The pontiff's 12-day trip to Indonesia, Papua New Guinea, East Timor and Singapore starting next week involves 43 hours of flight time and a distance of 32,000 kilometres (almost 20,000 miles). years by health issues, sparking speculation he might step down as head of the Catholic ChurchThe trip was originally planned for 2020 but postponed due to the Covid pandemic, and now takes place just three months before his 88th birthday.

Weeks ago few observers thought Francis was capable of such a gruelling voyage, with the corridors of the Vatican buzzing with concerns over his health.At Easter, the holiest week in the Christian calendar, Francis withdrew from several events, weakened by a lingering flu. Months earlier, bronchitis caused him to cancel a trip to United Nations climate talks in Dubai in December.In June 2023, he also underwent hernia surgery that left him hospitalised for 10 days. Now some are wondering: is it reasonable for the octogenarian to keep up the frantic pace, with 16 speeches and countless meetings and ceremonies scheduled across four countries? The pope still believes that we need to push a little further," a senior Vatican diplomat told AFP.

5 dead as Typhoon Shanshan hits Japan, power lines snapped, flight ops hit

Tokyo. Typhoon Shanshan slowly barrelled up the Japanese archipelago Friday, dumping torrential rains and causing transport havoc as its reported death toll reached five. The typhoon, one of the strongest to hit Japan in decades, had weakened by early morning, though gusts were still reaching 126 kilometres (78 miles) per hour. Even before making landfall on the island of Kyushu, a landslide caused by the heavy rains preceding it killed three members of the same family late Tuesday in Aichi prefecture, around 1,000 kilometres (600 miles) away. Two more people were reported to have died including a man last seen on a small boat in Kyushu and another whose two-storey home partially collapsed in Tokushima prefecture on the neighbouring island of Shikoku. At least 81 others have been injured, including many hurt by broken glass after the typhoon smashed windows and ripped tiles off roofs when it slammed into Kyushu on Thursday with gusts up to 252 kph. Authorities issued their highest alert in several areas, with more than five million people advised to evacuate, although it was unclear how many did. As far away as the town of Ninomiya near Tokyo,



authorities urged residents to take "immediate measures" to secure safety such as moving to higher floors after a local river flooded.Some parts of Kyushu saw record rains for August, with the town of Misato recording a staggering 791.5 millimetres (31 inches) in 48 hours, the Japan Meteorological Agency said. Power cuts hit

more than 250,000 Kyushu households but the utility operator said Friday that only 6,500 were still without electricity as engineers repaired damaged transmission lines.Overnight, many motorways were fully or partially closed in Kyushu, as well as others further afield, media reports said.Shinkansen bullet trains remained

suspended in Kyushu and were also halted on the major route between Tokyo and Osaka, with operators warning of disruptions elsewhere. Japan Airlines and ANA had already announced the cancellation of more than 600 flights between them for Friday, having scrapped a similar number the previous day, affecting almost 50,000 passengers. Auto giant Toyota suspended production at all 14 of its factories in Japan. Nissan and Honda also halted operations at their Kyushu plants, as did chipmakers including Tokyo Electron, reports said.

Shanshan comes in the wake of Typhoon Ampil, which dumped heavy rain that disrupted hundreds of flights and trains this month but caused only minor injuries and damage. Typhoons in the region have been forming closer to coastlines, intensifying more rapidly and lasting longer over land due to climate change, according to a study released last month.

Another released by World Weather Attribution (WWA) on Thursday said that climate change turbocharged Typhoon Gaemi, which killed dozens of people across the Philippines, Taiwan and China this year.

Kamala Harris's nod to Republican in cabinet, if elected: Diversity of opinion

World The Democratic candidate for the US presidential election, Kamala Harris, on Thursday (US time) said that she might name a Republican to her cabinet if elected, in her first interview since being nominated for the November election. She emphasised "diversity" and serving as President for "all Americans," but said she did not have a particular name in mind.

"But I would, I think. I think it's really important. I have spent my career inviting diversity of opinion. I think it's important to have people at the table when some of the most important decisions are being made that have different views, different experiences. And I think it would be to the benefit of the American public to have a member of my Cabinet who was a Republican," Vice President Harris told CNN's Dana Bash.US presidents have previously appointed members of the opposite party to their Cabinet. However,

no such move has been made during the tenure of Joe Biden or former president Donald Trump in the past eight years.

Harris, in her interview, explained her stance on several policy matters and insisted that her "values have not changed," even as she is "seeking consensus".

consequences," she said.

On Israel's war with Hamas in Gaza, Harris said, "I am unequivocal and unwavering in my commitment to Israel's defence and

When specifically asked about reversals of fracking and decriminalising illegal border crossings, she said, "I think the most important and most significant aspect of my policy perspective and decisions is my values have not changed"."I believe it is important to build consensus. It is important to find a common place of understanding where we can actually solve the problem," Harris said. Said further said, if elected, her administration would renew a push for comprehensive border legislation that would tighten migration into the United

States. "We have laws that have to be followed and enforced, that address and deal with people who cross our border illegally, and there should be

its ability to defend itself." But the vice president also reiterated what she's said for months, that civilian deaths are too high amid the fighting. She also brushed off Republican Donald Trump's questioning of her racial identity after he said she "happened to turn Black." Harris, who is of Black and South Asian heritage, said it was the "same old, tired playbook.

Harris, who was nominated as the Democratic candidate for the presidential race after Joe Biden opted out, is set to debate with rival Donald Trump on

September 10.

not to play their music while campaigning

ABBA asks Donald Trump

World Swedish supergroup ABBA has asked Donald Trump to stop using their music at campaign rallies, but the Republican presidential nominee's campaign says it has permission.

ABBA has recently discovered the unauthorised use of their music and videos at a Trump event through videos that appeared online," said a statement to The Associated Press from the band, whose hits include "Waterloo," "The Winner Takes It All" and "Money, Money, Money." As a result, ABBA and its representatives have promptly requested the removal and deletion of such content. No request has been received; therefore, no permission or licence has been granted."A spokesman for the Trump campaign said it had obtained a licence. "The campaign had a licence to play ABBA music through our agreement with BMI and ASCAP," the spokesperson told the AP.

ABBA joins a long list of performers who've objected to Trump using their songs. Ahead of the 2020 election, that included Bruce Springsteen, Rihanna, Phil Collins, Pharrell, John Fogerty, Neil Young, Eddy Grant, Panic! at the Disco, R.E.M. and Guns N' Roses. This cycle, Celine Dion asked the candidate to stop using "My Heart Will Go On" and Beyoncé blocked Trump from using her song "Freedom" in a campaign video. In 2016, Adele asked Trump to quit playing her songs at political rallies.Campaigns don't need an artist's express permission to play their songs at rallies as long as the political organisation or the venue has gotten what's known as a blanket licence from the performing rights organisations ASCAP and BMI. Swedish daily newspaper Svenska Dagbladet said

its reporter in July attended a Trump rally in Minnesota where "The Winner Takes it All" was played. Universal Music in Sweden said videos had surfaced of ABBA's music being played during at least one Trump event.

ABBA, who have scored 20 songs on the Billboard Hot 100, mostly in the 1970s and 1980s, released a comeback album, "Voyage," in 2021.

Danish court rejects extradition of Purulia arms drop case mastermind to India

World A Danish court on Thursday rejected India's request for the extradition of Niels Holck, also known as Kim Peter Davy, who is wanted in connection with the Purulia arms drop case. On the night of December 17, 1995, a Latvian Antonov An-26 aircraft flew over Indian airspace, dropping a cache of weapons over the village of Joupur in West Bengal's Purulia district. The consignment was allegedly meant for a rebel group in West Bengal.For years, New Delhi has sought Davy's extradition to stand trial in an Indian court. However, the Danish court rejected India's request, stating that sending him to India would violate Denmark's extradition act due to a

treatment in breach of the European Convention on Human Rights. Anders Rechendorff, the public prosecutor who last year nominated Davy for a handover to stand trial in India, told news agency Reuters that it had yet to be decided whether the decision would be appealed. According to Davy's lawyer, Jonas Christoffersen, the guarantees provided by India were not valid. "It's been six years of negotiating the conditions between the public prosecutor and India. Now the court says that his safety can't be guaranteed," Christoffersen told Reuters. Davy previously admitted in a Danish court that he was onboard the cargo plane with six others, smuggling weapons into West

Bengal in December 1995. He also admitted to the fact that the arms were intended for people associated with Ananda Marga, a rebel movement. WHAT IS THE PURULIA ARMS DROP

On December 17, 1995, an Antonov An-26 aircraft dropped a consignment in Joupur. This included hundreds of AK-47 rifles, anti-tank grenades, rocket launchers, and over 25,000 rounds of ammunition, allegedly meant for Ananda Marga, a socio-spiritual organisation with a history of militancy. The aircraft, piloted by a crew led by Peter Bleach, a former British Army officer turned arms

Want more babies: Trump says would fund IVF, then 'backs' abortion rights

▲ An Israeli tank maneuvers near the border with Gaza, amid the Israel-Hamas conflict, in southern Israel August 29, 2024. (Reuters)

risk that he would be subjected to

🕳 Israel has agreed to three-day humanitarian pauses in Gaza for polio vaccination, with over 640,000 children targeted. WHO emphasizes adherence to coverage goals

World In a move likely aimed at appealing to women voters, Republican presidential nominee Donald Trump announced on Thursday that he supports having the government or insurance companies cover the costs of in vitro fertilisation (IVF).

"Under the Trump administration, we are going to be paying for that treatment," Trump said in an interview with NBC News. "Or we're going to be mandating that the insurance company pay."Health insurance companies in the US are not currently

obligated to cover IVF treatments, which can cost tens of thousands of dollars. Trump reiterated that one option would be to have insurance companies pay "under a

The former president unveiled the policy later at a rally in Michigan, telling the crowd, "Your government will pay for or your insurance company will be mandated to pay for all costs associated with IVF treatment."

Trump also stated his administration would push for new parents to deduct "major newborn expenses" from their taxes. "We want more babies," he added.TRUMP 'BACKS' ABORTION RIGHTS

In the NBC News interview, the Republican opposed Florida's six-week abortion ban and indicated support for overturning it. "I'm going to be voting that we need more than six weeks," he said. At the same time, he backed exceptions in abortion laws for cases where the pregnancy poses a threat to the mother's life, or is the result of rape or



incest. However, Trump's campaign quickly moved to clarify his stance on the divisive issue of abortion."President Trump has not yet said how he will vote on the ballot initiative in Florida," said Karoline Leavitt, Trump's press secretary, in a statement to NPR. "He simply reiterated that he believes six weeks is too short."The issue of reproductive rights has turned into a major point of contention in the 2024 election. Vice President Kamala Harris has repeatedly

attacked Trump's abortion position, accusing him and the Republican Party of threatening women's rights, including access to birth control and fertility treatments. At the Democratic National Convention, Harris claimed that Trump and his party would "limit access to birth control, ban medication abortion, enact a nationwide ban on the procedure, and force states to report on women's miscarriages and abortions."The issu of access to fertility treatments became a political

flashpoint earlier this year when the Alabama Supreme Court ruled that frozen embryos were considered children under the law, leading to a temporary pause in IVF treatments in the state. Trump's pledge to support IVF coverage may be seen as an attempt to moderate his stance and appeal to voters concerned about his record on abortion rights. He had urged Alabama lawmakers to preserve IVF acces.

Israel Agrees To Three-Day 'Humanitarian Pauses' In Gaza For Polio Vaccinations

Jerusalem, Israel Israel has agreed to a series of three-day "humanitarian pauses" in Gaza to allow health officials to administer polio vaccinations to children in the territory, the World Health Organization said Thursday.

'The way we discussed and agreed, the campaign will start on the first of September, He said that 1.26 million doses of in central Gaza, for three days, and there will be a humanitarian pause during the vaccination," said Rik Peeperkorn, the agency's representative for Palestinian territories. The vaccination rollout will also cover southern and northern Gaza, which will each get their own three-day pauses, Peeperkorn told reporters, adding that Israel had agreed to allow an additional day if required. The vaccination campaign aims to cover more than 640,000 children under the age of 10."We stress the critical importance that have been made," Michael Ryan, WHO deputy director-general, told the UN

Security Council. "At least 90 percent of coverage is needed during each round of the campaign in order to stop the outbreak and prevent international spread of polio," he

the NoPV2 vaccine had been delivered in Gaza, with another 400,000 still to arrive. The vaccine is administered orally in two drops. Health workers will need to return in four weeks' time to give two more drops to each child to complete the vaccination, although so far there has been no public discussion of arranging another pause in the fighting.

for all parties to adhere to the commitments Oren Marmorstein, Israel's foreign affairs spokesman, said on X that his government has "has coordinated a large-scale operation



with WHO and UNICEF to vaccinate children in the Gaza Strip against polio." Hamas said it supports the "UN humanitarian truce." Robert Wood, US deputy ambassador to the United Nations,

said it is "vital that this campaign be implemented without delay."He called on Israel to "facilitate access for agencies carrying out the vaccination campaign, and for it to ensure periods of calm and refrain from military operations during vaccination campaign periods." The United States and European Union have voiced concern over polio in Gaza, after the first case there in 25 years was confirmed this month in an unvaccinated 10-month-old baby. Poliovirus is highly infectious and most often spread through sewage

and contaminated water — an increasingly common problem in Gaza with much of the territory's infrastructure destroyed by Israel in

its war against Hamas. The disease mainly affects children under the age of five. It can cause deformities and paralysis, and is potentially fatal.

NEWS BOX

Sophie Devine to resign as New Zealand T201 skipper after Women's T20 World Cup



New Delhi. Sophie Devine will step down as the New Zealand T20I skipper after the upcoming T20 World Cup in the United Arab Emirates (UAE). The 34-year-old allrounder has led the White Ferns in 56 T20Is with 25 wins, 28 losses and one tied game. She led the national team in a few games from 2014-15 before taking full charge from Amy Satterthwaite in 2020. Devine, who also plays for the Royal Challengers Bengaluru (RCB) in the Women's Premier League (WPL), said that she wanted to take some "additional workload" off her shoulders and also help in the development of future leaders.

'I'm very proud to have had the privilege to captain the White Ferns in both formats. With captaincy comes an additional workload that, while I've enjoyed taking on, can also be challenging at times," Devine said in a statement."Stepping away from the T20 captaincy will take a bit off my plate so I can focus more of my energy on my playing role and nurturing the future leaders," she said. Not ready to give up ODI captaincy'

Devine, however, will continue leading in ODIs with the 50-over World Cup scheduled to take place next year on Indian soil.

'I'm not ready to give up ODI captaincy just yet. But I won't be around forever, so I think stepping away from captaining one format at a time gives the next leaders time to find their feet," Devine added.

Devine recently played for Birmingham Phoenix in the Hundred Women's competition. She played six games in which she scored 117 runs with a top score of 37 and could not pick up a wicket from 13 overs. Devine is currently undergoing rehabilitation for her foot injury.New Zealand's campaign in the T20 World Cup is set to start on Friday, October 4 at Dubai International Cricket Stadium.

ENG vs SL: Joe Root remembers Graham Thorpe after recordlevelling ton at Lord's

New Delhi. Star England batter Joe Root dedicated his record-breaking innings to late Graham Thorpe on Day 1 of the second Test against Sri Lanka at Lord's, Notably, Root scored a phenomenal 143 (206) to rescue England from early trouble after they were at 82/3 after being put in to bat first.

From there on, the 33-year-old stitched crucial partnerships with Harry Brook (33) and Gus Atkinson (74) to help his team reach a good score. Following his innings, Root remembered his long-term batting mentor and former England cricketer Graham Thorpe who died earlier this month."I've been very lucky to work with a lot of people, whether it be senior players, coaches, mentors, and Thorpey was one of those people that offered me so much," Root was quoted as saying by ESPNCricinfo. Thorpe, who played 100 Tests and 82 ODIs for



England, took his own life earlier this month after a prolonged battle with anxiety. To honour the former batter, Root pointed out to the skies after completing his 33rd Test hundred. Speaking about the moment after the game, the Yorkshire-born cricketer recalled Thorpe's contributions in his career stressing upon the fact that he 'wouldn't be here without him'."It was nice to be able to think of him in that moment. He's someone that I'm going to sorely miss. He put a lot into my game, into my career, and without his help I definitely wouldn't be where I am

now," he added. Joe Root levels with Alastair Cook

Notably, Thorpe also pushed for Root's selection in the England squad for the India tour in 2012 where he went on to make his debut in the fourth Test in Nagpur and scored a brilliant 73. Meanwhile, Root equaled Alastair Cook's record of scoring most Test hundreds for England levelling the former England captain with 33 centuries. It was also his sixth hundred at Lord's as he got levelled with Graham Gooch and Michael Vaughan who also have six hundreds each to their name at the historic venue. Courtesy of his innings, England finished Day 1 on 358/7 with Gus Atkinson (74*) and Matthew Potts (20*) at the crease.

Tabraiz Shamsi slammed for poking fun at Suryakumar Yadav's T20 WC final catch

South Africa spinner Tabraiz Shamsi was slammed by fans for poking fun at Suryakumar Yadav's incredible catch from the T20 World Cup 2024 final.

New Delhi. South Africa spinner Tabraiz Shamsi was slammed by fans for poking fun at Suryakumar Yadav's iconic catch from the T20 World Cup 2024 final. Notably, the India cricketer took a phenomenal catch in the last over of the thrilling final to dismiss dangerous David Miller and turn the game in India's favour. However, some section of fans still questioned the legitimacy of the catch after the game using different camera angles. Two months after the nail-biting final in Barbados, Shamsi shared a hilarious video from a local cricket game in India where a fielder takes a close catch on the



boundary. However, the batters quickly run to check its legitimacy and use a rope to check whether he stepped onto the virtual boundary. After a prolonged inspection, it was found out that the catch was not clear hence the batters survived. Giving his take on the hilarious video, Shamsi made a light

remark saying that the method should've been used to check Suryakumar Yadav's catch which may have resulted in the decision in their favour.

"If they used this method to check the catch in the world cup final maybe it would have his X account. However, the comment didn't go down well with fans who slammed Shamsi for questioning the legitimacy of Suryakumar's catch. As a result, the wrist spinner had to clarify that he was joking.

In case some people dont understand that it's meant to be a joke and no one is crying... let me explain it to you like a 4 year old child ðŸä— It's A Joke," he

India's incredible comeback in T20 World Cup final

Coming back to the final, South Africa required 16 runs to win off the last six balls with David Miller at the crease. However, the southpaw hit a full toss from Hardik Pandya towards long off where Suryakumar Yadav showed great presence of mind to catch and quickly get rid of the ball before crossing the

boundary and coming inside the boundary to catch it again. Courtesy of his fielding brilliance, India managed to see the back of David Miller and eventually win the match by seven runs ending their 11-year-long wait for an ICC Trophy.

Naomi Osaka devastated after US Open 2024 exit: My heart dies every time I lose

Naomi Osaka was heartbroken after she made an early exit from the US Open 2022. On Thursday, the 2-time champion crashed out after losing 3-6, 6-7 (5-7) to Karolina Muchova at the Arthur Ashe Stadium in the second round. Earlier on Wednesday, Osaka ended her three-year wait to win a match at Flushing Meadows after she beat 10th seed Jelena Ostapenko, who had beaten Iga Swiatek last year in the quarters.But against Muchova, the 2023 French Open finalist, Osaka could not have the last laugh. Osaka made her comeback this year after missing the previous edition of the tournament due to a maternity break. She admitted that she has found it a "little difficult" since returning from pregnancy."I feel I'm coming back from pregnancy, but also it wasn't like in 2022 I was the best version of myself. In some way, I had to catch up to that and also I'm trying to pass it as the same time. It's been a little difficult," Osaka told the US Open press. Obviously I can only gauge how I'm doing by results. I feel faster. I feel better.

PAK vs BAN: Ramiz Raja comes out in support of Babar Azam amid poor form

New Delhi. Former Pakistan cricketer and PCB (Pakistan Cricket Board) Chairman Ramiz Raja has come out in support of star batter Babar Azam who's experiencing poor form in recent times. Notably, Pakistan suffered a shocking 10-wicket loss against Bangladesh in the first Test at Rawalpindi Cricket Stadium, Rawalpindi.

Babar couldn't do much to save his team from a loss registering scores of 0 and 22. The former Pakistan captain was almost dismissed for a duck in the second innings as well but was given a reprieve by Litton Das. However, that didn't help Pakistan's cause as they succumbed to their maiden Test defeat against Bangladesh.Following their loss, there has been widespread criticism of Babar owing to his poor form. Ramiz Raja jumped to his defence and mentioned that his form has drawn scrutiny due to his massive stature in Pakistan cricket. He also highlighted that the emergence of social media has made players more susceptible to criticism which should be discouraged.

"It seems the entire nation does not have a



problem with anything except the form of Babar Azam. Unfortunately, what happens is when you lose a match and you have not scored runs and if you are Babar Azam, then you become a headline - How did we lose? What did he do? What was his contribution? And then this is the era of social media. Anybody can criticize and ridicule anyone,

this should be discouraged as much as possible," Ramiz said on his YouTube channel.

Babar has been a big player in all three formats: Ramiz Raja

Further speaking ahead, Raja called Babar a stalwart of all three formats."Cricket is in our blood but don't know for how long if we continue to lose matches like this in Test cricket. Fan following increases with wins and fans identify themselves with success stories. Babar Azam has had a famous success story. There is no doubt that he has been a big player in all three formats," he said. Babar is without a halfcentury in the last 14 innings of Test cricket having scored 289 runs in the same time period at an average of 20.64 with a highest score of 41. Courtesy of his prolonged period of low scores, the 29-year-old has slipped down six positions to be at number nine in the latest ICC Test batting rankings. He will be eager to make a comeback in the second Test as Pakistan will be desperate to avoid a series loss against the Bangla Tigers.

But I lost in the 2nd round so it's a little rough. But also it's been fun playing a lot of tournaments. It's been a commitment for sure. I've been able to go to different cities that I hadn't been to before." Osaka said. "It's tough because I take these losses personally. This is a dramatic word... but I feel like my heart dies every time I lose. It sucks a lot. But I've been trying to be more mature and learn and talk more about them," Osaka added.

Osaka made her return to Grand Slams earlier this year when she lost to France's Caroline Garcia in the opening round of the Australian Open. In the French Open, she ran Swiatek close and fetched a match point, but the latter won the second-round match to advance. Osaka also faltered at Wimbledon, where she could not go beyond the second round.

Meet Botic van de Zanschulp, the man who stunned Carlos Alcaraz at US Open 2024

New Delhi Botic van de Zanschulp of the Netherlands had a dream day after he handed World No.3 Carlos Alcaraz a shock exit from the US Open 2024. Alcaraz, who was one of the strongest contenders to lift the men's singles title, could not go beyond the second round. It also

happened to be his earliest exit in Grand Slams since Wimbledon 2021, when Daniil Medvedev beat him in straight

advertisement

On Thursday, it took Van de Zanschulp an hour and 19 minutes to beat the 21-yearold Alcaraz 6-1, 7-5, 6-4 at Arthur Ashe Stadium. Before their clash in the hardcourt major, the Dutchman was 0-2 down against the Spaniard on the headto-head count. In fact, he had not won a single set, going down in straight sets both times. Quite naturally, van de Zanschulp

was "lost for words" "Actually, I'm a little

lost for words. It's been an incredible

session on Arthur Ashe. The crowd was amazing. Thank you for that. Unbelievable night," van de Zanschulp said after the match."I got a lot of confidence from the



last match. I played really solid the last match. From point 1 I believed I could have a chance. You see how it sometimes turns out," Van de Zanschulp added. Botic van de Zanschulp looking for his maiden singles title2021 was the year when Van de Zanschulp started taking baby steps after he qualified for the main draw of a Grand Slam for the first time in the Australian Open. In

> the same year, he reached the quarters of the US Open where he took a set off Medvedev, although he lost the match 3-6, 0-6, 6-4, 5-7 at the Arthur Ashe Stadium.

In 2022, van de Zanschulp reached the third rounds of the Australian Open and French Open, where he lost to Medvedev and Rafael Nadal respectively.

It goes without saying that the win against Alcaraz was his biggest thus far in his Grand Slam career.In 2022 itself, van de Zanschulp achieved his career-

best ranking of No.22 in the world. He has also played doubles in all four Grand Slams and won the European Open 2022 in Antwerp along with his countryman Tallon

evening. First time for me having a night **Burnt-out Carlos Alcaraz calls out 'tight** scheduling' after shock US Open exit

Carlos Alcaraz highlighted the tight scheduling of the tennis calendar after his shocking second-round exit from the US Open 2024 after loss to Botic van de Zandschulp.

New Delhi Carlos Alcaraz called out the tight scheduling of the Tennis calendar after his shocking exit from second round of the US Open 2024. Notably, the Spaniard was stunned by Botic van de Zandschulp who beat him in three straight sets on Friday, August 30 at Arthur Ashe Stadium.

Van de Zandschulp beat the world number three by 6-1, 7-5, 6-4 knocking out one of the title favourites in the second round itself. Having won back-to-back Grand Slam titles earlier this year by clinching titles at Roland Garros and Wimbledon, no one expected Alcaraz to bow out this early at Flushing Meadows. Following his loss, the 2022 US Open winner spoke about the tight scheduling of the tournaments one after the other. The 21-year-old mentioned the fact that he wasn't at his best heading into the tournament and highlighting his demands for longer breaks ahead of big events."Probably, yeah. The tennis schedule is so tight.

I've been playing a lot of matches lately. With Roland Garros, Wimbledon, Olympics. I took a little break after Olympics. I thought it was enough. It was really helpful for me. Probably it wasn't enough. I came here without as much energy



as I thought I was going to come with," said Alcaraz after the game. "But I don't want to use that as an excuse. But it's so tight. I'm a player who needs more days or more of a break coming into the big tournaments and important ones. I have to think about it and learn about it. Let's see," he added. I thought

he would give me more free points: AlcarazFurther speaking ahead, Alcaraz praised Van de Zandschulp for his gameplay and rued not being able to match his level as the game progressed.

'I don't know what to say right now. First of all he played great. He played really good tennis. I thought he would give me more free points. He didn't make a lot of mistakes I thought he was going to make.. it was confusing a bit. I didn't know how to manage or deal with it. I couldn't increase my level. I think my level stayed the same the whole match. It

wasn't enough to do it or to give myself the chance to get into the match or try to give myself chances," he further said.

Meanwhile, the Dutchman earned the highestranked victory of his career. The World No 74 will next face 25th seed Jack Draper in the third round Saturday.

Parvathy Calls Mohanlal's AMMA

Saturday, 31 August 2024



Was 1st Choice For Twinkle Khanna's Role In SRK's Baadshah Says Producer: 'She Couldn't...'

hah Rukh Khan and Twinkle Khanna starrer Baadshah clocked 25 years recently. The film fast-tracked Shah Rukh Khan's journey to superstardom and remains one of Twinkle Khanna's most popular screen appearances. However, producer Ratan Jain has revealed that instead of Twinkle Khanna, Karisma Kapoor was the first choice to play the lead.In an interview with Bollywood Hungama, Ratan Jain said, "Earlier, we had considered Karisma Kapoor. She was almost finalised but then for some reason, she couldn't come on board. Then we looked for a few options. Finally, we locked

However, in a 2019 interview with the publication, Abbas-Mustan were asked if reports of Shilpa Shetty, Karisma Kapoor, Anupama Verma, Manisha Koirala being approached for the role of Seema (played by Twinkle Khanna) were true. They had said, "Even this is not true. Twinkle and Deepshikha were the only actors approached for their respective parts. Even Johny Lever, Amrh Puri, Rakhee Gulzar etc were original choices."The director duo had also addressed reports of Akshay Kumar being considered for Shah Rukh Khan's role. "Not at all. Shah Rukh was always the first choice," they had

They added, "Shah Rukh provided a lot of inputs. Woh kamaal ke actor hain! Whether it's in humour or serious scenes, he's too good. Some of the card tricks were actually done by him, after a magician on the set taught him. No graphics or VFX were used. People still see the film and wonder how he managed to do it!"Producer Ratan Jain also opened up about the lack of technology and said, "There was no VFX like it is now. But we did have some effects. Honestly, in some scenes, we were not very happy with the effects. But we had to compromise. If there was VFX in those times, we could have done a lot more."

Baadshah featured Shah Rukh Khan as a detective, with gadgets and technology like shoes which allowed him to climb walls. The film remains one of Shah Rukh Khan's most popular works. However, when the film was first released, it did not perform well at the box office; but the film managed to amass a cult following much later



Tara Sutaria

Goes Bold in Chic Oversized Blazer and Mini Skirt on Latest Outing

ara Sutaria stepped out in style during a recent night out in Bandra, Mumbai, and her fashion choices left quite an impression. Captured by the paparazzi, Tara opted for an effortlessly chic look, donning an oversized beige blazer with puffed sleeves that featured a deep V-neckline, adding a touch of allure to her outfit. She paired the blazer with a black mini skirt, showcasing her toned legs and bringing a contemporary edge to her ensembleAccessorising the look, Tara carried a sleek black Gucci handbag with bamboo handles, which added a touch of luxury and complemented her outfit perfectly. Her black pointed-toe pumps matched her skirt, tying the entire look together. With her hair pulled back

into a sleek bun and her makeup kept minimal with a nude lip shade, Tara's look was all about glamour.



As she exited the restaurant, Tara engaged briefly with her driver, instructing him with a casual, "Shukla ji, thoda aage," as she prepared to leave. The video shared by Voompla on Instagram quickly garnered attention, with fans praising her chic sense of style. This appearance comes amidst buzz about Tara's upcoming projects. There are strong rumours that Tara has been cast in Yash's

much-anticipated film, Toxic. While the actress has previously dismissed reports of playing a significant role in the film, recent hints from her hairstylist's Instagram story suggest otherwise. The story, tagged with "toxic" and "team Tara," was geo-tagged to Bangalore, sparking speculation among fans and media alike. Set in the dark world of the drug mafia, Toxic is expected to be a high-octane thriller with an ensemble cast, including Nayanthara, Kiara Advani, and Huma Qureshi. Tara's association with this film, if confirmed, would add another feather to her cap, marking her foray into a more intense, action-packed genre.



ctor Parvathy Thiruvothu has lashed out at the Association of Malayalam Movie Artists (AMMA) committee for their decision of collective resignation. Parvathy, who is also the founding member of Women in Cinema Collective (WCC), recently questioned AMMA's move and called them cowards. Even though the actress did not name Mohanlal, she criticised the decision and argued that it was an attempt to avoid accountability."The first reaction I had when I heard the news about this collective resignation was, 'how cowardly.' How cowardly of them to step away from a position where they are accountable to speak to the media. That's an immediate cop-out. With this, the onus has again fallen on women to take the conversations and debates forward. It would have been amazing if they had shown at least the intention to work with the state government and stakeholders to figure a way out," Parvathy told journalist Barkha Dutt on her YouTube channel.

Parvathy further expressed her anger and raised several important questions. "This is the same executive committee that welcomed the prime accused in the 2017 sexual assault case back into its fold when the case was still going on. This is the same executive committee that claimed none of these things actually existed until the allegations against them came out. Also, it was very careless of the government to make statements like, 'If the women have complaints, they should just file an FIR and come up with names.' Again the onus is put on women to name and shame and take the brunt of it after that. My question's always been, what is the proof of justice you can show for you to demand that we must name and shame (the perpetrators)? After that, what happens to us, our careers, lives, legal fees and mental health issues? No one gives a damn about that. Why, again and again, the onus is put on the women to take care of the problems that are not caused by us?" she said.

Salman Khan Hugs Young Fan Who **Touched His Feet at Ganesh Chaturthi** Event, Video Goes Viral | Watch



alman Khan, the beloved superstar known for his immense global fanbase, is set to dazzle audiences with his upcoming film, Sikandar, directed by AR Murugadoss. While Salman's charisma is well-known on-screen, his off-screen interactions also capture hearts. The actor's fondness for children is particularly endearing, and he recently demonstrated this at a Ganesh Chaturthi event in Mumbai.In a heartwarming video that has taken Instagram by storm, Salman Khan is seen on stage at the Ganesh Chaturthi celebration, dressed casually in a blue tee and blue jeans. As a young fan approaches him, Salman opens his arms wide, welcoming the child with a warm hug. The fan, who appears to be holding a sketch of Salman, receives an autograph from the actor. The emotional moment culminates with the young boy touching Salman's feet.

The video quickly went viral, with fans pouring in their admiration and praise for Salman's kind gesture. Comments ranged from expressions of awe to heartfelt declarations of appreciation. One fan described the moment as "beautiful" with a red heart emoji, while another praised Salman as a "true inspiration."

Amid the celebrations, Salman Khan was also spotted reuniting with Sonali Bendre, marking a poignant moment as it was their first public appearance together since the release of Hum Saath-Saath Hain 25 years ago. Despite facing discomfort from a rib injury, Salman's enthusiasm was commendable. He even promoted ecofriendly Ganesha idols and energetically performed to the song "Jalwa" from his film Wanted.Produced by Sajid Nadiadwala, Sikandar is set for release on Eid 2025. The film will also feature Rashmikka Mandanna, Suniel Shetty, and other notable actors, promising an exciting cinematic experience.